सुविचार
अक्सर अकेलेपन से वही गुजरता है जो जिंदगी में सही फैसले चुनता है..!

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज से पहले...

Ranchi ● Monday, 04 February 2024 ● Year : 02 ● Issue : 47 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

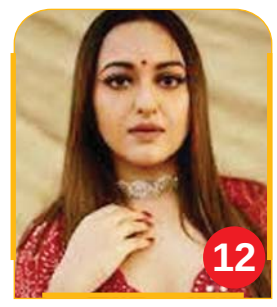

सेंसेक्स	:	73,806.15
निफ्टी	:	22,378.40

SARAFA

सोना	:	6,035
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

छत्तीसगढ़ के कांकेर में मुठभेड़, एक नक्सली ढेर एक जवान शहीद

AGENCY CHHATISGARH : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार सुबह मुठभेड़ में एक वर्दीधारी पुरुष नक्सली मारा गया, जबकि बस्तर फाइटर्स का एक जवान आरक्षक रमेश कुरेठी गोली लगने से बलिदान हो गया। कांकेर के पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जिले के थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के हिदूर वनक्षेत्र में बड़े नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर बीएसएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स का संयुक्त बल नक्सल उन्मूलन अभियान पर सुबह रवाना किया गया था। अभियान के दौरान सुबह 08 बजे हिदूर वनक्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। लगभग एक घंटे तक चली मुठभेड़ में वर्दीधारी एक पुरुष नक्सली मारा गया।

ब्लू सफायर मॉल में बड़ा हादसा, ग्रिल गिरने से दो लोगों की हुई मौत

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दर्दनाक हादसा हुआ है। ग्रेनो वेस्ट के ब्लू स्क्वायर मॉल में ग्रिल गिर गई। ग्रिल की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना से मॉल में अफरा-तफरी मच गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के अनुसार, बिसरख थाना इलाके स्थित अस्पताल से सूचना मिली की ब्लू स्क्वायर मॉल पर छत से लोहे का स्ट्रक्चर गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई है।

13 किलो गांजा और नशीले पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

RANCHI : नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान 13 किलो गांजा और अन्य नशीले पदार्थ के साथ एक व्यक्ति को पंडरा ओपी क्षेत्र के आईटीआई बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम अजीत कुमार साहू है, वह मूल रूप से खूंटी के अड़की थाना क्षेत्र का रहने वाला है, और वर्तमान में पंडरा में रहता है। रविवार को अपने ऑफिस में सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार हुए अभियुक्त अजीत कुमार ने पुलिस को बताया कि वो गांजा का अवैध व्यापार निजी मुनाफे के लिए करता था। अजीत का अपराधिक इतिहास रहा है। साल 1999 में वो अड़की थाना खूंटी से जेल गया था।

हथियार के साथ अपराधी गिरफ्तार

RANCHI : लोअर बाजार थाना पुलिस ने हथियार के साथ सैंकी दीन उर्फ सैंकी कच्छप को गिरफ्तार किया है। वह कांटा टोली एजी चर्च के पास का रहने वाला है। इसके पास से एक पिस्टल, दो मैगजीन, तीन जिंदा गोली बरामद किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि लोअर बाजार थाना पुलिस ने एक मामले के अनुसंधान के क्रम में छापेमारी की। इस दौरान एक अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया।

टाटा स्टील ने रखा देश में 30 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य : चंद्रशेखरन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर का भ्रमण हर बार विशेष क्षण होता है। यह हम सभी के लिए भावनात्मक पल होता है, क्योंकि यह अवसर हमें हर बार उस उद्‌?देश्य की याद दिलाता है, जिसके लिए यह (टाटा) ग्रुप स्थापित हुआ था। जमशेदपुर आना हमारे लिए मंदिर का दर्शन करने जैसा है। यहां आकर मैं हमेशा भविष्य को तो देखता ही हूं, पुराने दिनों की याद भी आती है, जो मैंने यहां बिताए थे।

टाटा स्टील के संस्थापक दिवस पर बिष्टुपुर स्थित पोस्टल पार्क से शहरवासियों को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा स्टील निरंतर आगे बढ़ने में विश्वास करती है। टाटा स्टील के

शहरवासियों को संबोधित करते टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

पास सुनहरा भविष्य है। हम अभी भारत में 23 मिलियन टन उत्पादन कर रहे हैं, जिसे बहुत जल्द 30 मिलियन टन और अगले दस वर्ष में 40 मिलियन टन स्टील उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।

इससे पूर्व चंद्रशेखरन ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं, जो इस देश और टाटा ग्रुप का हिस्सा हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं, दुनिया इन दिनों जियो-पॉलिटिकल मोमेंट्स से गुजर रही है। अमेरिका और चीन अपनी भूमिका बदल रहे हैं। भारत भी विश्व में अपनी पहचान बना रहा है। आज के दिन टेक्नोलाजी से कोई अछूता नहीं है। डिजिटल तकनीक के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह न केवल व्यवसाय पर गहरा असर डाल रहे हैं, बल्कि हमारी दिनचर्या को भी प्रभावित कर रहे हैं। इसी प्रकार ऊर्जा संरचण में भी काफी बदलाव हुआ है। शून्य कार्बन उत्सर्जन सबके लिए बड़ा लक्ष्य है। इसके साथ-साथ टाटा ग्रुप नए बिजनेस को लेकर सभी क्षेत्र में संभावनाएं तलाश रहा है, चाहे वह बैटरी का उत्पादन हो या सेमीकंडक्टर का। हम अपने लोगों को नए-नए उद्योगों के लिए प्रशिक्षित भी कर रहे हैं, जिससे वे अपनी क्षमता का विस्तार कर सकें। ऊर्जा संचरण के क्षेत्र में टाटा स्टील के पास महत्वपूर्ण चुनौती है।

टाटा स्टील को मिली नेक्स-जेन वाहनों की पहली खेप

JAMSHEDPUR : संस्थापक दिवस के अवसर पर टाटा स्टील ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उसे टाटा मोटर्स से नेक्स-जेन कमर्शियल वाहनों की पहली खेप मिली। ये वाहन हरित, स्वच्छ, अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य के लिए टाटा समूह की ₹आलिंगन परियोजना₹ के अनुरूप है। इससे टाटा स्टील के शून्य कार्बन उत्सर्जन की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। इन वाहनों के पहले सेट में प्राइमा ट्रैक्टर-ट्रेलर, टिपर और अल्ट्रा ईवी बस शामिल हैं, जो सभी कम और कार्बन उत्सर्जन-मुक्त प्रौद्योगिकियों - एलएनजी और

हरित वाहनों की पहली खेप के साथ टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन व अन्य।

इलेक्ट्रिक बैटरी द्वारा संचालित हैं। जमशेदपुर में टाटा समूह के संस्थापक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में टाटा संस के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान टाटा स्टील के ग्लोबल सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन और टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ अपनी नेतृत्व टीमों के वरिष्ठ सदस्यों के साथ उपस्थित थे।

लालू ने खेल दिया हिंदू कार्ड, पीएम मोदी को हिंदू मानने से किया इंकार

राजद अध्यक्ष ने गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास महारैली को किया संबोधित

AGENCY PATNA : भारतीय जनता पार्टी अबतक हिंदू कार्ड खेलने के लिए जानी जाती रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सनातन धर्म का संरक्षक बताती रही है। लेकिन, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने दोनों मोर्चों पर अब लड़ाई छेड़ दी है। रविवार को पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास महारैली को संबोधित करते हुए लालू ने कहा कि पीएम मोदी तो हिंदू ही नहीं हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कोई हिंदू यह-यह काम नहीं कर सकता, जो पीएम मोदी ने किया है। उन्होंने पीएम मोदी की पारिवारिक जिंदगी पर भी हमला बोला। शनिवार को पीएम मोदी बिहार में आए थे तो उन्होंने बिना नाम लिए परिवारवाद के बहाने लालू प्रसाद पर हमला बोला था।

गांधी मैदान की रैली को संबोधित करते लालू प्रसाद यादव।। ● फोटोन न्यूज

लालू ने पीएम मोदी पर साधा व्यक्तिगत निशाना

लालू प्रसाद ने कहा कि मंडल कमीशन का नतीजा है कि आज हर पिछड़ा वर्ग, दलित, वंचित और गरीब सत्ता के दरवाजे पर खड़ा है। यह नरेंद्र मोदी क्या चीज है? यह मोदी आजकल परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं। आप बताओ न, आपको क्यों नहीं संतान हुआ? ज्यादा संतान होने वाले लोगों को बोलता है कि परिवारवाद है। परिवार के लिए लड़ रहा है। आपके पास परिवार नहीं है और आप हिन्दू भी नहीं हैं। जब आपकी माताजी का देहावसान हो गया तो हर हिन्दू अपनी मां के शोक में केस दाढ़ी मुंडवाता है। आपने क्यों नहीं छिलवाया? यह बताओ। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पीएम पर हमला कायम रखा। बोले- देश भर नफरत फैला रहे हो। कहता है कि भगवान में प्राण प्रतिष्ठा कर दिया। बताओ कि बिना प्राण प्रतिष्ठा के ही भगवान ही अब तक थे? उन्होंने पीएम मोदी को हिंदू मानने से इनकार करते हुए अपनी बातें पूरी कीं तो राम-सीता होते हुए बेटी-बेटा तक पहुंचे। उन्होंने कहा- जनकपुर में श्रीराम चंद्र जी की शादी हुई। बिहार जैसे राज्य में एक से एक सूरमा पैदा लिए।

एक्शन मोड में पीएम : 10 दिनों में तेलंगाना तमिलनाडु समेत 12 प्रदेशों का किया दौरा

NEW DELHI : केंद्रीय निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा किसी भी समय कर सकता है। चुनाव आयोग की घोषणा के बाद पूरे देश में आचार संहिता लागू हो जाएगी। चुनावी बिगुल बजने से पहले पीएम मोदी अगले 10 दिनों में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेंगे। खबरों के मुताबिक पीएम मोदी 29 कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री के भावी कार्यक्रमों के बारे में अधिकारियों ने बताया कि पीएम मोदी तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, जम्मू-कश्मीर, असम अरुणचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और राजस्थान का दौरा करेंगे। पीएम मोदी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री का फोकस 10 साल के कार्यकाल पर : खबरों के मुताबिक अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनाव-2024 से पहले प्रधानमंत्री मोदी अलग-अलग-राज्यों में लाखों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे हैं। सियासी पंडितों का मानना है कि पीएम मोदी अपने 10 साल के कार्यकाल में हुए विकास और भाजपा नीत सरकार के कल्याणकारी एजेंडे की तरफ जनता का ध्यान खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह का आसनसोल से लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 195 उम्मीदवारों की घोषणा के अगले ही दिन पार्टी को तगड़ा झटका लगा, जब भोजपुरी सिंगर पवन सिंह ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। पवन सिंह ने रविवार (3 मार्च 2024) को सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। पवन सिंह ने ट्वीट किया, 'भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का दिल से आभार प्रकट करता हूं। पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारणवश मैं आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा।'

झारखंड में विदेशी महिला के साथ गैंगरेप के मामले में तीन गिरफ्तार

DUMKA : झारखंड के दुमका जिले में विदेशी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सात में से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ब्राजील के दूतावास ने दुखद घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए जानकारी दी है। दूतावास ने कहा है कि महिला को मेडिकल सुविधाएं दी गई हैं और पूरे घटनाक्रम पर वे नजर बनाए हुए हैं। पीड़ित महिला के पास दोहरी नागरिकता है। वह ब्राजील के साथ-साथ स्पेन की भी नागरिक है। वह अपने पति के साथ एशिया के अपने दौरे पर थी। झारखंड के दुमका जिले में महिला के साथ सात लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला ने स्वयं पुलिस स्टेशन पहुंचकर इसकी जानकारी दी। इसके बाद से यह मामला सुर्खियों में है और सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। ब्राजील के दूतावास ने एक बयान में कहा है कि घटना के तुरंत बाद महिला और स्थानीय प्रशासन से संपर्क साधा गया है। महिला दोहरी नागरिकता रखती है और पति-पत्नी स्पेनिश पासपोर्ट से भारत आए थे। स्पेनिश दूतावास ने स्थानीय प्रशासन और महिला से संपर्क किया है। उन्हें सहायता देने का प्रस्ताव भी दिया लेकिन उन्हें भारतीय आपात सुविधाएं दी जा रही हैं।

साइबर ठगी के छह आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS GIRIDIH : बिरनी पुलिस ने रविवार को छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक व्यक्ति को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से 9 मोबाइल, 17 सिमकार्ड, 16 एटीएम, 08 आधार कार्ड, 06 पैन कार्ड, दो बाइक, 19 हजार रुपये बरामद किया गया है। सभी आरोपित फर्जी खाते के जरिए साइबर ठगी करते थे।

एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली कि गिरिडीह के बिरनी थाना क्षेत्र के बरमसिया चौक के पास कुछ साइबर अपराधी आम लोगों से ठगी कर

गिरफ्तार साइबर ठग। ● फोटोन न्यूज

रहे हैं। सूचना के आधार पर डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित कर कार्रवाई की गई।

छापेमारी करते हुए तिसरी के गादी के रहने वाले कुंदन कुमार (24), मुकेश कुमार यादव (30), तिसरी के लक्ष्मीपुर का लोकेश कुमार (24), हिरोडीह पिनउरसोत का चंद्रकांत श्रीवास्तव (28), तिसरी गाछी का पिंकेश कुमार (21) और तिसरी भंडारी के जयमंगल यादव (21) को गिरफ्तार कर लिया गया। तिसरी के गादी के रहने वाले गौतम कुमार यादव को पुलिस ने नामजद अभियुक्त बनाया है।

4:30 घंटे देर से गढ़वा पहुंचे चम्पाई सोरेन, जनसभा को नहीं कर पाए संबोधित

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने गढ़वा को दी 93 करोड़ की योजनाओं की सौगात

PHOTON NEWS GARHWA : झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार (3 मार्च 2024) को गढ़वा को 93 करोड़ रुपए की सौगातें दीं। खराब मौसम की वजह से सीएम को पहुंचने में साढ़े चार घंटे की देरी हुई। झारखंड के मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से दोपहर बाद 4:30 बजे गढ़वा पहुंचे। यहां सबसे पहले सीएम ने गढ़वा के नवनिर्मित समाहरनालय भवन का उद्घाटन किया।

चम्पाई सोरेन ने रविवार को अपराह्न जिला मुख्यालय गढ़वा में 93 करोड़ की लागत से निर्मित 5 महत्वपूर्ण योजनाओं का उदघाटन किया। इसमें 60 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक समाहरणालय भवन, 15 करोड़ की लागत से बना बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क, 7 करोड़ रुपये से बने बहुप्रतीक्षित नीलांबर-पीतांबर बहुद्देशीय सांस्कृतिक भवन, 4 करोड़ की लागत की नवनिर्मित अंतरराज्यीय पालिका परिवहन पड़ाव और 7 करोड़ की लागत से बने फुटबॉल स्टेडियम शामिल हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोविंद उच्च विद्यालय के मैदान में पहुंचे। यहां उनको जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन हेलीकॉप्टर के उड़ने का समय हो जाने की वजह से वह मंच पर भी नहीं जा पाए।

प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद शहबाज शरीफ ने सहयोगियों का जताया आभार, बोले-

नई गठबंधन सरकार में लिखेंगे विकास की नई गाथा

AGENCY NEW DELHI : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद शहबाज शरीफ ने गठबंधन सरकार में अपने सहयोगियों को उन पर भरोसा करने और उन्हें सदन का नेता चुनने के लिए धन्यवाद दिया है। गौरतलब है कि शहबाज शरीफ पाकिस्ताना के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि मेरे बड़े भाई तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, उनके कार्यकाल में विकास कार्य किए गए थे। लेकिन नई गठबंधन सरकार में अब हम विकास की नई गाथा लिखेंगे।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज

शहबाज शरीफ।

(पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के सर्वसम्मत उम्मीदवार शहबाज को 336 सदस्यीय सदन में 201 वोट मिले। शहबाज के प्रतिद्वंद्वी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उमर अयूब खान को 92 वोट मिले। उन्होंने कहा कि इस संसद में ऐसे प्रतिभाशाली लोग बैठे हैं, जो पाकिस्तान की नैया को किनारे लगा सकते हैं

देश के विकास के लिए हम एकजुट हुए

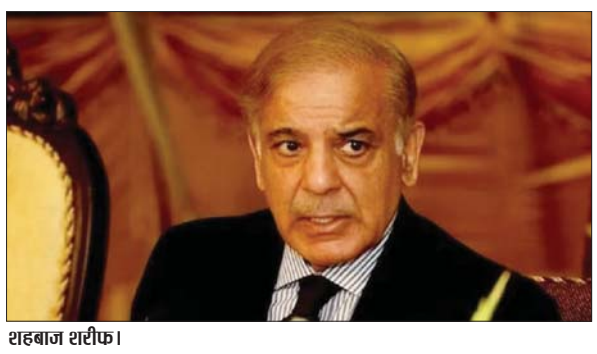

शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान के सामने बड़ी चुनौती और अवसर है। उन्होंने कहा कि अगर हम एक साथ आते हैं और पाकिस्तान के भाग्य को बदलने का फैसला करते हैं, तो ईश्वर की इच्छा से हम इन चुनौतियों को हरा देंगे और पाकिस्तान को उसकी सही स्थिति में ले जाएंगे। पीएमएल-एन ने दोनों नेताओं की तस्वीर के साथ एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विकास के अच्छे पुराने दिनों में वापस आ गए, आगे। नवाज का विजन, शहबाज का मिशन।

देश जुल्फिकार अली भुट्टो के बलिदान को याद रखेगा

शहबाज ने अपने भाषण में कहा कि देश पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के संस्थापक और बिलावल भुट्टो जरदारी के नाना जुल्फिकार अली भुट्टो के बलिदान को हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि उनके बड़े भाई ने अपने विरोधियों की तरह कभी भी देश को नुकसान पहुंचाने के बारे में नहीं सोचा। शहबाज ने कहा कि कभी भी कोई बर्तन नहीं टूटा, न ही कोई इमारत क्षतिग्रस्त हुई, लेकिन यह शर्मनाक है कि देश ने वह दिन देखा जब नौ मई को जीएचक्यू, कोर कमांडर घरों, हवाई क्षेत्रों पर हमला किया गया।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टॉप पर पहुंची टीम इंडिया

AGENCY NEW DELHI : न्यूजीलैंड पर ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत से टीम इंडिया को बड़ा फायदा हुआ है। भारत अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गया है। पहले टेस्ट के परिणाम के बाद न्यूजीलैंड एक स्थान फिसलकर दूसरे नंबर पर पहुंच गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। भारत का अंक प्रतिशत 64.58 है। न्यूजीलैंड का अंक प्रतिशत वर्तमान में 60 है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के पास शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक मौका और है। सात मार्च से भारत को धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेलना है। भारत इस सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुका है।

पाकिस्तान अंक तालिका में पांचवें नंबर पर : वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे नंबर पर बांग्लादेश और पांचवें नंबर पर पाकिस्तान है। अब तक हुए दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दोनों बार भारत पहुंचा है। लेकिन दोनों ही बार भारत को हार का सामना करना पड़ा। पहली बार भारत न्यूजीलैंड से हारा था, जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने भारत को शिकस्त दी थी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले टेस्ट की बात करें तो नाथन लियोन ने रविवार को छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड पर 172 रन से जीत दिलाई। लियोन ने दोनों पारियों में 10 विकेट चटकाए।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है। श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्त्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

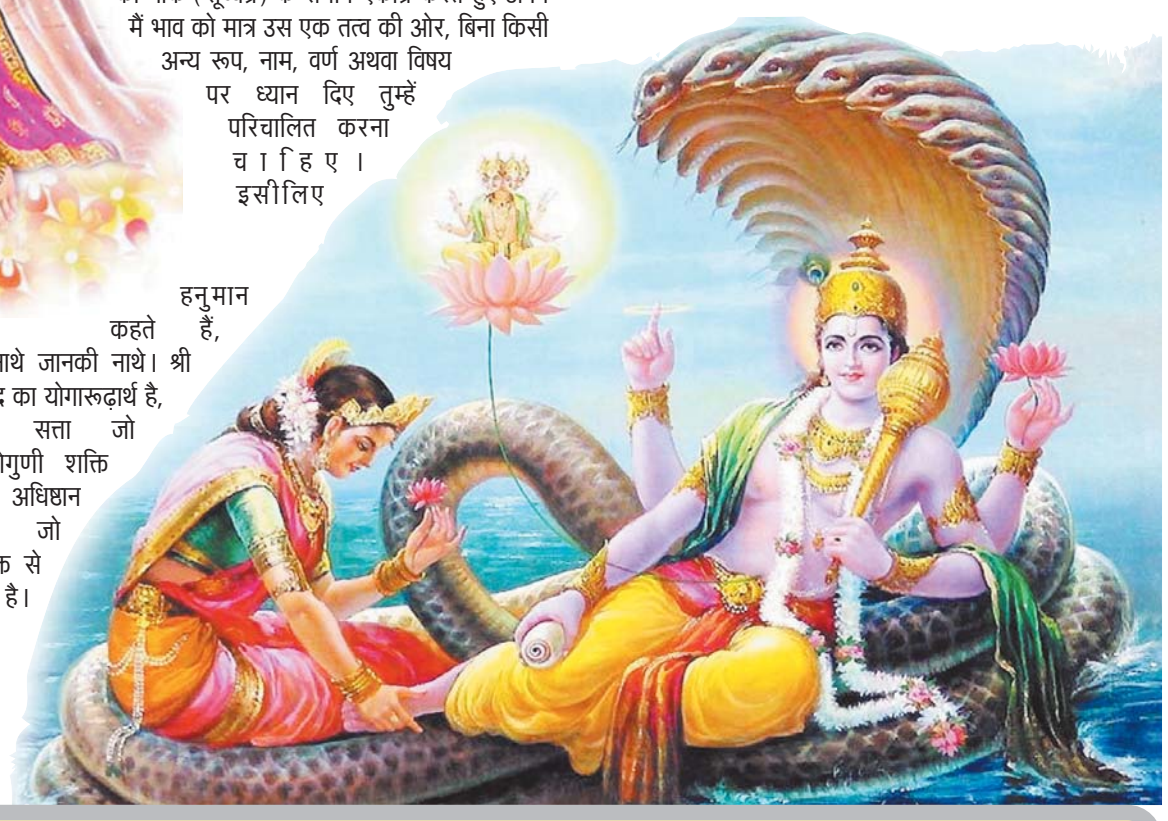

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपत्ति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन

कमाते हैं।
7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

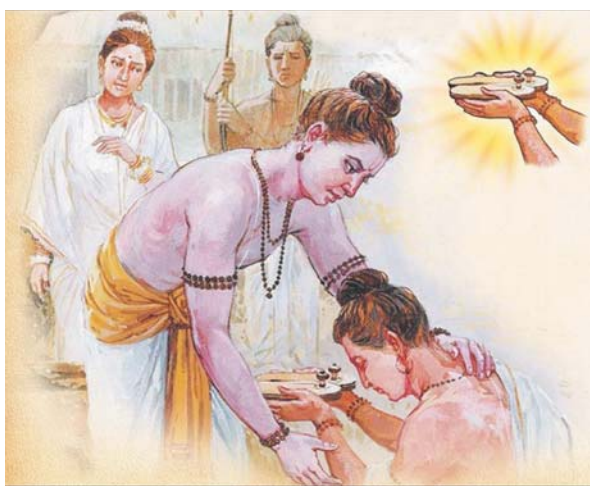

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

पिठोरिया में क्रशर पर उग्रवादियों ने एक बार फिर मचाया उत्पात

क्रशर में घुसकर ड्राइवर को दिनदहाड़े किया अगवा, मारपीट व धमकी देकर छोड़ा

- क्रशर के मालिक हकीम अंसारी ने की सुरक्षा की मांग
- संचालक ने एसएसपी को पत्र लिखकर मांगा अंगरक्षक
- उग्रवादी पुलिस को दे रहे खुली चुनौती

PHOTON NEWS RANCHI : उग्रवादी पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। सुबह डीआईजी से लेकर पुलिस के आला अधिकारी निरीक्षण किया। वहीं शाम के समय फिर उग्रवादियों ने वारदात को अंजाम दिया। मामला झारखंड के रांची जिले के पिठौरिया थाना क्षेत्र का है। इलाके में संचालित होने वाले एक क्रशर में उग्रवादियों ने हमला बोलकर वहां मौजूद वाहनों को फूंक दिया। घटना की जानकारी होने

क्रशर का पीड़ित कर्मचारी।

के बाद शनिवार सुबह पुलिस की टीम आला अधिकारियों के नेतृत्व में जांच के लिए पहुंची। जांच के बाद टीम वापस लौट गई। फिर शनिवार रात करीब 7 बजे दोबारा उग्रवादियों क्रशर में घुस कर ड्राइवर को बंधक बनाकर मारपीट की। धमकी दी। इसको लेकर पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना के पुनरावृति होने के अब तक पुलिस को हमलावरों तक पहुंचने में सफलता नहीं मिल पाई है। पहली घटना के बाद शनिवार को डीआईजी अनूप बिरथरे, सिटी एसपी राजुमार मेहता, ट्रैफिक एसपी सुमत अग्रवाल घटनास्थल पर खुद पहुंचे थे।

कभी भी हो सकता है जानलेवा हमला : हकीम अंसारी

घटना के बाद क्रशर संचालक हकीम अंसारी ने एसएसपी को पत्र लखकर सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा है कि लगातार पीएलएफआई से जुड़ा कृष्णा यादव मारने की धमकी दे रहा है। हमारे परिवार पर कभी भी जानलेवा हमला हो सकता है। इस कारण हथियार के साथ अंगरक्षक उपलब्ध कराया जाए।

शुक्रवार देर रात उग्रवादियों ने मचाया था उत्पात

यह तस्वीर शुक्रवार के घटना की है।

उग्रवादियों ने पिठोरिया थाना क्षेत्र के सांगा गांव में स्थित क्रशर प्लांट में शुक्रवार की देर रात पीएलएफआई उग्रवादियों ने जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि पीएलएफआई के कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के दस्ते ने रात्रि 11:40 बजे क्रशर में धावा बोलकर तीन हाइवा ट्रक, एक लोडर मशीन व एक 63 केवीए के डीजी जेनरेटर में आग लगा दी। चार हथियारबंद उग्रवादियों ने घटना को अंजाम दिया था। बता दें कि बीते 28 फरवरी को प्रतिबंध उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ के कृष्णा यादव के नाम से क्रशर के कर्मचारी रामचंद्र महतो को वाट्सएप कॉल कर लेवी मांगी गई। राशि नहीं देने पर परिणाम भुगतान की धमकी दी गई । फोन में कृष्णा यादव ने लेवी नहीं मिलने तक काम बंद करने की धमकी दी थी। इस मामले को लेकर क्रशर संचालक वारिश अंसारी ने पिठोरिया थाना में मौखिक सूचना भी दिया था। इससे पूर्व भी जनवरी 2023 को पीएलएफआई उग्रवादियों ने लेटर पैड पर कृष्णा यादव के नाम पर पांच लाख की लेवी की मांग की थी। इसकी सूचना भी पिठोरिया थाना को दी गई थी इसके बाद भी पुलिस के हाथ अब तक कोई सफलता नहीं लगी है।

BRIEF NEWS

राउरकेला दिवस के अवसर पर कानभास संगठन की ओर से मिनी मैराथन का हुआ आयोजन

ROURKELA : राउरकेला दिवस के अवसर पर रविवार को 'कानभास' संस्था की ओर से मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन सेक्टर नंबर 2 बीजू पटनायक चौक से शुरू होकर आमबगन चौक पर समाप्त हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री दीलिप राय, पद्मश्री दीलिप तिर्की, रघुनाथपल्ली विधायक सुब्रत तराई ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किए। इस मैराथन में शहर के कई छात्र और युवा शामिल हुए। हालांकि मैराथन आज आयोजित की गई, लेकिन राउरकेला दिवस के विभिन्न कार्यक्रम 23 मार्च को मनाए जाएंगे। कुछ अपरिहार्य कारणों से आयोजक कान संगठन द्वारा यह निर्णय लिया गया है। इस संदर्भ में, हाल ही में कानभास द्वारा राउरकेला दिवस मनाने के लिए एक तैयारी बैठक आयोजित की गई थी।

अखिल भारतीय डाक डाकिया एवं एमटीएस कर्मचारी संघ, ओडिशा सर्कल के 30वें द्विवार्षिक सम्मेलन शुरू

ROURKELA : नेशनल फेडरेशन ऑफ पोस्टल एम्प्लॉइज और ऑल इंडिया पोस्टल एम्प्लॉइज यूनियन से संबद्ध अखिल भारतीय डाक विभाग पोस्टमैन और एमटीएस कर्मचारी संघ, ओडिशा सर्कल का 30 वां द्विवार्षिक सम्मेलन आज कोइल नगर स्थित आरएसपी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया। 30वें ओडिशा सर्कल द्विवार्षिक सम्मेलन स्वागत समिति के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री दीलिप रॉय ने सबसे पहले सम्मेलन में भाग लेने आए ओडिशा के विभिन्न प्रभागों से आए डाकियों और एमटीएस कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की सफलता की कामना करते हुए अपना भाषण सहित राय रखे। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू के राष्टीय उपाध्यक्ष व राज्य साधारण संपादक विष्णु महंती ने किए और अपने भाषण में कहे आने वाले दिनों में न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, सामाजिक सुरक्षा आदि मुद्दों पर बड़े पैमाने पर आंदोलन का आह्वान किया। सम्मेलन में दैनिक भारी काम के बोझ के कारण डाक कर्मियों और एमटीएस कर्मचारियों के शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन का आह्वान किया गया।

भाजपा का जिला सम्मेलन आयोजित, कहा पीएम ने गरीबों के लिए योजनाएं लागू कराई

ROURKELA : शहर के पानपोस रोड, स्थित जीएस मोहंती कॉम्प्लेक्स में भाजपा जिला संपादक सूर्य मोहंती के नेतृत्व में संकल्प विकसित भारत हितधारक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला सभा नेता लतिका पटनायक ने दीप प्रज्वलित कर किया। भाजपा के संस्थापक सदस्य व जिला प्रवक्ता गंगाधर दास ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 370 धाराएं समाप्त कर, राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक खत्म कर आदि कर जनता से किया अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने मोदी जी द्वारा लोगों और महिलाओं के कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। जिला उपाध्यक्ष दीलिप दास ने कहा कि मोदी जी ने राउरकेला की जनता के लिए दूसरा ब्राह्मणी ब्रिज के साथ-साथ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा कराया है। जिला विधानसभा नेता लतिका पटनायक ने अपने ओजस्विनी भाषण में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की परोपकारी योजनाओं और विकसित भारत की चर्चा की।

खड़ायत खत्रिय समाज का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित, एकता पर जोर

ROURKELA : निखिल उत्कल खड़ायत क्षत्रिय महासभा, खड़ायत क्षत्रिय सभा का राज्य सम्मेलन भंज भवन, सेक्टर 5, राउरकेला में आयोजित किया गया है। परिषद के उपाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार नायक एवं प्रधान संपादक शशिधर पात्रा एवं प्रवक्ता कुंजबिहारी राउत के संचालन में कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता खत्रिय समाज के राजा अध्यक्ष सरोज सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रॉय, पूर्व मंत्री और जटनी विधायक सुरेश कुमार राउत राय, विशेष अतिथि सांसद जोएल ओराम, रघुनाथपाली विधायक सुब्रत तराई ने किया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉ. प्रभात कुमार मल्लिक, प्रदेश युवा अध्यक्ष दिलीप कुमार विश्वाल और प्रदेश संयुक्त संपादक रजनीकांत मुदुली उपस्थित थे। अतिथियों ने जाति के लोगो के बीच जाति की भावना एवं एकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के प्रोफेसर डॉ. मल्लिक खुदायत ने क्षत्रियों के इतिहास, परंपराओं और वीर गाथाओं पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उपाख्यानों के माध्यम से जय शीलालेख, कपिलेंद्र देव, दिव्यसिंह देव, दानेई राउतराय, अली और पटिया राजवंशों की उपाधियों के पीछे के इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास को कई क्षेत्रों में विकृत किया गया है।

बस्तियों व मंदिरों में विकास कार्यों का शिलान्यास रघुनाथपाली विधायक सुब्रत तराई ने किया

ROURKELA : रघुनाथपल्ली विधायक सुब्रत तराई ने रविवार को सेक्टर- 6 जगन्नाथ मंदिर रथ खाला में सामुदायिक भवन के लिए 5 लाख, कल्याणी राय कॉलोनी में सीसी रोड के लिए 4 लाख, एकता बस्ती में सीसी रोड के लिए 1.25 लाख, खटाल के लिए 3.50 लाख दिए। साई मंदिर की सड़क एवं सामुदायिक भवन, 25 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया है । इस कार्य का नेतृत्व बीजद जिला महासचिव गणेश्वर रॉय, इकाई अध्यक्ष दीलिप कुमार दास, बीजेडी युवा नेता सत्यानंद साहू, भूषण सेठी, श्रमिक नेता सत्यानंद बेहरा, मंदिर प्रबंधन समिति के महासचिव दीलिप कुमार दास, अध्यक्ष देवेंद्र आचार्य, राम मोहन ने किया। नायक, अक्षय जेना, प्रसन्न रथ, सुबलन साहू, रमाकांत रथ, महेंद्र कुम्हार, प्रेमानंद पांडव, अनहाली नाइक, सुषमा बारिक ने विधायकों का अनुसरण कर उन्हें भगवान श्रीजगन्नाथ को अर्पित किया और विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। विभिन्न बस्तियों से बीजू जनता दल के कार्यकर्ता एवं विभिन्न संस्थानों के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

एआरएम अजीत पंडा को मेंस तृणमूल कांग्रेस ने दी विदाई

ROURKELA : चक्रधरपुर रेल मंडल के अधीन झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन के एआरएम पद पर कार्यरत अजीत कुमार पंडा का तबादला होने पर विदाई दी गई। विदाई समारोह के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस तृणमूल कांग्रेस संगठन के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री सह महासचिव तथा चक्रधरपुर रेल मंडल के को-ओडीनेटर जहांगीर हक के अगुवाई में संगठन के पदाधिकारियों ने झारसुगुड़ा में फुलों का गुलदस्ता एवं मिठाई खिलाकर उनको विदाई दी गई।

टाटा वर्कर्स यूनियन ने टाटा संस के चेयरमैन चंदशेखरन से उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान खोलने की रखी मांग

JAMSHEDPUR : टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन रविवार को बिष्टुपुर स्थित टाटा वर्कर्स यूनियन कार्यालय गए थे। यहां यूनियन के पदाधिकारियों ने उनसे जमशेदपुर में उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान खोलने का आग्रह किया। यूनियन की ओर से कहा गया कि उच्च शिक्षण संस्थान खुलने से कर्मचारियों के बच्चों के साथ शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा यूनियन की ओर से टाटा ग्रुप की अन्य कंपनियों की इकाई भी जमशेदपुर में खोलने की मांग रखी गई। यूनियन की ओर से कहा गया कि टाटा समूह की शुरूआत जमशेदपुर से हुई है और आज समूह का विस्तार पूरी दुनिया में है। समूह की सभी कंपनियों की एक इकाई जमशेदपुर में होनी चाहिए, जिससे शहर के लोगों को अधिक से रोजगार तो मिलेगा ही, टाटा ग्रुप के बारे में अधिक से अधिक जानकारी भी मिलेगी। इस अवसर पर टाटा स्टील के ग्लोबल सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, वीपी सीएस चाणक्य चौधरी, वीपी एचआरएम अत्रेई सान्याल समेत कंपनी के अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान चेयरमैन ने यूनियन नेताओं से बातचीत में कहा कि टाटा वर्कर्स यूनियन आने पर अपनापन जैसा लगता है। यूनियन जिस तरह से मिलजुलकर काम करने की परंपरा को बरकरार रखी है, उसे आगे भी जारी रखिए। इस दौरान चेयरमैन ने यह भी कहा कि यहां ग्रुप की अन्य कंपनियां भी काफी अच्छा काम कर रही है। यूनियन कार्यालय में चेयरमैन का स्वागत यूनियन अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी ने किया।

मुख्यमंत्री सात को करेंगे मेधा डेयरी प्लांट का शिलान्यास

जमशेदपुर : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन सात मार्च को जमशेदपुर आएंगे, जिसमें वे मानगो स्थित बालीगुमा में मेधा डेयरी प्लांट का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त अनन्य मित्तल ने रविवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम पीयूष सिन्हा, रूरल एसपी ऋषभ गर्ग तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्ण योजना और पूर्व योजना से 400 पार का संकल्प पूरा करें : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार देर शाम नवगठित चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक हुई, जिसमें अलग-अलग विभागों की रचना के अनुसार कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चुनाव कार्य का प्रबंधन एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पार्टी हमेशा पूर्व योजना और पूर्ण योजना पर काम करती है, जिसके कारण सफलता मिलती है।

मरांडी ने कहा कि सभी विभाग महत्वपूर्ण है, जिन्हें जो जिम्मेवारी मिली है उसे पूरा कराना है। हमारा लक्ष्य अपने विभाग को यशस्वी बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कार्यकर्ता को बूथ तक के कार्यकर्ता को सहयोगी बनना है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता एक बूथ, एक गांव को गोद ले। वहां सर्वाधिक वोट पार्टी

बैठक में शामिल बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

के पक्ष में मिले इसे सुनिश्चित कराना भी हमारा दायित्व है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता अब बड़े लक्ष्य को आसानी से पूरा करने के लिए अपने-अपने विभाग के सुचारू संचालन में जुट जाएं। रोड मैप बनाकर काम करने से सफलता आसान हो जाती है। उन्होंने कहा कि जनता का मिजाज भाजपा के साथ है। हम सब को उनके दरवाजे पर बार बार दस्तक देना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सभी विभागों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा कार्यों पर चर्चा की।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, समिति के संयोजक एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, मृत्युंजय शर्मा सहित प्रदेश के पदाधिकारी, विभाग के संयोजक और सह संयोजक उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिसकर्मियों और मतदानकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अब झारखंड पुलिस को चुनाव मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और सभी जिलों के एसपी को चुनाव के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए रविवार को सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिलों के एसएसपी और एसपी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। लोकसभा चुनाव में प्रतिनियुक्त जवानों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया गया। उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से

प्रशिक्षण प्राप्त करते पुलिसकर्मी। ● फोटोन न्यूज

निपटने के तरीके भी बताये गए। मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें कोई मतदान से वंचित न कर पाये और उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाये, वैसे लोगों से कैसे निपटना है, उन्हें यह भी बताया गया।

लोकसभा चुनाव को लेकर विशेष प्रशिक्षण चल रहा है। इस दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, खासकर नक्सली इलाकों में मतदान कैसे कराया जाये, पिछले दिनों चुनाव के दौरान किस तरह की गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, किन इलाकों में कौन से नक्सली ग्रुप सक्रिय हैं और उनसे कैसे निपटना है, चुनाव आयोग ने इस संबंध में निर्देश दिये हैं। यह सब बातें झारखंड पुलिस के आईजी अभियान सह राज्य पुलिस के नोडल पदाधिकारी अमोल होमकर ने प्रशिक्षण सत्र में पुलिस अधिकारियों को विस्तार से बतायी।

झारखंड पुलिस के आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार लोकसभा चुनाव के दौरान वीआईपी सुरक्षा के नोडल पदाधिकारी हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री से लेकर कई वीआईपी और स्टार प्रचारकों का आना-जाना रहेगा।

ग्रामीणों ने संजय सेठ का किया पुतला दहन, क्षेत्र की उपेक्षा का लगाया आरोप

संजय सेठ का पुतला दहन करते ग्रामीण।

RANCHI : ठाकुरगांव-भाजपा द्वारा रांची लोकसभा से पुनः संजय सेठ को उम्मीदवार बनाये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने उरुगुट्टू, भांट बोडया चौक में रविवार को सांसद संजय सेठ का पुतला दहन किया। मौके पर ग्रामीणों ने सांसद द्वारा क्षेत्र का उपेक्षा करने का आरोप लगाया। साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि अगर भाजपा रांची लोकसभा से दूसरा उम्मीदवार नहीं देती है तो ग्रामीण विवश होकर वोट बहिष्कार भी करेंगे। वहीं ग्रामीणों ने झारखंड के स्थानीय नेता को पार्टी का प्रत्याशी बनाने की भी मांग किया। मौके पर ग्रामीणों ने सांसद के विरोध में जमकर नारेबाजी भी किया। पुतला दहन कार्यक्रम में उरुगुट्टू, बरौदी,पतरातू, बंसरी,बोडया,खरकुटोला समेत अन्य गांवों के ग्रामीण शामिल थे।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा 12वां इंडिया नेशनल अवार्ड का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा 12वा इंडिया नेशनल अवार्ड का आयोजन रविवार को रांची के होटल रेडिसन ब्लू में किया गया। जिसमें झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ यूपी सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभाव को सम्मान पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची विधायक सीपी सिंह, डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम, पद्मश्री मधु मंसूरी, पूर्व डीआईजी सुबोध प्रसाद, रांची के पूर्व उप महापौर अजय नाथ शाहदेव , आजसू नेता जितेंद्र सिंह मौजूद रहे।वही पुलिस पब्लिक रिपोर्टर टीम के सरफराज कुरैशी शाहिद खान, समीर हेजाजी, संदीप मिश्रा, इबरार गद्दी, प्रियंका सिंह, बाल भद्र बराइक, असगर एजाज, नबो दत्ता, रवि वर्मा, जयप्रकाश जायसवाल ने प्रोग्राम को सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेलवे ट्रैक से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI : तुपुदाना-बालसीरिंग रेलवे ट्रैक में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति (44) का शव पुलिस ने बरामद किया है। अबतक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मृतक काले रंग टीशर्ट पहने हुए था। ग्रामीणों की ओर से आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए अपराधियों ने रेलवे ट्रैक में शव को फेंका दिया होगा। घटना की सूचना मिलते ही तुपुदाना ओपी थाना प्रभारी मीरा सिंह के निर्देश पर पुलिस बल के जवान घटनास्थल पहुंचे। साथ ही जीआरपीएफ हटिया पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस की ओर से आस-पास के लोगों को बुलाकार मृतक का पहचान कराया गया लेकिन किसी ने मृतक की शिनाख्त नहीं की।

सात आईएएस अधिकारियों का तबादला वंदना दादेल फिर बनीं कैबिनेट सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने सात आईएएस अफसरों का तबादला किया है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने शनिवार देर रात अधिसूचना जारी की है। जारी अधिसूचना के अनुसार वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल को एक बार फिर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग का प्रधान सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जबकि कोल्हान प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार को स्थानांतरित करते हुए महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग का सचिव बनाया गया है।

चतरा के उपायुक्त अबु इमरान स्थानांतरित करते हुए झारखंड

वंदना दादेल की फाइल फोटो।

मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इमरान को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ झारखंड राज्य आरोग्य समिति रांची काकार्यपालक निदेशक काअतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन अब सक्रिय रूप से सार्वजनिक राजनीति में उतरने को तैयार

गिरिडीह में पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में होंगी शामिल

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन अब सक्रिय रूप से सार्वजनिक राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। कल्पना सोरेन सोमवार को गिरिडीह में पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शिरकत करती नजर आएंगी। वहीं गिरिडीह के बाद 10 मार्च को कल्पना सोरेन बरहेट का भी दौरा करेंगीं। कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर खुद पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

कल्पना सोरेन ने रविवार को अपने पोस्ट में लिखा- आज अपने जन्मदिन और सोमवार को गिरिडीह में झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने से

सास-ससूर से आशीर्वाद लेतीं कल्पना सोरेन। ● फोटोन न्यूज

पहले आज झारखंड राज्य के निमार्ता और झामुमो के अध्यक्ष बाबा दिशोम गुरुजी और मां से आशीर्वाद लिया। आज ही सुबह हेमन्त जी से भी मुलाकात की। मेरे पिता भारतीय सेना में थे। वह सेना से रिटायर हो चुके हैं। पिताजी ने सेना में रहकर देश के दुश्मनों का डटकर सामना किया। बचपन से ही उन्होंने मुझमें बिना डरे सच के लिए संघर्ष करना और लड़ना भी सिखाया। झारखंड वासियों और झामुमो परिवार के असंख्य कर्मठ कार्यकताओं की मांग पर सोमवार से मैं सार्वजनिक जीवन की शुरूआत कर रही हूं।

जब तक हेमन्त जी हम सभी के बीच नहीं आ जाते तब तक मैं उनकी आवाज बनकर आप सभी के बीच उनके विचारों को आपसे साझा करती रहूंगी, आपकी सेवा करती रहूंगी। विश्वास है, जैसा स्नेह और आशीर्वाद आपने अपने बेटे और भाई हेमन्त जी को दिया है, वैसा ही स्नेह और आशीर्वाद, मुझे यानी हेमन्त जी की जीवन संगिनी को भी देंगे। जय जोहार! जय झारखण्ड! हेमन्त है तो हिम्मत है! #झारखंड्झुकेगानहीं।

इससे पहले कल्पना सोरेन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर ससुर शिबू सोरेन और सास रूपी सोरेन से मिलकर उनका आशीर्वाद लिया। वहीं कल्पना सोरेन ने जेल में जाकर पति हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की है। अब ऐसे में यह माना जा रहा है कि कल्पना सोरेन अब सक्रिय रूप से झारखंड की राजनीति में अपनी भूमिका निभाएंगी।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि से नहीं हैं और मूल रूप से ओडिशा के मयूरभंज जिले की रहने वाली हैं। हालांकि वह काफी पढ़ी लिखी हैं। कल्पना की शादी 7 फरवरी 2006 को हेमंत सोरेन से हुई थी। 1976 में रांची में जन्मी कल्पना ने इंजीनियरिंग और एमबीए की पढ़ाई की है।

आरा से चाहते थे टिकट; कल ही बीजेपी ने कैंडिडेट घोषित किया था

पटना। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने आसनसोल से लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को दिल से आभार प्रकट करता हूं। पार्टी ने मुझ पर विश्वास करके आसनसोल का उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन किसी कारण वश में आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ पाऊंगा। चर्चा है कि पवन सिंह आरा से टिकट चाहते थे। जनवरी महीने में उन्हें इशारा भी किया था कि अगर आरा से टिकट मिलेगा तो वे चुनाव लड़ेंगे। इसकी पूरी तैयारी है। पवन सिंह को भाजपा ने शनिवार को ही पश्चिम बंगाल के आसनसोल से लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। पवन

सिंह के लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा कई माह से चल रही थी। भाजपा कार्यालय की ओर से 16 राज्यों के 195 प्रत्याशियों के नाम की लिस्ट में उनका भी नाम था। पवन सिंह के इस ऐलान के टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि ये बंगाल की लोगों की ताकत है। यहां खेला शुरू होने से पहले खेला हो गया। प्रत्याशी घोषित होते ही मिठाई खाई भाजपा मुख्यालय से जब प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जा रही थी, उस वक्त पवन सिंह जिम में थे और मोबाइल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस देख रहे थे। जैसे ही उनके नाम की घोषणा हुई, वैसे ही पवन सिंह खुशी में झूम उठे। दोस्तों ने उनको मिठाई खिलाकर सिलेब्रेट किया था। आसनसोल में पवन सिंह के सामने बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा हो सकते हैं। शत्रुघ्न सिन्हा फिलहाल आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं। साल 2022 में हुए उपचुनाव में उन्होंने भाजपा के

अग्निमित्र पाल को हराया था। पवन सिंह मूल रूप से भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड के जोकहरी गांव के निवासी हैं। चार सितंबर 2017 को भाजपा में शामिल हुए थे। पवन सिंह से पहले मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े और अभी सांसद हैं। अगले चुनाव के लिए भाजपा ने इन तीनों को ही फिर से अपनी-अपनी सीटिंग सीट से कैंडिडेट बनाया है। पवन सिंह ने भोजपुरी पॉप एल्बमों में गायक के रूप में काम किया है। 2008 में एल्बम 'लॉली पॉप लागेलु' को रिलीज किया। इस गाने से पवन सिंह की पहचान बन गई। वे भोजपुरी के महंगे कलाकारों में से एक माने जाते हैं। पवन सिंह ने बीते 31 जनवरी को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। उस दिन उन्होंने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा था कि किसको आगे बढ़ने का मन नहीं करता है। कमर कस चुके हैं बस आदेश का इंतजार है। दर्शकों ने गायक से नायक बनाया है, आगे जो जनता की मर्जी। पवन सिंह ने बीते साल 2023 के अप्रैल माह में दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और बिहार बीजेपी प्रभारी विनोद तावडे.से मुलाकात की थी।

संक्षिप्त डायरी

राज्यसभा सांसद राकेश बोले- तेजस्वी यादव वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे

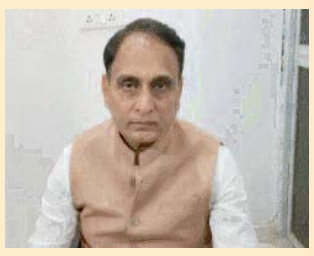

बेगूसराय। राज्यसभा सांसद और आरएसएस विचारक प्रोफेसर राकेश सिन्हा ने आज बेगूसराय में कहा है कि बिहार में महागठबंधन की हो रही रैली को लेकर कहा है कि रैली से क्या होगा राजद-कांग्रेस की जमीन खिसक चुकी है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। उस राजनीति में उदारवाद और पंथनिरपेक्षता का कोई स्थान नहीं है। वह जातिवादी राजनीति के पोषक हैं। वह समाज को बांटने वाली प्रवृत्तियां और बांटने वाली ताकतों को बढ़ावा देते हैं। हिंसावादी ताकतों को आगे बढ़ाते हैं। तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी कांग्रेस क१ जमीन खिसक चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी का जो सर्वव्यापी और सर्व समावेशी प्रभाव है, उससे यह लोग छटपटा गए हैं। जातिवाद के आधार पर कोई भी पार्टी लंबे समय तक राजनीति में नहीं रह सकती है। डबल इंजन की सरकार से जवाब मांगने को लेकर उन्होंने कहा है कि तेजस्वी यादव यह सवाल स्वयं के पिता लालू यादव से पूछते तो अच्छा रहता। पार्टी में स्वयं लोकतंत्र नहीं है जिस तरह से बिहार को संकीर्णता और प्रक्रियावाद में ले जाने का काम लालू जी और उनकी पार्टी कर रही है। वह ना सिर्फ निंदनीय है, बल्कि बिहार के लिए बहुत ही खतरनाक है। तेजस्वी आज भी उस राजनीति से बाहर नहीं जा रहे हैं। तेजस्वी यादव प्रतिक्रिया वादी नेता हैं जो जातिवाद, फासीवाद और सांप्रदायिकता को आगे लेकर जाते हैं। उनकी पार्टी में स्वयं लोकतंत्र नहीं है, एक परिवार की पार्टी है। परिवार तंत्र के आधार पर कोई भी पार्टी लोकतंत्र के रास्ते से आगे नहीं बढ़ सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अइउ पता नहीं बीजेपी और आरएसएस पर नफरत फैलाने... राहुल गांधी के बयान पर राकेश सिन्हा ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अइउ पता नहीं है, वह क्या बोलते हैं इसका अर्थ भी नहीं जानते हैं। आरएसएस और बीजेपी ने इस देश की जनता की अस्मिता, राष्ट्रवाद और भविष्य को उज्जवल करने का काम किया है। राहुल गांधी वंशवादी राजनीति के प्रतीक हैं, बड़े घरों की राजनीति वह स्वयं करते हैं। किसी खास समुदाय के वोट बैंक के लिए काम करते हैं, उनको अपनी ओर आकर्षित करते हैं। राहुल गांधी का यह आरोप ना सिर्फ निंदनीय है, बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद पर प्रहार है। नरेंद्र मोदी ने योजनाओं का लाभ दिया कांग्रेस जो भी आरोप लगा रही है वह हास्यपद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव गरीब के लोगों को कई योजनाओं का लाभ दिया। आज कोई भूखा नहीं मर रहा है। रोजगार की प्रवृत्तियां बढ़ी है, खुशी बढ़ गई है, वह दिखता है कि बीजेपी की सरकार बड़े घर वालों की सरकार नहीं है। कांग्रेस पार्टी के समय में गरीबी रेखा स्थाई भाव बन गया था, बीजेपी ने 13 करोड लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर किया है।

घायल 5 लोग GMCH में भर्ती; सीतामढ़ी में सड़क हादसे में मां-बेटे की गई जान

बेतिया। बेतिया और सीतामढ़ी में दो अलग-अलग सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बेतिया की है, जहां एक अनियंत्रित हाईवा ने एक ही परिवार के सात लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो महिला की मौत हो गई। दोनों सास-बहू हैं। मृतक की पहचान सुगंधी देवी (55) और उनकी बहू सोमारी देवी (32) के रूप में हुई है। हादसे में 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को ऋट्ठउल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मौके पर काफी अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस मौके पर लोगों से घटना की जानकारी ले रही है। घटना चनपटिया थाना क्षेत्र के कैथवलिया -लौरिया मुख मार्ग स्थित उत्तरवाहिनी पुल के पास की है। घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार बताया जा रहा है। गंभीर हालत वालों में सेनुआरिया के ही बाबूलाल मुखिया की 55 वर्षीय पत्नी सोमारी देवी है। बाकी घायलों को हल्की चोट है। इनमें सेनुआरिया गांव की ही रुसंती देवी के साथ 6 वर्षीय सोनम कुमारीं और 10 वर्षीय सुधा कुमारी शामिल हैं। बाइक सवार दो युवक भी घायल हादसे में एक बाइक पर सवार दो युवक भी घायल हुए हैं। उनकी पहचान चनपटिया निवासी 32 साल के मुरारी कुमार शर्मा और 20 साल के कुंदन कुमार के तौर पर हुई है। इन दोनों का इलाज चनपटिया सीएचसी में जारी है। इधर हादसे वाली जगह पर ग्रामीणों ने हाइवा व उसके चालक को पकड़ रखा है। घटना की सूचना पर पहुंची सिरिसिया व चनपटिया थाने की पुलिस मामले को शांत करने में लगी हुई है। घटना से उग्र ग्रामीणों ने करीब 2 घंटे से सड़क को जाम किया हुआ है। सीतामढ़ी में सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत दूसरी घटना सीतामढ़ी की है, जहां रविवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से मां और बेटे की मौत हो गई। सीतामढ़ी शहर के बीचो-बीच पासवान चौक के समीप घटना हुई। स्थानीय लोगों ने ट्रक ड्राइवर को पकड़कर बेरहमी से पिटाई कर दी। पुलिस ड्राइवर को पकड़कर थाने ले आई। घटना के बाद सीतामढ़ी में लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। महिला रीगा थाना क्षेत्र के रामपुर गंगौली के रामपुर गंगौली निवासी रामविनय साह की पत्नी सविता देवी बताई जा रहा है। हादसे में उनके दो साल के बेटे आर्यन कुमार की भी मौत हो गई।

पुआल पर बालू गिरने पर हुआ विवाद, दूसरे पक्ष ने लाठी-डंडे से किया हमला

भोजपुर। जिले के सहार थाना क्षेत्र के पतरिया गांव में बालू गिरने के विवाद को लेकर शनिवार को दो पाटीदारों के बीच खूनी संघर्ष में मारपीट हुई। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के मां-बेटे समेत पांच लोगों की लाठी-डंडे से मारकर बेरहमी से पिटाई कर दी। इसके बाद अन्य पड़ोसियों की मदद से मामले को शांत कराया गया। सभी जख्मियों को इलाज के लिए सहार पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में तीन लोगों को पटना रेफर कर दिया गया। जख्मियों में सहार थाना क्षेत्र पतरिया गांव निवासी शिव टहल चौधरी की 62 वर्षीय पत्नी कैलाशों देवी, उनके चार बेटे श्री भगवान (40), हरे कृष्णा (36), हरे राम (33) और जय राम (25) शामिल हैं। इधर जख्मी जयराम ने बताया कि उनके पाटीदार ने अपनी जमीन पर त्रिपाल से ढककर पुआल रखा था। जब मेरे बड़े भाई हरे कृष्णा का बालू गिराने के लिए ट्रैक्टर वाला पहुंचा, तभी थोड़ा बालू उसके त्रिपाल पर गिर गया। इसके बाद उक्त पाटीदारों ने बड़े भाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद मामला बढ़ता गया। उसके बाद पाटीदारों ने लाठी-डंडे से मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। जब हमलोगों को इस घटना की जानकारी जैसे मिली वैसे ही सभी भाई मौके पर पहुंचे। इसके बाद उक्त पटीदारों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलाकर सभी की जमकर पिटाई कर दी है। मारपीट की घटना में चार लोगों को काफी गंभीर चोटें आई है। इसके बाद पीड़ित परिवारों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी है। इस घटना में महिला समेत चार लोगों को काफी गंभीर चोटें आई है।

घर पर कोई नहीं कह मिलने बुलाया था, दो भाई को भी पुलिस ने पकड़ा

बक्सर। जिले के चतुरशालगंज में युवक का प्राइवेट पार्ट काटने के मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेमिका तथा उसके दो भाइयों को हिरासत में लिया है। उधर मामले में घायल युवक अनिल गोंड़ ने पुलिस को दिए अपने बयान में यह कहा है कि युवती के साथ उसका प्रेम-संबंध था और युवती ने शनिवार को यह कहा कि घर पर कोई नहीं है।उसने खाने-पीने की वस्तुएं लेकर घर पर आने को कहा। जब

अनिल वहां पहुंचा तो पूर्व से युवती के तीन भाई भी वहां मौजूद थे जिन्होंने युवक पकड़ लिया प्राइवेट पार्ट और सिर पर हमला कर दिया।बाद में वह किसी तरह वहां से भागा और अस्पताल पहुंचकर परिजनों को सूचना दी। लोहे के रॉड से किया हमला घायल युवक अनिल गोंड़ का चतुरशालगंज निवासी युवती के साथ उसका प्रेम संबंध था। वह शादी का दबाव बना रही थी। जिस पर अनिल ने कहा कि उसके घर वाले शादी को तैयार हैं। लड़की अपने घर वालों से बात कर ले। लेकिन लड़की का यह कहना था कि वह उसके साथ कोर्ट मैरिज करे। इसके लिए अनिल तैयार नहीं था। शनिवार को अनिल युवती के बुलाने पर जब उसके घर गया तो वहां मौजूद उसके भाई धर्मेंद्र, जितेंद्र और ओमप्रकाश ने मिलकर उसे पकड़ लिया उसके साथ मारपीट के बाद उसके प्राइवेट पार्ट को काट दिया।भागने के दौरान ही युवती के भाइयों ने उसके सिर पर लोहे के हथियार से प्रहार कर दिया।

प्रधानमंत्री से मिलने की नहीं मिली इजाजत, गया एयरपोर्ट पर हुई थी जांच

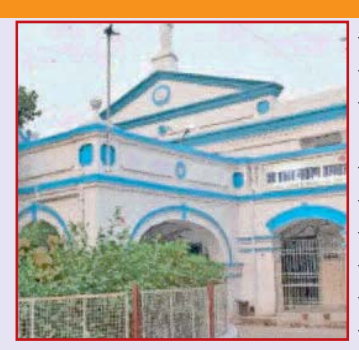

गया। बीजेपी के विधायक समेत 4 नेता कोरोना संक्रमित हो गए। इस कारण ये लोग शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी से भी नहीं मिल पाए। उन्हें होम आईसोलेशन में रखा गया है। इन्हें सर्दी-खांसी की शिकायत है। ऐसी हालत में ये लोग गया एयरपोर्ट पहुंचे थे। स्वास्थ्य विभाग प्रधानमंत्री से मिलने वालों और ड्यूटी में तैनात सरकारी कर्मियों की आरटीपीसीआर जांच कर रहा था। इसी जांच में इनके पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। फिलहाल मगध मेडिकल कॉलेज में एक भी कोरोना

के मरीज नहीं है। गौरतलब है कि जिले में 29 दिसंबर 2023 को दो कोरोना संक्रमित मिले थे। इसके बाद से कोरोना संक्रमितों की संख्या नहीं बढ़ी। 30 जनवरी 2024 को जिले भर में 647 लोगों की जांच में 5 संक्रमित मिले थे। फरवरी में एक भी संक्रमित नहीं मिले। मार्च में 4 संक्रमित मिले हैं। डीपीएम (डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट हेल्थ मैनेजर) नीलेश कुमार ने बताया कि पीएम मोदी से मिलने से पहले सभी लोगों की आरटीपीसीआर जांच कराई गई। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी और अन्य राजनेता सहित कुल 187 लोगों का कोविड टेस्ट किया गया था। 187 में से 4 लोक संक्रमित पाए गए हैं। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद इन लोगों को होम आइसोलेट किया गया है। इनमें पहले से खांसी-सर्दी के लक्षण थे। विधायक पहले से अस्वस्थ चल रहे थे। फिर भी वे प्रधानमंत्री से मिलना चाहते थे, लेकिन उनके सारे अरमानों पर कोरोना ने पानी फेर दिया। डीपीएम ने बताया कि मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कोरोना संक्रमितों के लिए प्री फैबरिकेटेड वार्ड में 36 बेड सुरक्षित हैं।

लातेहार में है पोस्टिंग, बंद घर में ताला तोड़कर घुसे 3 चोर

मुंगेर। डीएफओ के घर चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। यह घटना मुंगेर जिला अंतर्गत के धरहरा थाना क्षेत्र के गिरजापुर जगदीशपुर गांव की है। चोर ने बंद घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जबकि डीएफओ रौशन कुमार ने बताया कि उसके घर से लगभग साढ़े चार लाख की चोरी हुई है। गृहस्वामी शनिवार को देर रात घर लौटे जिसके कारण वह धरहरा थाना को आवेदन नहीं दे पाए। उन्होंने बताया कि वो पुलिस को रविवार को आवेदन देकर घटना के संबंध मे शिकायत की है। हालांकि, मौखिक सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंच कर मामले की छानबीन मे जुट गई है। गौरतलब हो

कि धरहरा थाना क्षेत्र के गिरजापुर जगदीशपुर गांव मे चोरों ने गुरुवार की देर रात एक बंद घर से लाखों रुपए की सम्पत्ति चुरा ली। घटना के दिन गृहस्वामी सेवानिवृत्त शिक्षक हरिबल्लभ सिंह सपरिवार पूणे गए हुए थे। उनका एक पुत्र रौशन कुमार डीएफओ पद पर लातेहार मे पदस्थापित है। बताया जाता है कि चोर चारदीवारी फांदकर अंदर प्रवेश किया फिर मुख्य द्वार का ताला तोड़ा। गोदरेज, आलमीरा, बक्सा आदि का ताला तोड़कर 70 ग्राम सोने व डेढ़ किलो चांदी का जेवरात और नगद बीस हजार रुपए लेकर चंपत हो गया। घटना मे चार लाख से उपर की संपत्ति की चोरी होने की शिकायत की गई। गृहस्वामी ने बताया कि बाहर जाने से पहले उन्होंने घर की देखभाल की जिम्मेदारी पड़ोसी अजय कुमार को सौंपा था। पड़ोसी ने ही घटना की जानकारी मकान मालिक व पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि घटना के दिन देर रात जब वह सोने पहुंचा तो घर के अंदर से ठकठक की आवाज सुनकर शोर मचाया। शोर की आवाज सुनकर तीन चोर को उन्होंने दीवार फांदकर भागते देखा। घटनास्थल से पुलिस ने चोर का चप्पल व गमछा बरामद किया। वही थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कहीं लौंडा डांस तो कहीं बैंड पर झूमते पहुंचते कार्यकर्ता, हाथी-घोड़ा और ऊंट भी लेकर आए

पटना। गांधी मैदान में रविवार को महागठबंधन की जन विश्वास रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। रैली को लेकर अलग-अलग जिले से राजद कार्यकर्ता पटना पहुंचे। कहीं लौंडा डांस तो कहीं बैंड के साथ कार्यकताओं ने गांधी मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यकताओं के लिए खाने-पीने की खास व्यवस्था की गई है। वहीं रैली को देखते हुए शहर के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य को लिया गया फैसला, यात्रियों को होगी परेशानी

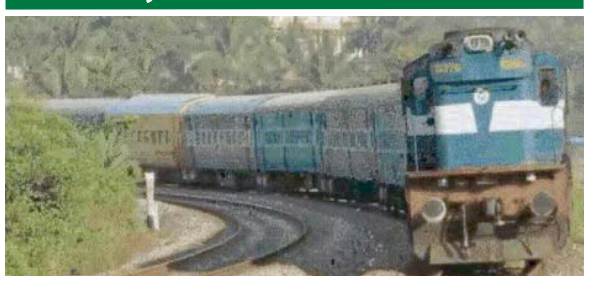

बेतिया। नरकटियागंज मुजफ्फरपुर से वाया नरकटियागंज गोरखपुर व आनंद विहार के बीच चलने वाली सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परिचालन एक दिन के लिए मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। इस संबंध में पूर्व मध्य रेल हाजीपुर के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी ने एक पत्र जारी किया है। इसमें बताय गया है कि कि गोंडा कचहरी एवं कॉलोनीगंज स्टेशन के बीच नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य चल रहा है। जिसको लेकर 4 मार्च को मुजफ्फरपुर से आनंद विहार के बीच चलने वाली 12557 एवं 12558 सप्त क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन का मार्ग परिवर्तन किया गया है। बता दें कि मार्ग परिवर्तन के कारण सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन अप एवं डाउन रूट में 4 मार्च को नरकटियागंज एवं गोरखपुर रेलखंड के बजाए मुजफ्फरपुर से छपरा, सिवान व बनारस होते हुए आनंद विहार जंक्शन जाएगी। जिससे मोतिहारी, सुगौली, बेतिया, नरकटियागंज, बगहा के रेल यात्रियों को काफी परेशानी होगी।

उड़ती चिड़िया को हरदी लगाना...तवे की रोटी उलटने के इशारे किए; आज भी उनपर सबकी नजर

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पहचान रैलियों वाले नेता की रही है। उन्होंने 1995 में गरीब रैली का आयोजन किया था, जो रैली नहीं, रैला हो गई थी। लालू प्रसाद ने बिहार और देश की राजनीति में रैलियों के जरिए ही खुद को स्थापित किया। अब एक बार फिर 3 मार्च को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में महागठबंधन की ओर से जन विश्वास रैली का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और माले, सीपीआई जैसी पार्टियां भीड़ जुटाने में माहिर रही है। तेजस्वी यादव ने रैली को सफल बनाने के लिए जन

विश्वास यात्रा की है। इसलिए उम्मीद है कि रैली के जरिए बीजेपी और नीतीश कुमार को कड़ा जवाब दिया जाएगा। सामने लोकसभा का चुनाव भी है। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद लालू प्रसाद को इतने बड़े मंच से पहली बार लोग सुनेंगे। इससे पहले लालू प्रसाद ने बीजेपी की हिंदूवादी नीति का जवाब मंडल की राजनीति से दिया था। इसे लालू की भाषा शैली में 'कमंडल की जगह मंडल' कहा गया था। आरक्षण की बड़ी लड़ाई लालू प्रसाद ने लड़ी और राष्ट्रीय स्तर के नेता बन गए। लालू प्रसाद ने लालकृष्ण आडवाणी के राम रथ को रोकते समय इसकी परवाह भी नहीं किया कि इससे हिंदू वोट बैंक डैमेज होगा। उनपर आरोप लगा कि आरक्षण की राजनीति कर उन्होंने समाज को जाति में बांट दिया। लेकिन, लालू प्रसाद ने आरोपों की परवाह नहीं की और इसे सामने लाते रहे कि उन्होंने पिछड़ों को मुंह में जुबान दी। आडवाणी को उन्होंने गिरफ्तार किया तो उसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हुई। वे बीजेपी विरोधी राजनीति के धुरी बन गए। कई ऐसे मौके आए, जब लगा कि लालू टूट तो नहीं जाएंगे, लेकिन बीजेपी के खिलाफ डटे रहे। वे जानते हैं, यही उनकी यूएसपी है। पटना का गांधी मैदान लालू प्रसाद के मुहावरों का गवाह रहा है। उड़ती चिड़िया को हरदी लगाने की बात हो या तवे की रोटी को उलट देने की, लोग उनकी इशारों में कही बात खूब समझते हैं। लालू प्रसाद के कई भाषण सोशल मीडिया पर हैं, जिसमें वे बीजेपी के खिलाफ बोलते दिखते हैं। वे भाषण एक बार फिर से वायरल हो रहे हैं। खास तौर से आडवाणी की यात्रा के समय दिया गया उनका भाषण, जिसमें उन्होंने मानवता की रक्षा की बात कही थी....यही नहीं रहेगा तो मंदिर में घंटी कौन बजाएगा लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने आगे बढ़कर बीजेपी को रोकने वाला गठबंधन इंडिया बनाया, लेकिन नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद का साथ छोड़ दिया और बीजेपी के साथ चले गए। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल अपनी चाल चल रहे हैं। इसलिए अब बिहार में बीजेपी से लड़ाई महागठबंधन की है और लालू-तेजस्वी इसके हीरो हैं। लालू प्रसाद को लोग एक बार फिर से हुंकार भरते हुए देखेंगे। यादव और मुस्लिम वोट बैंक उनकी ताकत है। इसके अलावा तेजस्वी ने युवाओं का बड़ा वोट बैंक जोड़ा है। तेजस्वी युवाओं के वोट बैंक को अपनी तरफ लाकर लोकसभा चुनाव में सफल हो जाते हैं तो एनडीए को बिहार में बड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एवं उत्तर प्रदेश ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के संयुक्त

तत्वाधान में पेल्विक एसिटाबुलर ट्रॉमा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय अस्थि कार्यशाला का आयोजन।

अमरोहा। जनपद अमरोहा में राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा समूह के विमस संस्थान एवं "यू पी ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन" लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में "पेल्विक एसिटेबुलेर ट्रॉमा" विषय पर एकदिवसीय "राष्ट्रीय अस्थि कार्यशाला" का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मेरठ, दिल्ली, मुंबई समेत देश के विभिन्न प्रदेशों से आए 125 से अधिक विख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञों ने कूल्हे यानी पेल्विस की विभिन्न चोटो/ ट्रॉमा, घुटना प्रत्यारोपण एवं स्पोर्ट्स इंजरी के उपचार एवं सर्जरी की लेटेस्ट एवं दर्द रहित तकनीक के बारे में विस्तार से समझाया। श्री वेंकटेश्वरा संस्थान के डॉ सीवी रमन चिकित्सा सभागार में आयोजित "पेल्विक एसिटेबुलर ट्रॉमा" विषय पर एकदिवसीय "राष्ट्रीय अस्थि कार्यशाला" का शुभारंभ समूह अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरि, प्रतिकुला धिपति डॉ राजीव त्यागी, ऑर्थो विभाग के विभागाअध्यक्ष एवं विख्यात ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ नजमुल हुदा, यू पी ऑथोर्पेडिक संगठन के सेक्रेटरी डॉ रजत कपूर, एसजीपीजीआई के डॉ कुमार केशव, केजीएमयू के डॉ धर्मेंद्र सिंह, मेरठ के ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉक्टर तुषार आनंद, ऑगेर्नाइजिंग सेक्रेट्री डॉ शाहिद मीर, डॉ अल्ताफ हुसैन आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने संबोधन में विख्यात ऑथोर्पेडिक सर्जन एवं ऑगेर्नाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ नजमुल हुदा ने कहा कि आज भारत देश में कूल्हा प्रत्यारोपण, घुटना प्रत्यारोपण, एडवांस स्पोर्ट इंजरी की सर्जरी समेत अस्थि रोग में दर्द रहित लेटेस्ट तकनीक द्वारा लाखों लोगों का उपचार कर उनको नया जीवन दिया जा रहा है इंडिया का आथोर्पेडिक विभाग आज तकनीक और एक्यूरेसी के मामले में यूके ,यू एस एवं ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल साइंस को भी पीछे छोड़ चुका है। अकेले वेंकटेश्वरा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस में ही पिछले एक वर्ष में 200 से अधिक लाचार गरीब लोगों को घुटने एवं कुल्हा प्रत्यारोपण द्वारा नया जीवन देखकर उनके जीवन में खुशियां लोटाने का काम किया है। एकदिवसीय "राष्ट्रीय अस्थि कार्यशाला" को एसजीपीजीआई चंडीगढ़ के डॉ केशव, एएमयू के डॉ अब्दुल कयूम, चेन्नई के डॉ एस श्रीनिवासन, हैदराबाद के डॉक्टर सी संजीव राव, डॉ शाहिद मीर, डॉअल्ताफ हुसैन, डॉक्टर सचिन टूटू, डॉ अर्निम स्वरूप, डॉ गजराज सिंह, मेरठ के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ तुषार आनंद आदि ने भी संबोधित किया। विश्वविद्यालय के प्रतिकूलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने इस शानदार राष्ट्रीय आयोजन के लिए डॉ नजमुल हुदा एवं पूरी ऑथोर्पेडिक टीम को बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अफसरों को दिए निर्देश, कहा- गुणवत्ता पूर्वक तरीके से शिकायतों का करें निस्तारण

जालौन। कालपी तहसील सभागार में झांसी मंडल के मण्डलायुक्त विमल दुबे की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों का मण्डलायुक्त ने गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसको संबंधित अधिकारियों को समय से गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मण्डलायुक्त के समक्ष 46 शिकायतें प्राप्त है, जिसमें 4 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण किया गया।इस दौरान मंडलायुक्त विमल दुबे ने कहा कि शासन की मंशा है कि जन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण ढंग से करते हुए शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाए। उन्होंने तहसील में आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपा। निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता बरतते है तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण करना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर डीएम राजेश कुमार पाण्डेय, एसपी ईरज राजा, सीडीओ भीमजी उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायक जुबेर बैग, परियोजना निदेशक शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, उपजिलाधिकारी कालपी शिव नारायण शर्मा, जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र त्रिपाठी, तहसीलदार आदि सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जालौन में किसान और आमजन परेशान, बची

हुई फसल भी खराब होने की कगार पर

जालौन। बीते तीन दिन से मौसम खराब है, जहां रविवार सुबह एक बार फिर मूसलाधार बारिश हुई। इतना ही नहीं बारिश के साथ जिले के कई इलाकों में बड़े-बड़े ओले भी गिरे, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है, जिनकी बची हुई फसल खराब होने की कगार पर है। बता दें कि पश्चिमी विच्छोभ के कारण बुंदेलखंड के जालौन में बीते कई दिनों से मौसम लगातार अपना रुख बदल रहा है। कभी बारिश, ओला तो कभी तेज धूप के कारण गर्मी की मार से किसानों के साथ आम आदमी परेशान है। मौसम विभाग द्वारा की गई भविष्यवाणी के तहत जालौन में बीते तीन दिनों से मौसम लगातार बदल रहा है। यहां बारिश धूप और ओले की मार लगातार देखने को मिल रही है। शनिवार को दिन भर हुई बारिश और त्सुबह हल्की धूप निकलने से लोग रविवार की छुट्टी को अच्छे से मनाने की सोच रहे थे। जैसे ही दिन ऊपर चढ़ा वैसे ही मौसम में अचानक परिवर्तन आ गया, तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली की चमक के साथ बारिश होने लगी। इतना ही नहीं हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थीं। किसान कर रहे भारी मुसीबत का सामना थोड़ी ही देर में बारिश के साथ ओलावृष्टि होने लगी, जिस कारण उन किसानों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी फसल खेत में कटी पड़ी है और उनकी कतराई होनी है। क्योंकि इस बार पहले ही किसानों की फसल में कीड़ा लगने से खराब हो गई थी और बची हुई फसल को बारिश और ओलावृष्टि ने खराब कर दी है।

बाईस दिन से धरना जारी, सुध लेने नहीं पहुंचे सत्ताधारी

ग्रामीणों में रोष, चुनाव का बहिष्कार कर देंगे जवाब

बेहट। ग्राम मूर्तजापुर के पास से गुजर रही मसखरा नदी पर पुल बनाए जाने की मांग को लेकर पुल नहीं तो वोट नहीं के नारों के साथ ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन 22वें दिन भी जारी रहा। खास बात यह रही कि आज तक सत्ता पक्ष की ओर से किसी ने भी धरनास्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की सुध नहीं ली है जिसके चलते ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के बहिष्कार के साथ नेताओं को इसका जवाब दिया जाएगा। तहसील बेहट एवं ग्राम मुतुर्जापुर के बीच से मसखरा नामक बरसाती नदी गुजरती है। बरसात के मौसम में इस नदी में बाढ़ आ जाने से दर्जनों गांवों का तहसील मुख्यालय से संपर्क टूट जाता है जिसके चलते ग्रामीणों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। पिछले लगभग डेढ़ दशकों से ग्रामीणों द्वारा उक्त नदी पर पुल बनाए जाने की मांग की जा रही है परंतु कोई भी जनप्रतिनिधि उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है जिसको लेकर ग्रामीणों ने पुल नहीं तो वोट नहीं का नारा देते हुए नदी किनारे तंबू गाड़कर धरना देना शुरू कर दिया। ग्रामीणों द्वारा एक संघर्ष समिति बनाकर चेतावनी की गई थी कि अगर नदी पर पुल का निर्माण नहीं किया जाता है तो 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा ओर ग्रामीण धरने पर बैठ गये थे। धरना शुरू होने एवं चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा के पहले दिन तो प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से मिलकर धरना समाप्त कराने का प्रयास किया था परन्तु उसके बाद किसी भी बड़े अधिकारी या सत्ताधारी पार्टी के प्रतिनिधि ने ग्रामीणों की सुध नहीं ली है। ग्रामीणों द्वारा दिये जा रहे धरने को लगभग 22 दिन से ज्यादा का समय हो गया है। संघर्ष समिति द्वारा दिए जा रहे धरने को ग्राम मुर्तजापुर के अलावा दयालपुर, नगला झंडा, मांझीपुर, संसारपुर आदि दर्जनों गांवों के लोग भी समर्थन देने का ऐलान कर चुके हैं। धरना स्थल पर पहुंचकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अपना अपना समर्थन देने की घोषणा की है परंतु अफसोस इस बात का है कि सत्ता पक्ष की ओर से आज तक किसी भी प्रतिनिधि ने ग्रामीणों द्वारा मसखरा नदी पर पुल के निर्माण की मांग को लेकर दिए जा रहे धरनास्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों की सुध नहीं ली है
जिसके चलते ग्रामीणों में सत्ताधारी पार्टी के प्रतिनिधियों के प्रति भारी रोष व्याप्त है। धरना दे रहे ग्रामीणों में मुख्य रूप से प्रधान कामयाब, खड़क सिंह, विकास सैनी, काका खिडका सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

लगातार 8वीं बार जताया भरोसा, 1991 पहली बार बने थे विधायक

जालौन। भारतीय जनता पार्टी ने आज अपने लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें 195 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं, जिसमें 34 मंत्री भी शामिल है। इस सूची में जालौन-गरौठा-भोगनीपुर सुरक्षित सीट संसदीय सीट से पांचवीं बार के सांसद वर्तमान में केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा लगातार आठवीं बार प्रत्याशी बनाया है। सन 1996 से लगातार इस सीट पर वर्तमान सांसद चुनाव लड़ रहे हैं और एक बार पार्टी ने उन पर भरोसा जताया। राजनीति की शुरूआत नगर पालिका के सभासद से की केंद्रीय राज्य मंत्री वर्तमान जालौन सांसद भानु प्रताप वर्मा ने राजनीति की शुरूआत सन 1988 से हुई, जब उन्होंने कोंच नगर पालिका के मालवीय नगर से नगर पालिका सभासद का चुनाव लड़ा और जीतकर सभासद बने। इसके बाद वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। 1989-90 में उस समय की कोंच सुरक्षित सीट से उन्होंने विधायक का चुनाव लड़ा, मगर उन्हें हार का सामना करना पड़ा, पर उन्हें भाजपा में जबरजस्त पैठ बना ली, दो साल बाद वर्ष 1991 में फिर भाजपा ने विधानसभा का टिकट देकर मैदान में उतारा और वह पहली बार विधायक बने। उस समय भाजपा के सांसद गयाप्रसाद कोरी थे, पर 1996 में उनके निधन के बाद भाजपा ने विधायक भानु प्रताप को पहली बार सांसदी का टिकट दिया और वह पहली बार में ही सांसदी का चुनाव जीत लिया। यह चुनाव उस समय के कद्दावर भाजपा नेता बाबूराम दादा की देख रेख में हुआ ,जिसके बाद भानु प्रताप ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पार्टी ने भी उन पर खूब विश्वास जताया, पार्टी ने वर्ष 1998, 1999, 2004, 2009 2014 और 2019 में टिकट दिया, मगर 1999 और 2009 भानु प्रताप वर्मा को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। भानु 1996, 1998, 2004 2014, 2019 में जीत हासिल कर सांसद बने, कोरोनो काल के बाद जब जुलाई 2021 को मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तो पांच बार के सांसद होने के नाते भानु प्रताप वर्मा को मोदी मंत्रिमंडल में जगह मिली। अब पार्टी ने उन्हें लगातार आठवीं बार प्रत्याशी बनाकर उन पर भरोसा जताया।

नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा। जनपद अमरोहा के नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में जिला युवा अधिकारी आभा सोनी के निदेर्शानुसार ब्लाक जोया की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन नारंगपुर सिख इंटर कॉलेज खेल के मैदान में किया गया कार्यक्रम आयोजन कर्ता राष्ट्रीय स्वयंसेविका अनुराधा व एनवाईवी महेश सिंह के नेतृत्व में हुआ सर्वप्रथम क्षेत्र से आए सभी प्रतिभागी युवा-युवतियों का रजिस्ट्रेशन किया गया इसके बाद एनआईएस कोच रनदीप सिंह ने फीता काटकर खेलो की शुरूआत की गई सर्व प्रथम वॉलीबॉल मुकाबला बालिका वर्ग में बदोनिया व पपसरा बीच हुआ प्रथम स्थान पर बदौनिया रही परिणाम क्रमशः वॉलीबाल बालक वर्ग में पपसरा रहे, बालक वर्ग कबड्डी में सिविलियन विद्यालय बदौनिया प्रथम रहे व बालिका वर्ग में खाता रही और रस्सा खींच में बालक वर्ग में नरंगपुर प्रथम रहे और बालिका वर्ग में कालाखेड़ा रही और 400 मीटर दौड़ में पिंकी सकरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और अंशु नरंगपुर द्वितीय स्थान और प्रतिभा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और कार्यक्रम के अंत में सिख इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री गुरुनाम ने युवा-युवतियों को मेडल व प्रमाण पत्र पुरस्कृत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष क्रीड़ा भारती अमरोहा पुरुजीत सिंह ने किया और इस मोके पर जिला अध्यक्ष जमशेद शरीफ, संरक्षक अटेवा मतिन अहमद, जयदीप चौधरी, लक्ष्य त्यागी श्रोकेश कुमार इत्यादि मौजूद रहे

बारातियों का वेलकम; दहेज में बाइक, बेड-सोफा दिए; दुल्हन बोली-पिता की कमी महसूस नहीं हुई

जालौन। पुलिस ने मिसाल पेश की है। यहां एनकाउंटर में जिस बदमाश को मारा था, उसकी बेटी की धूमधाम से शादी कराई है। एनकाउंटर करने वाली टीम ने बारातियों का मैरिज हॉल के गेट पर स्वागत किया। फिर पूरे रीति-रिवाज से सारी रस्म अदा कराई। घर-गृहस्थी का सामान भी दिया। दुल्हन ने शादी के बाद पुलिस वालों आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान दुल्हन ने कहा- पुलिस वालों ने पिता की कमी महसूस ही नहीं होने दी। 10 मई 2023। उरई के हाईवे चौकी के पास ड्यूटी पर तैनात सिपाही भेदजीत सिंह की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। भेदजीत मथुरा के चौरमबार के रहने वाले थे। वह पुलिस में आने से पहले सेना में तैनात थे। वह 2019 में रिटायर्ड होने के बाद 2021 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए। उसकी पहली पोस्टिंग उरई कोतवाली में हुई थी। इस हत्याकांड के 4 दिन बाद 14 मई को पुलिस ने हत्या करने वाले मुख्य आरोपी रमेश रायकवार और कल्लू अहिरवार को एनकाउंटर में मार गिराया था। हत्यारोपी रमेश उरई के सरसौखी गांव का रहने वाला था, जिसके दो बेटी और एक बेटा हैं। एनकाउंटर के बाद हत्यारोपी रमेश रायकवार की 2 बेटी और एक बेटा की परवरिश और शादी की जिम्मेदारी जालौन पुलिस ने ली थी। 2 महीने पहले घरवालों ने रमेश की बड़ी बेटी शिवानी राय की शादी झांसी के मगरौराके गांव के रहने मोनू रायकवार से तय की। इसके बाद घरवालों ने इसके बारे पुलिस वालों को बताया। पुलिसकर्मियों ने शादी में पूरी मदद का भरोसा दिया। शनिवार को उरई-जालौन रोड स्थित मैरिज हॉल में बारात आई। डीजे और बैंड-बाजे की धुन पर बाराती नाचते गाते पहुंचे। मैरिज हॉल के गेट पर एनकाउंटर करने वाली टीम के सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी, कोतवाल शिव कुमार राठौर, सिपाही अमित दुबे और टीम के अन्य सदस्य पहले से ही खड़े थे। सभी ने दूल्हे के पिता और अन्य रिश्तेदारों को माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद भव्य रूप से सजाए गए हॉल में बारात ने प्रवेश किया। यहां उनके नाश्ते और खाने की बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। सभी बारातियों ने नाश्ता किया। इसके कुछ देर बार लजीज भोजन का लुत्फ उठाया। इसके बाद द्वारपूजा की रस्म निभाई गई। पंडितजी ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई। यहां एनकाउंटर करने वाली टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे। जरूरत पर समय-समय पर पंडित जी को दान-दक्षिणा भी दी। इसके बाद जयमाल का समय आ गया। स्टेज पर दुल्हन शिवानी और दूल्हे मोनू ने एक-दूसरे को माला पहनाई। फोटो सेशन हुआ। इसके बाद वर-वधू और परिवार के लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन किया। थोड़ी देर बार मैरिज हॉल में बने मंडप पर दोनों पहुंचे। इसके बाद पंडित जी ने मंत्रोच्चार के साथ सभी रस्में पूरी कराना शुरू किए। दूल्हा-दुल्हन ने सात फेरे लिए। सुबह बारात को चाय-नाश्ते के साथ बारात को विदा किया गया। पुलिस टीम ने दुल्हन शिवानी को उपहार स्वरूप मोटरसाइकिल, फ्रिज, वाशिंग मशीन, टीवी, कूलर, अलमारी, सोफा, पलंग, अलमारी, गैस चूल्हा, 51 बर्तन, मोबाइल के साथ जेवर भी दिए। पुलिस की व्यवस्था से हत्यारोपी रमेश की बेटी शिवानी और उसकी मां तारा खुश हो गईं। शिवानी ने कहा कि मुझे खुशी है कि पुलिस वालों ने उनकी शादी की पूरी व्यवस्था की है।

संक्षिप्त डायरी

कोटेदारों की मनमानी खत्म, अब इलेक्ट्रॉनिक कांटे से मिलेगा राशन

बरेली। ग्राहकों को हमेशा गल्ला कम मिलने की शिकायतों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका समाधान निकाल लिया है। सभी कोटेदारों को सरकार इलेक्ट्रॉनिक कांटा दे रही है। जिसको लेकर इन मशीनों को चलाने का कोटेदारों को इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस बार राशन ई-वेइंग मशीनों से बंटेगा जिले में 1790 कोटेदारों को ई-पॉस मशीन व ई-वेइंग मशीन के बारे में ट्रेनिंग दी जा रही है। जिसमें बरेली तहसील के नवाबगंज, बहेड़ी में कोटेदारों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस बारे में डीएसओ नीरज सिंह ने बताया घटतौली की शिकायत पर अंकुश लगने वाला है। कोटेदारों को ई-पॉस मशीन और ई-वेइंग मशीन वितरित की जा रही हैं। सभी कोटेदारों को इस मशीन को चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बहेड़ी और नवाबगंज में कोटेदारों का प्रशिक्षण हो चुका है। अन्य जगह भी पांच मार्च तक प्रशिक्षण पूर्ण करा दिया जाएगा। सात लाख 84 हजार राशन कार्ड धारक हैं। जिन्हें इलेक्ट्रॉनिक कांटे से राशन दिया जाएगा। ऐसे दिया जाएगा राशन जिले के 1790 राशन विक्रेताओं को ई-पॉस मशीन से जुड़े तौल कांटे मिलेंगे। पूरा राशन तौले बिना मशीन अगले उपभोक्ता को राशन देने की अनुमति नहीं देगी। जिससे कोटेदार द्वारा उपभोक्ता को पूरा राशन मिल सकेगा।

टैबलेट को बिना सिम लागू करने का सख्त विरोध

बहेडी। बिना सिम के आनलाइन कार्य और हाजिरी के विरोध मे चार मार्च सोमवार को प्राथमिक शिक्षक सभी बीआरसी केन्द्रों पर जुटेगे और बीईओ को ज्ञापन सौंपेगे। प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ शिक्षक नेता हरीश बाबू शर्मा ने कहा कि दो करोड़ छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन कार्य सरकार कयी साल से फ्री में करवा रही,और कई ऐप फ्री में अपलोड। और अब टैबलेट को सरकारी सिम और नेट भी नहीं। यह शिक्षक उत्पीड़न हैं। जरूरी व्यवस्था देने की जगह कंपोजिट ग्रांट तक आधी दी गई, विरोध वाजिब हैं। शिक्षक समाज का टैबलेट को बिना सिम खर्च लागू करने का सख्त विरोध मे है। उन्होंने बताया कि सोमवार को ब्लाक संसाधन केन्द्रों (बीआरसी) पर बीईओ ज्ञापन को दिए जायेंगे। प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर विरोध जताया जाएगा। बरेली में सभी बीआरसी पर चार मार्च को प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षक ज्ञापन बीईओ के माध्यम से डीजी को देंगे। यह जोरदार तैयारी जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान और जिला मंत्री शिव स्वरूप शर्मा ने की हैं। गौर तलब है कि सरकार ने ऑन लाइन सिस्टम पांच वर्षों से लागू किया है, डीबीटी में हर छात्र-छात्राओं का डेटा फीड करना, पोर्टल पर सभी जरूरी प्रविष्टियां, कई ऐप को अपलोड कर संचालन आदि कार्य प्रदेश भर में शिक्षकों से अफसर करा रहे,और अब ऑनलाइन बच्चों और स्टाफ की हाजिरी और सभी पंजीकाओ का डिजिटलाइजेसन का हुक्म दे डाला है। मगर फूटी कौड़ी इस में आने वाले खर्च को नहीं दी गयी है। सरकारी सिम, वाई फाई खर्च की मांग पूरी तरह वाजिब है। दुसरी तरफ, शिक्षकों की पदोन्नति 2016 से बाधित हैं, योगी सरकार में एक भी शिक्षक की पदोन्नति नही हुई, बड़ी संख्या में पद रिक्त है। हरीश बाबू शर्मा का कहना है कि शिक्षकों के साथ यह बड़ा अन्याय नहीं तो क्या है।

बरेली में नाथ नगरी महोत्सव की तैयारियां तेज, अफसरों मिली जिम्मेदारियां सीएम के आने पर असमंजस

बरेली। पहली बार मनाए जाने वाले नाथ महोत्सव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अलग-अलग विभागों के अफसरों को जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, पहले काफी भव्य होने वाले इस कार्यक्रम के स्वरूप को अब छोटा करने की बात कही जा रही है। दरअसल, आठ मार्च को महाशिवरात्रि है। सात मार्च को नाथ महोत्सव का कार्यक्रम होना संभावित है। कार्यक्रम स्थल बरेली कॉलेज प्रस्तावित है। इस दिन बोर्ड परीक्षा नहीं होने की वजह से बरेली कॉलेज के हॉकी ग्राउंड को ही चुना गया है। पांच दिवसीय होने वाले कार्यक्रम को अब महज एक दिवसीय ही कर दिया गया है। 10 मार्च या इसके बाद आचार संहिता लग सकती है। यही वजह है कार्यक्रम को छोटा किया गया है। नाथ महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे या नहीं, इस पर संशय है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार चुनाव का समय करीब होने की वजह से मुख्यमंत्री के आने की उम्मीद कम है। वहीं, कार्यक्रम की बाकी तैयारियां चल रही हैं। हजारों की संख्या में डमरू आ चुके हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में सीएम आएंगे या नहीं, अभी कुछ तय नहीं है। आने की संभावना कम है।

आवास योजना का झांसा देकर 32 हजार रुपये ठगे, दूसरे मामले में ट्रेडिंग एप के जरिए ठगी

बरेली। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 32 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में बिथरी चैनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। साइबर ठगी के दूसरे मामले में जालसाजों ने एक व्यापारी को ट्रेडिंग के जाल में फंसाकर ठगी कर ली। पीड़ित ने एसएसपी दफ्तर में शिकायत की है। बिथरी चैनपुर थाने के चंदपुर निवासी जाबिर ने बताया कि उनके बेटे के मोबाइल फोन पर साइबर ठगों ने कॉल कर कहा कि आपने 2017 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर के लिए आवेदन किया था जो स्वीकार हो चुका है। आपको रजिस्ट्रेशन के नाम पर 2650 रुपये ट्रांसफर करने होंगे। बेटे ने यह रकम ट्रांसफर कर दी। नितिन और रीना नाम बताकर खाता बदलने के लिए कहा और 32 हजार रुपये धीरे-धीरे ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद भी पांच हजार रुपये की मांग करने लगा। जाबिर ने एसएसपी से ठगी की शिकायत की थी। शिकायत के बाद बिथरी चैनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। ट्रेडिंग एप के जरिए 9.21 लाख रुपये ठगे जालसाजों ने शेयर ट्रेडिंग एप के जरिए शास्त्रीनगर निवासी व्यापारी अमित कंचन से 9.21 लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने बताया कि वह ऑनलाइन ट्रेडिंग करते हैं। एक दिन उनके नंबर पर कॉल आया। इस तरह ट्रेडिंग एप पर उनके अकाउंट में 66 लाख रुपये दिखने लगे। इसमें उनकी मूल रकम 9.21 लाख रुपये थी। बीते दो दिनों से एप काम नहीं कर रहा है। जिन मोबाइल नंबर से उन्हें कॉल किया गया था, वे नंबर भी बंद हैं। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर जांच की मांग की। साइबर सेल को जांच सौंपी गई है।

ममता की नफरत का प्रतीक

बांग्ला की दो लोकोक्तियाँ हैं- थेलाई ना पोरले बेरल गाछे ओथे ना -अर्थात आपकी समस्याओं से पार पाने हेतु आपको उस समस्या का सामना करना ही होगा। दूसरी बांग्ला कहावत है- किछुतेई किछु न फेसतेई पोइसा- कुछ प्राप्त करने हेतु आलस्य छोड़कर कर्म करना ही होगा।आज की परिस्थिति में बंगाल में ममता व उनकी तृणमूल एक समस्या है और सोनार बांग्ला के बंधुओं को कुछ कर्म करके इन्हें सत्ता से बाहर का मार्ग दिखाना ही होगा। संदेशखाली, पश्चिम बंगाल में हाल ही के महिला यौन उत्पीड़न को लेकर जो समाचार आ रहे हैं उन सबके अतिरिक्त सच और भी है। सच यह है कि संदेशखाली के आसपास की चौदह में से आठ विस क्षेत्र अनुसूचित व जनजातीय वर्ग हेतु आरक्षित हैं। सच यह यह भी है कि इन चौदह संवेदनशील विधानसभाओं की सीमा बांग्लादेश से सटी हुई है। सच यह भी है कि यह मानव तस्करी अर्थात ह्यूमन ट्रेफिकिंग के धंधे का गढ़ बना हुआ है। सच यह भी है कि तृणमूल ने भारत भर में रोहिंग्याओं, आतंकियों, घुसपैठियों, तस्करों को प्रवेश देने हेतु इस क्षेत्र को सुरक्षित द्वार बनाया हुआ है। संदेशखाली की इस घटना की पृष्ठभूमि में यह संदेश भी है कि प. बंगाल किस प्रकार मानव तस्करी व हिंदू कन्याओं के अपहरण व उन्हें सीमापार पहुँचा देने का गढ़ बना हुआ है। हिंदू कन्याओं को पहले यौन उत्पीड़न के जाल में फंसाना और फिर वीडियो आदि के माध्यम से उन्हें ब्लैकमेल कर सीमा पार बेच देने में तृणमूल कार्यकर्ता लगे हुए हैं। हाल ही की घटना में ममता बनर्जी के प्रिय शेख शाहजहां की प्रत्यक्ष संलिप्तता इसका ज्वलंत व प्रामाणिक उदाहरण है। मुस्लिम तुष्टिकरण में कांग्रेस से होड़ लगाती हुई पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी ममता को शेख शाहजहां की जेब में रेहन रख छोड़ा है। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते ममता बनर्जी से महिला तस्करी, उत्पीड़न, बलात्कार संबंधित मामलों में जो सक्रियता दिखनी चाहिये थी उसका सहस्त्रांश भी उनकी कार्यशैली में देखने को नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में आज महिलाएं सर्वाधिक असुरक्षित आभास कर रही हैं। एक सर्वे में यही बात देखने में आई है। 19 राज्यों के 18,267 परिवारों के मध्य कराये गये एक सर्वे में निष्कर्ष आया कि पश्चिम बंगाल के 72.9 फीसदी लोग बंगाल में असुरक्षित आभास करते हैं। सर्वे में लोगों ने कहा कि रात्रि में तो बंगाल घोर असुरक्षित हो जाता है। इस भयंकर व बर्बर सांख्यिकी को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ठउफइ) द्वारा दी गई सांख्यिकी पुष्ट-संपुष्ट करती है। महिलाओं के लापता होने की दृष्टि से भी पश्चिम बंगाल अव्वल बना हुआ है। दुखद तथ्य है कि, पश्चिम बंगाल से वर्ष 2016-17-18 में क्रमशः पच्चीस हजार, अट्ठाईस हजार व इकत्तीस हजार महिलाएं लापता हुई हैं। ये सांख्यिकी चीख-चीख कर हमारे सभ्य समाज से कुछ कह रही है! एक महिला मुख्यमंत्री का राज्य महिलाओं के विरुद्ध अनाचरण अपराध मामले में अव्वल बना हुआ है। एनसीआरबी के अनुसार, प.बंगाल में वर्ष 2020 में महिलाओं के विरुद्ध छत्तीस हजार मामले दर्ज हुए थे। डर, भय, दबाव, के कारण हजारों मामले समाज व पुलिस में दर्ज नहीं हो पाये उनकी गिनती भी भयंकर जान पड़ती है। गौ तस्करी, हिंदू कन्या तस्करी, लूटपाट, हत्या, फिरौती, अड़ीबाजी के इन अपराधों में लगभग सभी मुस्लिम अपराधी ही संलिप्त रहते हैं। पश्चिम बंगाल में अपराध व अपराधी दोनों सिर चढ़कर बोलते दिखाई पड़ते हैं। तुर्रा यह रहा कि संदेशखाली मामले के मुख्य आरोपी, ममता बनर्जी के खासमखास समर्थक शेख शाहजहां ने मामले की जांच करने हेतु बंगाल पहुंची ईडी की टीम पर ही प्राणघातक हमला करवा दिया। ममता के खास शेख शाहजहां का ईडी पर हमला इतना प्रहारक था कि कड़ी सुरक्षा के मध्य गई हुई ईडी की टीम को चोटिल व लहुलुहान होकर वापस लौटना पड़ा। सदा की तरह टीम ममता ईडी के जांच दल को घायल करके बिना जांच के वापस भेजने में सफल रही है। जनता नाराज है, अपराधी स्वतंत्र और सीनाजोर हैं और ममता सरकार लजाने-शमार्ने के स्थान पर मुस्लिम तुष्टिकरण व अपराध संरक्षण पर तुली हुई है। संदेशखाली की पीड़ित महिलाएं जो कह रही है वह हमारे शासन तंत्र को शर्मिंदा कर देने हेतु पर्याप्त हैं। इस क्षेत्र की महिलाएं बताती हैं कि तृणमूल कांग्रेस के लोग गांव में घर-घर जाकर सर्वे करते हैं और सुंदर महिलाओं को उठाकर पार्टी ऑफिस ले आते हैं और फिर महीनों रखकर इनका शोषण करते हैं। आश्चर्यजनक रूप से पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से यह लज्जाजनक वक्तव्य आता है कि उन्हें संदेशखाली क्षेत्र में महिला बलात्कार, यौन उत्पीड़न आदि की कोई भी शिकायत नहीं मिली है। शासकीय तंत्र के आतंक का यह भीषण जलजला देखिए। जांच में तथ्य सामने आ रहे हैं कि तृणमूल कार्यकर्ता व शेख शाहजहां के गुंडे नौकरी देने के नाम पर, भयभीत करके, आर्थिक लालच देकर यहां की लड़कियों को ले जाते हैं। महिलाओं को पार्टी में ऊंचा पद देने आदि के लोभ देकर भी उन्हें फुसला ले जाते हैं और फिर उनके शोषण, ब्लैकमेल आदि का अनवरत क्रम प्रारंभ हो जाता है। पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री वाली सरकार की संवेदनशीलता व निर्लज्जता की स्थिति यह है कि बशीर हाट के एसपी मेहंदी हुसैन जैसे अधिकारियों को आगे करके समूचे मामले को शासकीय व पुलिसिया आतंक से समाप्त कराने का प्रयास किया जाता है। सबसे दुर्भाग्यजनक व लज्जाजनक बात यह है कि नारी मुख्यमंत्री वाले इस राज्य में इन मुस्लिम पीड़ित महिलाओं की शिकायत थाने में लिखी ही नहीं जा रही है, उन्हें चिकित्सा सुविधा नहीं मिल रही है। हां, अपराधियों पर कार्यवाही करने के स्थान पर आरएसएस के स्वयंसेवकों व भाजपा कार्यकताओं पर सतत-निरंतर मुकदमे लादे जा रहे हैं। बंगाल के चौबीस परगना, दक्षिण चौबीस परगना, उत्तरी दिनाजपुर, दक्षिणी दिनाजपुर, मुर्शिदाबाद, मालदा, नादिया, हुगली आदि मुस्लिम बहुल क्षेत्र तो जैसे मुस्लिम आतंक के गढ़ बन गये हैं। यहां हिंदू धर्मावलम्बियों का साँस लेना दूभर हो चुका है। सबसे बड़ी बात यह है कि चोरी ऊपर से सीना जोड़ी करते हुए ममता के गुंडे कार्यकर्ता टीवी चैनलों पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने पर देख लेने की खुली चुनौती दे रहे हैं। यह चुनौती भद्दी, अमर्यादित व असंसदीय भाषा में दी जा रही है। गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के सोनार बांग्ला से ऐसे आसुरी सुर निकलना किसी बड़े खतरे की आशंकाएं उपजाता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में तीसरी बार अपने परिवारजनों की सेवा को लेकर बहुत उत्सुक हूं। भाजपा के नेतृत्व को बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके साथ ही मुझमें निरंतर विश्वास जताने के लिए पार्टी के करोड़ों निस्वार्थ कार्यकताओं को मेरा नमन!

2014 में मैं लोगों के सपनों को साकार करने और गरीब से गरीब को सशक्त बनाने का संकल्प लेकर काशी गया था। बीते 10 वर्षों में काशी का कायाकल्प करने के लिए हमने अलग-अलग सेक्टर में तेज प्रगति की है। विकास के इस चौतरफा प्रयास में आगे भी कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखूंगा। काशी के मेरे भाइयों और बहनों ने मुझे जो अपार स्नेह और आशीर्वाद दिया है, उसके लिए मैं हृदय से अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भ्रष्टाचार, कुशासन, अत्याचार और वंशवाद के अंत का संकल्प लेकर सेवा,सुशासन और विकास को अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले भारत के कुशल नेतृत्वकर्ता तथा यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी का अपार स्नेह एवं मित्र रूपी संबोधन पाकर मानवसेवा की मेरी दृढ़ इच्छा को और अधिक बल मिला है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जीवन तिहरे संघर्ष में बीता, दोहरा आजीवन कारावास

ANALYSIS

रमेश शर्मा

जब विनायक केवल नौ वर्ष के थे तब ही हैजा महामारी ने माताजी को छीन लिया था। सात वर्ष बाद 1899 में इसी महामारी के चलते उनके पिता भी स्वर्ग सिधार गये। बड़े भाई गणेश ने परिवार के पालन-पोषण का कार्य सँभाला। दु:ख और कठिनाई की इस घड़ी में अग्रज गणेश सावरकर के व्यक्तित्व का विनायक पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्हें लगा कि जिस प्रकार बड़े भाई न केवल अपने पैरों पर स्वयं खड़े हैं और परिवार संभाल रहे हैं, क्यों न वे भी अपने पैरों पर खड़े हों और समाज की सेवा करें। कुछ विभूतियाँ साधारण नहीं होतीं, वे प्रकृति की अतिरिक्त ऊर्जा के साथ संसार में आतीं हैं। ऐसी विशिष्ट विभूतियाँ अपने आसपास की एक एक घटना से सीखतीं हैं और समाज को सिखाने का प्रयास करतीं हैं। विनायक सावरकर ऐसे ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने एक साथ विभिन्न दिशाओं में चिंतन आरंभ किया। महामारी ने केवल उनके माता-पिता को ही नहीं छीना था बल्कि देश के लाखों करोड़ों लोगों के भी प्राण लिये थे। भारतीय समाज जीवन इस विभीषिका को झेल रहा था। विनायकजी ने भारतीय समाज को जागृत करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ नवयुवकों की टोली बनाई और समाज संस्कृति का जागरण का कार्य आरंभ किया। इसके साथ शिवाजी हाईस्कूल नासिक से 1901 में हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। पढ़ने में उनकी रुचि तो बहुत थी, वे लेखन कार्य भी करते थे। सामयिक विषयों पर टिप्पणियां और कविताएँ लिखने का अद्भुत कौशल था। उन्होंने मित्र मेलों का आयोजन करना आरंभ किया। इन मेलों में राष्ट्र और संस्कृति की बात होती और यह भी कि भारतमाता पर कितना संकट है, कैसे वह संकट दूर होगा। इन मेलों के माध्यम से नवयुवकों में राष्ट्रीयता की भावना प्रबल होने लगी। सत्रह वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ।

स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर अकेले ऐसे क्रांँतिकारी हैं जिन्हें दो बार आजीवन कारावास हुआ। उनका पूरा जीवन तिहरे संघर्ष में बीत। एक संघर्ष राष्ट्र की संस्कृति और परंपरा की पुनर्स्थापना के लिये किया। दूसरा संघर्ष देश को अंग्रेजों से मुक्ति के लिये। तीसरा संघर्ष भारत के अपने ही बंधुओं के लांछन झेलने का। उनका संघर्ष सत्ता के लिए या राजनीति के लिए नहीं अपितु भारत राष्ट्र की अस्मिता और हिन्दु समाज के जागरण के लिए था। उनका और उनके परिवार का पूरा जीवन भारत के स्वत्व की प्रतिष्ठापना के लिए समर्पित रहा। उनका जन्म महाराष्ट्र प्रांत के पुणे जिला अंतर्गत भागुर ग्राम में 28 मई 1883 को हुआ था। उनकी माता का नाम राधाबाई और पिता का नाम दामोदर पन्त सावरकर था। इनके दो भाई और थे- एक गणेश दामोदर सावरकर और दूसरे नारायण दामोदर सावरकर थे। गणेश सालरकर उनसे बड़े थे और नारायण छोटे। एक बहन नैनाबाई थीं। जब विनायक केवल नौ वर्ष के थे तब ही हैजा महामारी ने माताजी को छीन लिया था। सात वर्ष बाद 1899 में इसी महामारी के चलते उनके पिता भी स्वर्ग सिधार गये। बड़े भाई गणेश ने परिवार के पालन-पोषण का कार्य सँभाला। दुःख और कठिनाई की इस घड़ी में अग्रज गणेश सावरकर के व्यक्तित्व का विनायक पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्हें लगा कि जिस प्रकार बड़े भाई न केवल अपने पैरों पर स्वयं खड़े हैं और परिवार संभाल रहे हैं, क्यों न वे भी अपने पैरों पर खड़े हों और समाज की सेवा करें। कुछ विभूतियाँ साधारण नहीं होतीं, वे प्रकृति की अतिरिक्त ऊर्जा के साथ संसार में आतीं हैं। ऐसी विशिष्ट विभूतियाँ अपने आसपास की एक एक घटना से सीखतीं हैं और समाज को सिखाने का प्रयास करतीं हैं। विनायक सावरकर ऐसे ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने एक साथ विभिन्न दिशाओं में चिंतन आरंभ किया। महामारी ने केवल उनके माता-पिता को ही नहीं छीना था बल्कि देश के लाखों करोड़ों लोगों के भी प्राण लिये थे। भारतीय समाज जीवन इस विभीषिका को झेल रहा था। विनायकजी ने भारतीय समाज को जागृत करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ नवयुवकों की टोली बनाई और समाज संस्कृति का जागरण का कार्य आरंभ किया। इसके साथ शिवाजी हाईस्कूल नासिक से 1901 में हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की। पढ़ने में उनकी रुचि तो बहुत थी, वे लेखन कार्य भी करते थे। सामयिक विषयों पर टिप्पणियां और कविताएँ लिखने का अद्भुत कौशल था। उन्होंने मित्र मेलों का आयोजन करना आरंभ किया। इन मेलों में राष्ट्र और संस्कृति की बात होती और यह भी कि भारतमाता पर कितना संकट है, कैसे वह संकट दूर होगा। इन मेलों के माध्यम से नवयुवकों में राष्ट्रीयता की भावना प्रबल होने लगी। सत्रह वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ। पत्नि का नाम यमुना देवी था। ससुर रामचन्द्र जी ने सावरकर जी की उच्च शिक्षा का भार उठाया। 1902 में वे फर्ग्युसन कालेज पुणे में बीए करने पहुंचे। समय के साथ विनायक जी की दो संतानों ने जन्म लिया- विश्वास सावरकर और पुत्री प्रभात सावरकर। पुणे में ही उन्होंने 1904 में एक संस्था का गठन किया जिसका नाम ₹अभिनव भारत₹ रखा। यह एक क्राँतिकारी संगठन था जिस पर बाद में अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा दिया था। 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद इस संगठन ने पुणे और आसपास के क्षेत्रों में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। विनायक सावरकर और अभिनव भारत के कार्यकर्ता घूम-घूम कर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत ओजस्वी भाषण देते थे। इस पूरी टीम को बाल गंगाधर तिलक का आशीर्वाद मिला। तिलक जी के प्रयास से विनायक दामोदर सावरकर को छात्रवृत्ति मिली। उनके आलेख इंडियन सोशियोलाजिस्ट नामक पत्रिका में और फिर कलकत्ता के युगान्तर में भी छपे। महाविद्यालयीन पढ़ाई के बाद वकालत पढ़ने लंदन चले गये। वहां संग्रहालय में वे विवरण भी पढ़े कि कैसे 1857 की क्राँति की शुरूआत हुई और कैसे अंग्रेजों ने उसका दमन किया गया। इन्हे पढ़ने के बाद सावरकर जी ने 10 मई, 1907 को लंदन के इंडिया हाउस में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की स्वर्ण जयन्ती का आयोजन किया और अपने ओजस्वी भाषण में प्रमाणों सहित 1857 के संघर्ष को भारत का प्रथम संग्राम सिद्ध किया। इसके साथ उन्होंने एक पुस्तक भी लिख डाली। ₹द इण्डियन वॉर ऑफ इण्डिपेण्डेंस₹ नामक यह पुस्तक जून 1908 में तैयार हो गयी थी परन्तु इसके मुद्रण की समस्या सामने आयी। इसके लिये बहुत प्रयास हुए। अंततः यह पुस्तक हॉलैण्ड से प्रकाशित हुई और प्रतियाँ फ्रांस पहुँचायी गयी। पुस्तक में सावरकर ने 1857 के सिपाही विद्रोह को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ स्वतन्त्रता की पहली लड़ाई बताया। यह संसार की उन विरली पुस्तकों में से एक है जिस पर उसके प्रकाशन के पहले प्रतिबंध लगा। मई 1909 में इन्होंने लन्दन से बार एट ला परीक्षा उत्तीर्ण की लेकिन उन्हें वकालत करने की अनुमति नहीं मिली। इसका कारण यह था कि सावरकर जी ने ब्रिटिश क्राउन के प्रति वफादारी की शपथ लेने से इनकार कर दिया था। सावरकर ने लन्दन के लॉ कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद इण्डिया हाउस में रहना आरम्भ कर दिया था। इण्डिया हाउस उस समय राजनितिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया था, जिसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी चला रहे थे। वहां रहते हुए सावरकर जी के उन सभी लोगों से संपर्क बढ़ गये जो मन ही मन भारतीय स्वतंत्रता के पक्षधर रहे। लन्दन में ही उनकी भेंट लाला हरदयाल से हुई। लालाजी उन दिनों इण्डिया हाउस की देखरेख करते थे। एक जुलाई 1909 को क्राँतिकारी मदनलाल ढींगरा द्वारा विलियम हट कर्जन वायली को गोली मार दी थी। इस घटना पर सावरकर जी ने लन्दन टाइम्स में एक लेख लिखा था। इस लेख के कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ। 10 मई 1910 को पेरिस से लन्दन पहुँचने पर उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया परन्तु 8 जुलाई 1910 को एमएस मोरिया नामक जहाज से भारत ले जाते हुए सीवर होल के रास्ते वे भाग निकले। उन्होंने तैर कर इंग्लिश चैनल पार की किंतु गिरफ्तार कर लिये गये। 24 दिसम्बर 1910 को उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गयी। इसके बाद 31 जनवरी 1911 को इन्हें दोबारा आजीवन कारावास दिया गया। इस प्रकार सावरकर जी को दो-दो आजन्म कारावास की सजा दी गयी, जो विश्व के इतिहास की पहली एवं अनोखी घटना थी। पर सावरकर जी ने तो स्वयं को मातृ भूमि को अर्पित कर दिया था। इसलिये उन्होंने इन सजाओ को स्वीकार कर लिया। समय के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें भारत भेज दिया गया । नासिक जिले के कलेक्टर जैकसन की हत्या के लिए नासिक षडयंत्र काण्ड के अन्तर्गत इन्हें 7 अप्रैल, 1911 को काला पानी की सजा पर सेलुलर जेल भेज दिया गया। यहां स्वतंत्रता सेनानियों पर कड़े अत्याचार होते थे। कैदियों को यहां कोल्हू में बैल की तरह जुत कर सरसों व नारियल का तेल निकालना होता था। इसके अलावा उन्हें जेल के साथ लगे व बाहर के जंगलों को साफ कर दलदली भूमि व पहाड़ी क्षेत्र को समतल भी करना होता था। काम करते समय रुकने पर कड़ी सजा व बेंत व कोड़ों से पिटाई भी की जाती थीं। इतने पर भी उन्हें भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता था। सावरकर जी ने यह सब सहा। वे 4 जुलाई 1911 से 21 मई, 1921 तक पोर्ट ब्लेयर की इस जेल में रहे। 1919 में वल्लभ भाई पटेल और बाल गंगाधर तिलक के कहने पर उन्होंने दया याचिका लगाई। अंततः ब्रिटिश कानून ना तोड़ने और विद्रोह ना करने की शर्त पर उनकी रिहाई हो गई। सावरकर जी जानते थे कि जेल में रहकर जीवन समाप्त करने से बेहतर भूमिगत रह कर राष्ट्र सेवा करना है। वे जीवन की क्षण भंगुरता से परिचित थे इसलिए चाहते थे कि काम करने का जितना मौका मिले, उतना अच्छा है। तिलक जी ने संदेश भेजा था कि अगर वो जेल के बाहर रहेंगे तो वो जो करना चाहेंगे, वो कर सकेंगे जो कि अण्डमान निकोबार की जेल में रहकर संभव नहीं था। 1921 में मुक्त होने पर उन्होंने हिन्दुत्व पर शोध ग्रन्थ लिखा। 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार से भेंट हुई। फरवरी, 1931 में इनके प्रयासों से बम्बई में पतित पावन मन्दिर की स्थापना हुई, जो सभी हिन्दुओं के लिए समान रूप से खुला था। 25 फरवरी 1931 को सावरकर ने बम्बई प्रेसीडेंसी में हुए अस्पृश्यता उन्मूलन सम्मेलन की अध्यक्षता की। 1937 में अहमदाबाद में आयोजित अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के अध्यक्ष चुने गये। वे सात वर्षों तक अध्यक्ष रहे। अप्रैल 1938 को उन्हें मराठी साहित्य सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया। जून 1941 को उनकी भेंट नेताजी सुभाषचंद्र बोस से हुई। 9 अक्टूबर 1942 को भारत की स्वतन्त्रता के निवेदन सहित उन्होंने चर्चिल को तार भेज कर सूचित किया। सावरकर जी जीवन भर भारत विभाजन के विरुद्ध और अखण्ड भारत के पक्ष में रहे 1943 के बाद सावरकर जी मुम्बई आकर रहने लगे। अप्रैल 1946 में बम्बई सरकार ने सावरकर के लिखे साहित्य पर से प्रतिबन्ध हटा लिया। 1947 में इन्होंने भारत विभाजन का विरोध किया। उनका कहना था कि भारत विभाजन नहीं होना चाहिए और यदि होता है तो कम्प्लीट विभाजन होना चाहिए। सारी हिन्दू आबादी यहाँ और सारी मुस्लिम आबादी वहाँ। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिलने पर सावरकर जी ने भारतीय ध्वज तिरंगा एवं भगवा, दोनों एक साथ फहराये। इस अवसर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे स्वराज्य प्राप्ति की खुशी है, परन्तु भारत के खण्डित होने का दुःख है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की सीमायें नदी तथा पहाड़ों या सन्धि-पत्रों से निर्धारित नहीं होतीं, वे देश के नवयुवकों के शौर्य, धैर्य, त्याग एवं पराक्रम से निर्धारित होती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तुष्टिकरण की राजनीति का कुफल

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना जिले में कालिंदी नदी के किनारे बसा गांव संदेशखाली पिछले कई दिनों से चचाओं में है। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके दो सहयोगियों पर यहां की महिलाओं ने कथित अत्याचार और यौन उत्पीड़न के कई गंभीर आरोप लगाए हैं। संदेशखाली की पीड़िताओं ने जो बातें जिम्मेदार लोगों को बताई हैं, वह 21 वीं सदी में अकल्पनीय है। ऐसे में अहम सवाल है कि कोई शाहजहां शेख कैसे इतना निरंकुश हो जाता है? शाहजहां जैसे अत्याचारियों को ताकत कहां से मिलती है? इन सवालों का जवाब भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी के बयान के छिपा है। सुधांशु के अनुसार, ह्यजो कुछ संदेशखाली में हो रहा है वो मात्र एक घटना नहीं बल्कि एक राजनीति सोच है, जो 78 वर्ष पूर्व नोआखाली से लेकर आज के संदेशखाली तक बंगाल के लिए नासूर बनती जा रही है। शाहजहां शेख एक व्यक्ति नहीं एक प्रवृत्ति है जिसे मात्र बंगाल में नहीं बल्कि पूरे भारत में एक विशेष प्रकार का सेक्युलर संरक्षण प्राप्त है।ह्ल राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटें तो पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम तुष्टिकरण की जननी कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। आजादी के बाद नेहरू से वर्तमान तक पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति को समर्पित रही है। आजादी के बाद घरेलू ही नहीं, विदेशी नीति भी तुष्टिकरण से तय होती थी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जिन मुसलमानों के नाम पर कांग्रेस ने देश में तुष्टिकरण की नीति का आगाज किया उन मुसलमानों की माली हालत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। दूसरी विडंबना यह हुई कि कांग्रेसी तुष्टिकरण का संक्रमण क्षेत्रीय पार्टियों, मीडिया, बुद्धिजीवियों तक होता गया। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण के बलबूते ही सत्ता में आई थी। सत्ता पर काबिज होने के बाद से तृणमूल की सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए हिंदुओं व दूसरे समुदायों की पूरी तरह अनदेखी की। हिन्दुओं के धार्मिक उत्सवों और यात्राओं तक में सरकार ने अड़चन लगाने का काम किया। पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं की जो दुर्दशा हो रही है, वो किसी छिपी नहीं है। तृणमूल के नेता और कार्यकर्ता जिस तरह का अत्याचार कर रहे हैं, वो सुनकर हैरानी होती है कि हम किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हैं और पश्चिम बंगाल में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है। पश्चिम बंगाल हो या फिर दिल्ली, मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर इनमें होड़ है। दिल्ली के दंगों में आम आदमी पार्टी के नेताओं की भूमिका सर्वविदित है। दिल्ली में शाहीन बाग प्रदर्शन के पीछे भी मुस्लिम तुष्टिकरण वाली राजनीतिक ताकतें अपना चेहरा चाहकर भी छुपा नहीं पाई थीं। तेलंगाना में जब बीआरएस और राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी, तब वहां मुस्लिम तुष्टिकरण ही राज्यनीति था। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जब सरकार की हिस्सेदार थी, तब वहां भी मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था। आजादी के बाद देश में जिस मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को जो बीज बोया गया, वह आगे चलकर वटवृक्ष बन गया। भारत दुनिया का इकलौता देश बना जहां बहुसंख्यकों के हितों की कीमत पर अल्पसंख्यकों को वरीयता दी गई। कांग्रेसी तुष्टिकरण का पहला नमूना आजादी के तुरंत बाद देखने को मिला जब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गुलामी के पहले कलंक को मिटाने के लिए भव्य सोमनाथ मंदिर बनाने की पहल की। लेकिन मुस्लिम परस्ती के चलते प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने न सिर्फ सोमनाथ मंदिर के नवीनीकरण और पुनर्स्थापना के कार्य से खुद को अलग कर लिया बल्कि तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री को आदेश दिया कि मंदिर निर्माण में सरकार का एक भी पैसा नहीं लगना चाहिए। इतना ही नहीं, जब राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन करने जाने लगे तब नेहरू ने उन्हें रोकने की नाकाम कोशिश भी की। वास्तव में, अल्पसंख्यकवाद और मुस्लिम तुष्टिकरण ही भारत के छद्म धर्म (पंथ) निरपेक्षतावाद की मूल धुरी है। इस देश के मुसलमानों का खुश रहना नहीं, उन्हें खुश रखने के लिए हरसंभव प्रयत्न का नाम है सेक्युलिरिटी। जैसे गरीबी हटाने का नारा जीवित रखने के लिए गरीब बनाकर रखना एक राजनीतिक आवश्यकता है, ठीक उसी प्रकार से इस देश के मुसलमानों को अपनी पूजा पद्धति रोजा-नमाज और मस्जिद सहित यहां की मुख्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धारा न बनने देकर उसके समानांतर एक मुस्लिम मजहबी धारा बनाकर रखना भी वोट राजनीति की जरूरत है। वोट राजनीति की इस विवशता को कतिपय राजनीतिक दल, दल विहीन राजनेता और बुद्धिवादी देश का स्थायी भाव बना देने की जी तोड़ कोशिशें कर रहे हैं। स्वभावतरू पंथनिरपेक्ष भर को सुनियोजित ढंग से पंथ और मजहब के संदर्भ में सोचने, जीने और अपना मानस बनाने को कहा जा रहा है कि यदि ऐसा सोचा और किया न गया तो देश साम्प्रदायिकता की आग में जलकर राख बन जायेगा। यदि संक्षेप में और कुछ वाक्यों में कहें तो आज के भारत की धर्म (पंथ) निरपेक्षता मुस्लिम सापेक्षता का पर्याय है। दोनों एक दूसरे के दास हैं। दोनों की आधार भूमि है सत्ता राजनीति। यह मान लिया गया है कि मुस्लिम सापेक्ष न होना पंथनिरपेक्षता का विरोधी होना है। यह कि यदि हमारी सोच का केंद्र बिंदु मुसलमान नहीं हैं तो हम भारत राष्ट्र को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं। और यह कि यदि हम अपने आचार विचार से हिन्दू विरोधी नहीं हैं तो हम सेकुलर नहीं हैं। अतएव यदि हमें सेकुलर बने रहना है तो हमें चाहिए कि हम कश्मीर घाटी से भगा दिये गये हिन्दुओं की पीड़ा प्रताड़ना, उनके दुख और दैन्य की बात न करें।

'सन-सैंड-सी' संग राष्ट्रवाद भी जुड़ा गोवा के साथ

गोवा अपनी छवि का विस्तार करने का संकल्प ले चुका है। उसकी चाहत है कि उसे उसके समुद्री तटों, गिरिजाघरों के अलावा भी उसके समृद्ध अतीत के रूप में भी जाना जाए। गोवा को लेकर एक ऐसी धारणा बना दी गई है, जबकि सच्चाई यह है कि गोवा सनातन भूमि है। चूंकि गोवा पर लम्बे समय तक पुर्तगाली शासन रहा है, तो इसका असर यहां पर अब भी गिरिजाघरों, घरों और दूसरी इमारतों के आर्किटेक्चर को देखकर समझ आने लगता है। पुर्तगालियों ने गोवा पर लगभग 450 सालों तक शासन किया। पुर्तगालियों ने यहाँ की संस्कृति का नामोनिशान मिटाने के बहुत प्रयास किए, लेकिन यहाँ की मूल संस्कृति इतनी मजबूत थी कि धर्मांतरण के बाद भी वो मिट नहीं पाई। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत ने पर्यटन संग आध्यात्मिक राष्ट्रवाद से गोवा को विकसित बनाने का दृढ़ संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री खुद कई बार यह कह चुके हैं कि गोवा को लेकर एक खास तरह की इमेज बना दी गई है। यह संत सोहिरोबनाथ आंबिये, आद्य नाटककार कृष्णभट्ट बांदकर, सुरश्री केसरबाई केरकर, आचार्य धमानंद कोसंबी और पद्म विभूषण रघुनाथ माशेलकर जैसी विभूतियों की धरती है। गोवा का जुझारूपन, संघर्ष इतिहास की किताबों में भी परिलक्षित होता है। अंग्रेजों ने भारत पर करीब दो सौ साल शासन किया, लेकिन गोवा के लोगों ने साढ़े चार सौ साल तक पुर्तगालियों को सहा। जिसकी वजह से यह कहा जाए कि सबसे बड़ा कन्वर्जन गोवा में हुआ तो गलत नहीं होगा। इतना सबकुछ होने के बावजूद गोवा वह राज्य है जिसने मंदिरों का पुनर्निर्माण कराया। 16वीं शताब्दी में जो मंदिर पुर्तगालियों ने नष्ट किया था, उस सप्त कोटेश्वर मंदिर को छत्रपति शिवाजी जी ने बनवाया था। प्रमोद सावंत सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए इस मंदिर को भी री-डवलप करने का बीड़ा उठाया है। आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की यह कवायद गोवा की सूर्य, रेत और समुद्र या सन, सेंड और सी की पहचान को नया आयाम देने वाली साबित होगी। गोवा के लोग सरकार के इस कदम से कितने उत्साहित हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि स्थानीय निवासी खुद मंदिरों की प्रतिष्ठा कर रहे हैं। राज्य सरकार ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पुर्तगालियों के 450 साल के शासन में गोवा में लगभग 900 से अधिक मंदिर तोड़े गए। आध्यात्मिकता की राह पर आगे बढ़ता गोवा आज विकास के विभिन्न पैमानों पर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। स्वयंपूर्ण गोवा मिशन जमीनी स्तर पर जन सामान्य को सशक्त कर रहा है। जन सशक्तता के लिहाज से प्रमोद सावंत ने अपने पहले कार्यकाल में ही कई योजनाएं शुरू कर दी थी, जिसमें से स्वयंपूर्ण गोवा मिसाल है। प्रमोद सावंत ने पहले कार्यकाल में हाउसिंग फॉर ऑल, इलेक्ट्रिसिटी फॉर आल, फाइनेंशियल सिक्योरिटी फॉर आल, हेल्थ फॉर आल, इक्यूवमेंट फॉर दिव्यांग, किसान क्रेडिट कार्ड फॉर आल समेत कुल दस लक्ष्य निर्धारित किए थे। इन लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में उठाए गए सकारात्मक कदमों के सुखद नतीजे अब आने लगे हैं। गोवा सौ प्रतिशत घरों में नल से जल और बिजली आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इतना ही नहीं भारतवर्ष में गोवा पहला राज्य है, जहां प्रत्येक गांव में सड़कें हैं। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू करने के मामले में भी गोवा बाकियों के लिए एक नजीर है। पूरे राज्य में उज्ज्वला योजना सौ प्रतिशत लागू हो गई है। गोवा अब किरोसिन मुक्त राज्य है। गोवा, शत-प्रतिशत शौचालय निर्माण वाला भी देश का पहला राज्य है। ऐसी योजनाओं की संख्या एक दो नहीं बल्कि 13 हैं, जिन्हें लागू करने में गोवा अग्रणी है। कभी दूध से लेकर कृषि उत्पादों तक के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर रहने वाला गोवा आज आत्मनिर्भरता की राह पर सतत आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 2047 तक विकसित गोवा का आह्वान किया है।

सवाल बराबरी का

एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने देश के सुरक्षा ढांचे के अंदर पलती पितृसत्तात्मक सोच पर कड़ी चोट की है। इस बार मामला कोस्टगार्ड से जुड़ा है। हालांकि अभी फैसला नहीं आया है, मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होनी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रुख ने इतना तय कर दिया है कि कोस्टगार्ड में महिलाओं को परमानेंट कमिशन देने में अब और टालमटोल नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में अचरज की बात यही है कि महिला-पुरुष बराबरी को लेकर देश-दुनिया में चल रहे विमर्श से हमारे सरकारी ढांचे का कोई हिस्सा इस कदर उदासीन कैसे हो सकता है। ध्यान रहे कि सशस्त्र बलों में बराबरी का व्यवहार पाने का महिलाओं का संघर्ष भी इसी दौर में चला। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के फैसले में आर्मी को निर्देश दिया कि महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना होगा। अदालत ने इसके खिलाफ दी जाने वाली सारी दलीलों को खारिज कर दिया। बावजूद इसके, कोस्टगार्ड से जुड़े इस मामले में भी मिलते-जुलते से तर्क सुनने को मिले। मिसाल के तौर पर, कहा गया कि कोस्टगार्ड की फंक्शनिंग सेना या नौसेना से अलग है। ठीक ही अदालत ने इस तरह की दलीलों के विस्तार में गए बगैर ही उन्हें यह कहते हुए काट दिया कि 2024 में फंक्शनल डिफरेंस वाले तर्क नहीं चलेंगे। चाहे जो भी डिफरेंस हो और जो भी बाधाएं हों, महिलाओं को परमानेंट कमिशन देना ही होगा। जाहिर है, अब आगे बात इस पर नहीं होगी कि यह देना है या नहीं, मसला सिर्फ यह होगा कि कैसे देना है। सवाल यह भी है कि जब सशस्त्र बलों में यह मामला उठा था, तब भी कहा गया था सरकार को जेंडर न्यूट्रल पॉलिसी बनाने की पहल करनी चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई खास सार्थक प्रयास नहीं हुए। वरना सर्वोच्च अदालत के सामने ह्यफंक्शनल डिफिकल्टीजह्न गिनाने की कवायद में लगने के बजाय यह बताया जाता कि उन बाधाओं को दूर करने में कितनी कामयाबी मिली है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कर दिया है कि यह मामला याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है, लेकिन अगर मिसाल के तौर पर इस खास मामले का जिक्र करें तो भी इंडियन कोस्टगार्ड में पायलट के तौर पर 14 साल के अपने कार्यकाल के दौरान याचिकाकर्ता ने समंदर में 300 जानें बचाईं। उनके खाते में 4500 फ्लाइंग आवर्स दर्ज हैं जो सशस्त्र बलों में महिला और पुरुष दोनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहद आर्थिक आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल के दाम में आ रही तेजी भी कर सकते है बाजार के मूड को प्रभा वित

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक बाजारों के रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह उम्मीद से बेहतर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़ों से बाजार में रिकॉर्ड तेजी आई। इस सप्ताह शेयर बाजार में कम सत्रों में कारोबार होगा। शुक्रवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि प्रमुख घटनाक्रम जैसे पांच मार्च को अमेरिका के सेवा पीएमआई आंकड़े, आठ मार्च को अमेरिका के बेरोजगारी के आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम में भी तेजी आ रही है जो बाजार के मूड को प्रभो वित कर सकते हैं। हालांकि, अभी बाजार में तेजी की रफ्तार कायम है। घरेलू मोर्चे पर बात की जाए, तो सेवा क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े मंगलवार को आएंगे। बाजार विश्लेषक कहते हैं कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों, एफआईआई/डीआईआई के निवेश के रुख, कच्चे तेल के भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और वैश्विक बाजारों के रुख पर प्रतिक्रिया देगा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 663.35 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 165.7 अंक के लाभ में रहा। शनिवार को सेंसेक्स 60.80 अंक चढ़कर 73,806.15 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 73,994.70 के अपने सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर को छू गया। वहीं निफ्टी 39.65 अंक बढ़कर 22,378.40 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 22,419.55 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था।

प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों या विफलता से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच को शनिवार को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र का आयोजन किया था।

दो साल और जारी रहेगी ई-कॉमर्स ड्यूटी पर रोक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की 13 वीं मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस में डिस्प्यूट रिजोल्यूशन मैकनिज्म पर कोई सहमति नहीं बन सकी है। लेकिन इस बैठक में ई-कॉमर्स पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी पर जो पाबंदी लगाई थी उसे अगली मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस यानी कि 2 साल तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है। अगली कॉन्फ्रेंस 2 साल बाद होनी है, जिसमें दोबारा से इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। ऐसा अनुमान है कि अगली बैठक में ये पाबंदी खत्म कर दी जाएगी। बैठक में हुए ये फैसले भारत के रुख से अलग रहे हैं। भारत ने ड्यूटी को खत्म करने पर जोर दिया था। अब इस फैसले के भारत में ऑनलाइन वीडियो गेम्स, ई-बुक्स या फिर ई-फिल्म की बिक्री करने वाली विदेशी कंपनियों पर टैक्स फिलहाल 2 साल के लिए नहीं लगाया जाएगा। बता दें कि बीते कई सालों से ई-कॉमर्स पर लगातार ड्यूटी बढ़ाई जा रही है। हालांकि इस बार की बैठक के पहले ही भारत समेत कुछ और देशों ने इसका विरोध किया था। वहीं एक पूरी तरह से कार्यरत डिस्प्यूट सेटलमेंट सिस्टम पर कोई समझौता नहीं हो सका है। कॉन्फ्रेंस के ड्रॉफ्ट स्टेटमेंट को देखें तो इसमें कहा गया है कि इस मुद्दे पर विचार जारी है और इसमें पारदर्शी तरीके से तेजी लाई जाएगी। ड्यूटी को लेकर भारत के साथ ही दूसरे डेवलेपिंग देशों का मानना है कि ड्यूटी न लगने की वजह से देश की इनकम में नुकसान हो रहा है। दरअसल अमेरिका और यूरोप में बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां है जो इलेक्ट्रॉनिक फिल्में, ई-बुक जैसे प्रोडक्ट बेचती हैं इनसे मोटी कमाई करती हैं लेकिन इस कमाई पर वो उन देशों में कोई टैक्स नहीं देती जहां वो उत्पादों की बिक्री कर रही हैं।

बॉलीवुड के सिंघम ने पनोरमा स्टूडियोज में किया निवेश

PANORAMA STUDIOS

9 लोगों ने कुल 24.66 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की

नई दिल्ली ।

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन ने शेयर बाजार में कदम रखा है। उन्होंने पिछले एक साल में 860 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देने वाली कंपनी में 2.74 करोड़ रुपये लगाए हैं। अजय देवगन ने पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशन के लिए शेयरों में 274 रुपये प्रति शेयर पर निवेश किया है। उनके अलावा 8 और लोगों ने प्रेफेरेंशियल शेयर अलॉटमेंट के तहत कंपनी में निवेश किया है। इस तरह 9 लोगों ने कुल 24.66 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। इस शेयर का 52 हफ्तों का`` हाई 970 रुपये है और अभी यह 949 रुपये पर कारोबार कर रहा है। शेयर का 52 हफ्तों का लो 91 रुपये है। पिछले 6 महीने में ये शेयर 271 फीसदी बढ़ चुका है। वहीं एक साल में इस स्टॉक ने निवेशकों को 861 फीसदी का रिटर्न दिया है। यानी 8 गुना से भी ज्यादा का रिटर्न इसके निवेशकों को एक साल में मिला है। पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल फिल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है। कंपनी के फाउंडर कुमार मंगत पाठक हैं जिन्हें अजय देवगन का अच्छा दोस्त माना जाता है। कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार वह दोनों 25 साल से एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। ओमकारा, दृश्यम, सेक्शन 375, बाजार, गब्बर इज बैक, आक्रोश, रुस्तम और खुदा हाफिज जैसी फिल्मों का प्रोडक्शन पनोरमा द्वारा किया गया है। कंपनी के राजस्व और मुनाफे में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जारी वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी को 34 करोड़ रुपये का राजस्व और 2 करोड़ रुपये का मुनाफा मिला है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 197 करोड़ रुपये का राजस्व और 33 करोड़ रुपये का मुनाफा मिला था। कंपनी का मार्केट कैप 1180 करोड़ रुपये है। कंपनी की नेटवर्थ 69 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह शेयर केवल बीएसई पर ही उपलब्ध है। कंपनी की स्थापना 1980 में हुई थी।

सेमसंग की नई अंगूठी बताएगी आपकी सेहत का हाल!

नई दिल्ली ।

सेमसंग गैलेक्सी रिंग जल्द ही लांच होने वाली है जो आपकी सेहत के बारे में जानकारी देगी। यह हेल्थ फीचर्स से लैस अंगूठी है। यह गैलेक्सी रिंग यूजर की हार्ट रेट को ट्रैक करने के साथ-साथ रिस्पाइरेटरी रेट की भी जानकारी देगी।

इस रिंग की मदद से आप अपनी स्लीप को भी मॉनिटर कर सकेंगे, जिससे आपको पता रहेगा कि आपने कैसी नींद ली है। गैलेक्सी रिंग के जरिए आपको अपना विटेलिटी स्कोर भी पता चल सकेगा। इसका मतलब है कि ये रिंग आपका फिजिकल, मेंटल रेडीनेस को देखेगी और प्रोडक्टिविटी को चेक करेगी। इसके लिए आपको सेमसंग हैल्थ एप को डाउनलोड करना रहेगा। कंपनी इस रिंग को साल के अंत तक लॉन्च कर सकती है। हालांकि, अभी इससे जुड़ी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है। सेमसंग गैलेक्सी रिंग यूजर्स को 12 साइज और 3 कलर ऑप्शंस

में खरीदने को मिलेगी। बड़े साइज की रिंग में कंपनी ने बड़े बैटरी सेल्स का इस्तेमाल किया है। वहीं छोटी साइज की रिंग में बैटरी बैकअप कम रहेगा। आपको यह रिंग यूएस साइज 5-13 नंबर में खरीदने को मिलेगी। इसके अलावा गैलेक्सी रिंग में 5 से 9 दिनों का बैटरी बैकअप मिलेगा। बता दें कि अभी कंपनी ने इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है। इसके लिए आपकों साल की दूसरी छमाही तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में बाजार में 1,539 करोड़ का निवेश किया

- जनवरी में एफपीआई ने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख में एक बड़ा बदलाव देखा गया है। एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इससे पिछले महीने जनवरी में उन्होंने शेयरों से जमकर निकासी की थी। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों तथा सकारात्मक आर्थिक वृद्धि के बीच एफपीआई एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने फरवरी में ऋण या बांड बाजार में 22,419 करोड़ रुपये डाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि मार्च के लिए भी एफपीआई का परिदृश्य सकारात्मक नजर आ रहा है। अर्थव्यवस्था में मजबूती तथा कॉरपोरेट जगत के बेहतर प्रदर्शन की वजह से भारतीय शेयरों के प्रति एफपीआई का आकर्षण कायम रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजार में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक माहौल में सुधार ने एफपीआई को भारत जैसे उच्च वृद्धि वाले बाजारों में निवेश के लिए प्रेरित किया है। घरेलू मोर्चे पर जीडीपी के तीसरी तिमाही के आंकड़े मजबूत रहे हैं, जिससे विदेशी निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है। अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल काफी ऊंचा है। फिर भी एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेश किया है। एफपीआई पिछले कुछ महीनों से जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बांड को शामिल करने की घोषणा से प्रभावित होकर ऋण बाजार में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने बांड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

ओला ने फरवरी में बेचे 35,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के लिए फरवरी का महीन अच्छा रहा है। कंपनी ने पिछले महीने में 35,000 इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री की है, जो अब तक की सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार बिक्री में करीब 100 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। कंपनी की भारतीय बाजार में लगभग 42 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले 3 महीनों में एक लाख से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। दिसंबर, जनवरी और फरवरी में कंपनी ने हर बार 30,000-30,000 से अधिक की बिक्री की है। दिसंबर 2023 में पहली बार कंपनी ने 30,000 का आंकड़ा पार किया था और अब तक ये लगातार जारी है। आने वाले महीनों में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री में और बढ़ोतरी देखी जा सकती है। गौरतलब है कि ओला ने पिछले महीने अपनी एस1 सीरीज पोर्टफोलियो की कीमत में 25,000 रुपये की कटौती की है, जिससे बुकिंग में वृद्धि देखने को मिली। अब कंपनी इस ऑफर को बढ़ाते हुए ग्राहकों को 31 मार्च तक छूट देने की घोषणा की है।

सरसों और मूंगफली तेल तिलहन के भाव मजबूत रहे

नई दिल्ली । दिल्ली के तेल-तिलहन बाजार में खाद्य तेलों की कम आपूर्ति के बीच शनिवार को सरसों और मूंगफली तेल तिलहन के दाम मजबूत रहे। जबकि विदेशों में डीओसी के निर्यात के कमजोर दाम के कारण सोयाबीन तिलहन कीमतों में गिरावट रही। सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बंद हुई। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन- 5,350-5390 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली- 6,075-6,350 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 14,850 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,225-2,500 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,125 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,720-1,820 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,720 -1,825 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी- 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,475 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,025 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,800 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 8,600 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,150 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,825 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 8,825 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना- 4,590-4,610 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 4,390-4,430 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का)- 4,050 रुपए प्रति क्विंटल।

कौरा फाइन डायमंड ज्वैलरी आईपीओ 6 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । आईपीओ में निवेशक करने वालों के लिए ये साल अभी तक अच्छा रहा है। अब मार्च में भी कई कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इसी में से एक है कौरा फाइन डायमंड ज्वैलरी। कंपनी अपना 5.50 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है। सब्सक्रिप्शन के लिए यह 6 मार्च को खुलेगा और 11 मार्च को इसमें पैसे लगाने की आखिरी तारीख है। आईपीओ में 10 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। सफलतापूर्वक सब्सक्रिप्शन के बाद शेयरों की लिस्टिंग बीएसई एसएमई पर 14 मार्च को हो सकती है। कंपनी के लिए प्राइस बैंड 55 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। बोली लगाने के लिए मिनिमम लॉट साइज 2000 शेयर है। जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलोजिज लिमिटेड इश्यू के लिए रजिस्ट्रार है। मार्केट मेकर गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग है। ये ज्वेलरी कंपनी साल 2022 में बनी थी। इसके प्रमोटर कमलेश केशवलाल लोधिया हैं। 30 सितंबर 2023 तक कंपनी का रेवेन्यू 6 करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 17 लाख रुपये था। कौरा फाइन डायमंड ज्वेलरी सोने और हीरे के आभूषणों के थोक कारोबार में लगी हुई है। कंपनी सोने के आभूषण और हीरे के आभूषण सहित आभूषण उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की बिक्री करती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केट कैप 65,302 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 65,302.5 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक फायदे में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक रहे। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) की बाजार हैसियत में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 19,881.39 करोड़ रुपये बढ़कर 14,85,912.36 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 15,672.82 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार मूल्यांकन 7,60,481.54 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 12,182.1 करोड़ रुपए बढ़कर 6,89,917.13 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 7,178.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 10,86,464.53 करोड़ रुपए हो गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,051.63 करोड़ रुपए बढ़कर 5,67,626.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल के मूल्यांकन में 4,525.14 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 6,38,721.77 करोड़ रुपए रहा।

आईटीसी की बाजार हैसियत 811.39 करोड़ रुपए बढ़कर 5,14,451.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 19,892.12 करोड़ रुपए घटकर 6,54,763.76 करोड़ रुपए रह गया।

इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 9,048.17 करोड़ रुपए घटकर 6,86,997.15 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,720.44 करोड़ रुपए घटकर 20,16,750.44 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

गूगल ने नियमों के उल्लंघन पर हटाए कई ऐप

नई दिल्ली । गूगल ने हाल ही में प्ले स्टोर से कई भारतीय ऐप को हटा दिया है। गूगल ने अपनी पॉलिसी में बदलाव किए है जिसके चलते कई ऐप पर बैन लगा दिया गया है। जिसके चलते गूगल ने सेवा शुल्क 11 फीसदी से बढ़ा कर 26 फीसदी कर दिया था। इसके बाद गूगल ने सर्विस चार्ज ना देने वाली कंपनियों को हटाने का फैसला लिया था। इससे पहले देश की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने पुराना सिस्टम खत्म करने का आदेश दिया था। बता दें गूगल ने इन एप्स को लेकर पहले ही चेतावनी दे दी थी कि नियमों का उल्लंघन करने और सर्विस चार्ज न देना उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। जिसके तहत कई भारतीय जानी-मानी कंपनियों ने बिलिंग नियमों का उल्लंघन किया इसके अलावा कुछ कंपनियों ने बिक्री पर लागू होने वाले सर्विस चार्ज नहीं दिया जिसके चलते गूगल ने ये बड़ा फैसला लिया है।

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे

- सामूहिक रूप से 1,325 करोड़ रुपए की राशि जुटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह गोपाल स्नैक्स सहित तीन कंपनियां के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल रहे हैं। इनसे सामूहिक रूप से 1,325 करोड़ रुपये की राशि जुटने की उम्मीद है। सप्ताह के दौरान दो और कंपनियों आरके स्वामी और जेजी केमिकल्स के भी आईपीओ आएंगे। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि मार्च के महीने में बेंगलुरु के लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल्स और क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज का भी निर्गम आने की उम्मीद है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत वृहद आर्थिक परिस्थितियों तथा हाल में सूचीबद्ध हुए शेयरों से मिले बेहतर रिटर्न की वजह से आईपीओ गतिविधियों में तेजी देखने को मिल रही है। इस साल अब तक 16 कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 13,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वहीं मुक्का प्रोटींस का 224 करोड़ रुपये आईपीओ चार मार्च को बंद होगा। बीते साल 2023 में 58 कंपनियों ने आईपीओ से 52,637 करोड़ रुपये जुटाए थे। राजकोट की कंपनी गोपाल स्नैक्स का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 381 रुपये से 401 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गोपाल स्नैक्स का आईपीओ छह मार्च को खुलकर 11 मार्च को बंद होगा। एकीकृत विपणन सेवा कंपनी आरके स्वामी का 423.56 करोड़ रुपये का आईपीओ चार मार्च को खुलकर छह मार्च को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 270-288 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ के

तहत 173 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि इसमें 87 लाख तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। जिंक ऑक्साइड विनिर्माता जेजी केमिकल्स के आईपीओ में 165 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें 86.2 करोड़ रुपये की 39 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। कंपनी का आईपीओ पांच मार्च को खुलकर सात मार्च को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 210 से 221 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

भारत-नेपाल में शुरू होगी डिजिटल भुगतान सेवा, नए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली । भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने भारतीय रिजर्व बैंक के नए दिशानिर्देशों की सराहना करते हुए कहा कि नए निर्देशों से भारत-नेपाल के बीच डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार होगा। अब नेपाल के लोग प्रति डिजिटल लेनदेन के जरिये 2 लाख रुपए भारत से नेपाल भेज सकते हैं। इसके अलावा वॉक-इन ग्राहक प्रति लेनदेन 50,000 रुपए भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में यूपीआई की सुविधा के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस-नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड का जल्द उदघाटन किया जाएगा। इसके बाद भारत-नेपाल के बीच नकदी ले जाने असुविधा खत्म हो जाएगी। नेपाली खाताधारकों को प्रति लेनदेन 2 लाख रुपए भेजने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा ग्राहक साल में 12 बार व्यक्तिगत रूप से 50,000 रुपए की राशि नेपाल भेज सकते हैं। जून 2023 में, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) ने भारत के यूपीआई और नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस को एकीकृत करके दोनों देशों के बीच सीमा पार डिजिटल भुगतान की सुविधा शुरू करने का एलान किया था। इसे नेपाल में एनपीआई नाम दिया जाएगा।

फोर्ड टाटा के साथ कर सकती है संयुक्त कारोबार

नई दिल्ली । फोर्ड भारत में वापसी की खबरें सामने आ रही हैं। एक रिपोर्ट से ये भी पता चला है कि कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन और हाइब्रिड कार लाने के लिए टाटा मोटर्स के साथ समझौता कर सकती है। टाटा वर्तमान में भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता है, जिससे फोर्ड को यहां कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है। वहीं टाटा को अमेरिका में अपनी कारें लॉन्च करने का मौका मिलेगा। कारों की बिक्री में कमी और घाटे के कारण फोर्ड ने 2021 में भारत में अपना कारोबार बंद कर दिया था। कंपनी के पास भारत में साणंद और चेन्नई में 2 प्लांट हैं। साणंद प्लांट टाटा मोटर्स को बेच दिया है, जबकि चेन्नई प्लांट अभी भी फोर्ड के पास है। हालांकि, इस प्लांट को बेचने को लेकर अमेरिकी कंपनी जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ अंतिम दौर में भी पहुंच गई, लेकिन बाद में फोर्ड ने अपना विचार बदल दिया। चेन्नई प्लांट समुद्री मार्गों के निकट होने के कारण आसियान देशों के लिए एक निर्यात केंद्र साबित हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार जानकार लोगों ने खुलासा किया है कि फोर्ड एसयूवी के साथ हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बेचने के लिए प्लांट को बरकरार रख सकती है।

क्रिएटिव हैं तो आजमाएं फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनरों की मांग आज सिर्फ पेरिस और लंदन में ही नहीं है बल्कि अब तो इसके एक्सपर्ट छोटे शहरों में भी छाये हुए हैं. इससे संबंधित कोर्स करने के बाद इसकी व्यापकता का पता चलता है और फिर आप जान पाते हैं कि वर्तमान में किस तरह के फैशन का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है.

आये दिन बाजार में फैशन के नये डिजाइन, नए तरीके का कलर कंबिनेशन देखने को मिलता है. इस कारण फैशन डिजाइन का क्रेज दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है. हमेशा कुछ न कुछ नया करने की ख्वाहिश रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह करियर का बेहतर आप्शन है.

यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा

वर्ष 1961 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन इस स्वायत्त संस्थान की स्थापना की गई. एनआईडी में ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (जीडीपीडी) और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (पीजीडीपीडी) पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2013-14 के लिए आवेदन मांगे हैं.

ग्रेजुएट कोर्स के लिए बारहवीं पास और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए बैचलर की डिग्री जरूरी है. अनुभवी अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाती है. अभ्यर्थी के पास विजुॲल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटीविटी औ र कम्युनिकेशन स्किल्स का होना जरूरी है. चयन एनआईडी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए इच्छुक छात्रों को संस्थान द्वारा आयो जित डिजाइन एप्टीटयूड टेस्ट (डीएटी) की परीक्षा पास करनी होगी. यह परीक्षा दो चरणों में होगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा है. इसमें 100 अंक के प्रश्न पत्र होंगे.

परीक्षा – लिखित परीक्षा में एनिमेशन, एबस्ट्रैक्ट सिम्बोलिज्म, कम्पोजिशन, मेमोरी ड्रॉइंग, थीमेटिक कलर अरेंजमेंट, विजुअल डिजाइन के अलावा विजुअल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटिव एंड कम्युनिकेशन स्किल, फंडामेंटल डिजाइन के अलावा डिजाइन से संबंधित प्रॉब्लम सॉ ल्विंग कैपेसिटी आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं. इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य उम्मीदवारों की योग्यता, नवीनता और धारणाओं का मूल्यांकन करना है. लिखित परीक्षा के आधार पर परीक्षार्थियों को शॉर्ट लिस्टेड किया जाएगा. इसके आधार पर योग्य अभ्यर्थी को स्टूडियो टेस्ट और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. स्टूडियो टेस्ट के माध्यम से अभ्यर्थी की क्रिएटिविटी और फैशन के प्रति लगाव, डिजाइनिंग के प्रति सोच, नए आइडिया, कल्पनाशक्ति और कुछ अलग हटकर सोचने की क्षमता को परखा जाता है. परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए एनआईडी कैम्पस से संपर्क कर सकते हैं या फिर वेबसाइट पर लॉग ऑन कर सकते हैं. तैयारी इसकी तैयारी अन्य परीक्षाओं से काफी अलग है. इसमें विद्यार्थियों को रट्टा लगाने से सफलता नहीं मिल सकती है.

डिजाइनिंग के प्रति रुझान

इसमें कामयाब होने के लिए मौलिकता की सख्त दरकार होती है. अभ्यर्थियों का डिजाइनिंग के प्रति रुझान, उसके प्रति उनकी समझ, विचारों व समस्या को सुलझाने की क्षमता को परखी जाती है. ऐसे में बेहतर करने के लिए जरूरी है कि आप जो भी बनाएं, उसे इलेस्ट्रेशन एवं शब्दों के माध्यम से समझाने की भी क्षमता रखें.

डीएटी और स्टूडियो टेस्ट के जरिये अभ्यर्थी की ऑब्जर्वेशन पावर, डिजाइन करने की काबिलियत और कुछ नया तैयार करने की क्षमताओं को परखा जाता है. ऐसे में आप जो भी डिजाइन और चित्र बनाएं, उसके रंगों के कंबिनेशन पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है. स्टूडियो टेस्ट में अभ्यर्थी को एक सवाल और उससे संबंधित कुछ सामान उपलब्ध कराया जाता है, जिसके जरिये अभ्यर्थी को उस सवाल के आधार पर सामान तैयार करना होता है. टेस्ट के तुरंत बाद एक्सपर्ट पैनल उसे देखता है और मार्किंग करता है.

छात्र भी तय करेंगे क्या हो उनका कोर्स

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है.

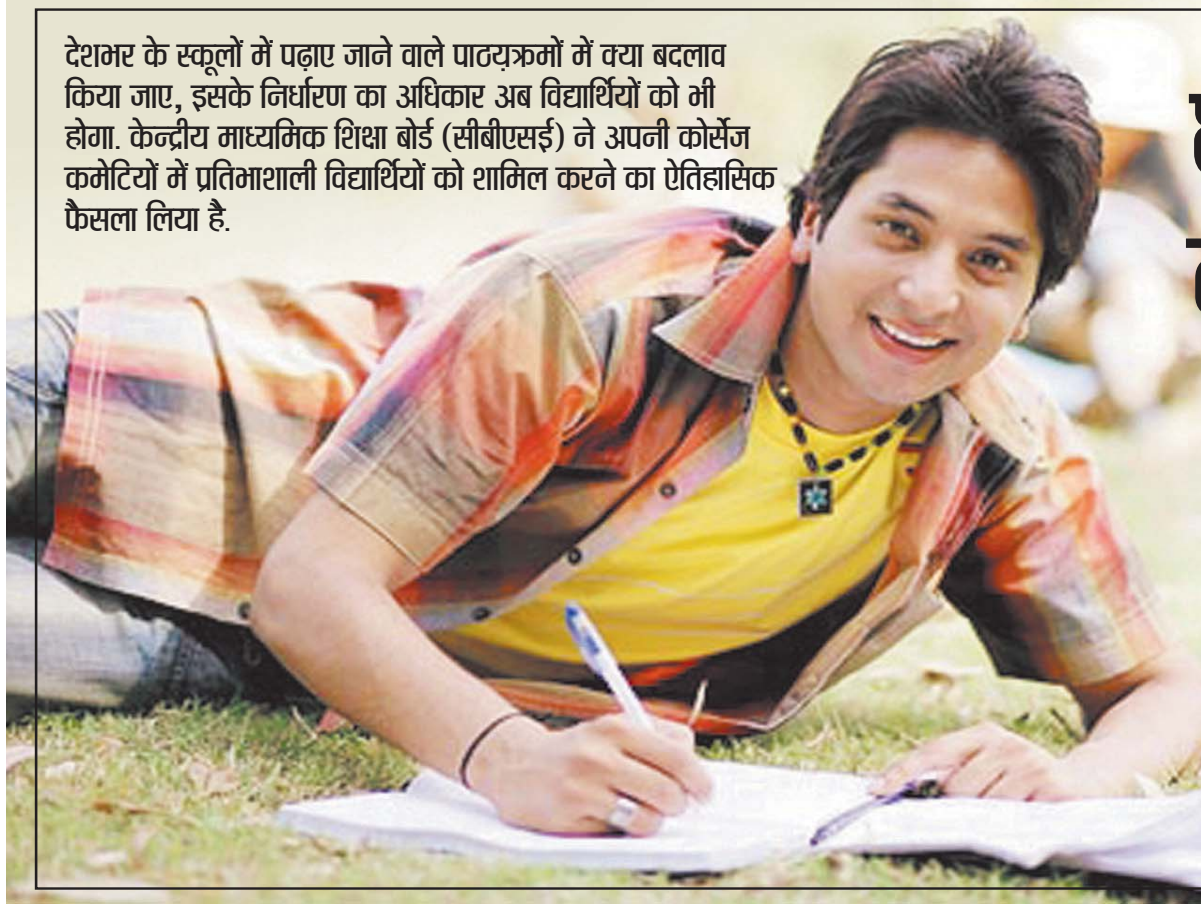

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है. 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में से कुछ चुनिंदा छात्रों को कोर्स कमेटियों में शामिल किया जाएगा. बता दें कि बोर्ड की अलग-अलग कोर्सेज की कमेटियां हैं, जिनमें वोकेशनल कोर्स कमेटियां शामिल हैं. इन कोर्स कमेटियों में परीक्षा परिणाम व बोर्ड से संबद्ध स्कूलों की सिफारिश के बाद विद्यार्थी कोर्स कमेटी का हिस्सा बन सकेंगे. बोर्ड की प्रत्येक कोर्स कमेटी में एक विद्यार्थी का चयन होगा, जिसमें विद्यार्थी कोर्स में बदलाव को लेकर अपने सुझाव दे सकेंगे.

बोर्ड के चेयरमैन विनीत जोशी का कहना है कि हम पाठ्यक्रम अधिक समावेशी और अनुप्रयोग आधारित बनाना चाहते हैं, इसीलिए कमेटी द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम में छात्रों का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होगा, हम उनकी राय को भी सुनेंगें. विद्यार्थियों की राय कोर्स को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी. बता दें कि सीबीएसई के पास व्यावसायिक विषयों सहित इसके सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोर्स कमेटियां हैं. प्रत्येक तीन साल के बाद हर कमेटी का पुनर्गठन किया जाता है. यह कमेटी विषयों से संबंधित विचारों पर वाद-विवाद और चर्चा करती है और विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी समीक्षा करती है.

इतिहास में पहली बार, सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों से विद्यार्थियों को बैठकों में हिस्सा लेने और अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा. वे विद्यार्थी जो मार्च 2012 में कक्षा 12 की परीक्षा पास कर चुके हैं, उन्हें उनके प्रदर्शन तथा स्कूलों के साथ परामर्श के आधार पर सीबीएसई द्वारा नामांकित किया जा रहा है. बोर्ड को विास है कि छात्र उम्मीदवार इसके पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय योगदान देंगे.

सीबीएसई का यह भी मानना है कि पाठ्यक्रम के निर्धारण में विद्यार्थियों का सहयोग बहुत लाभकारी साबित होगा, क्योंकि ये छात्र विषय की भावी संभावनाओं के साथ-साथ इसकी सीमाओं को भी बेहतर समझते हैं. कोर्स कमेटी में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के विशेषज्ञ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ, निजी एवं सार्वजनिक स्कूल और मौजूदा शिक्षक शामिल हैं.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 3113

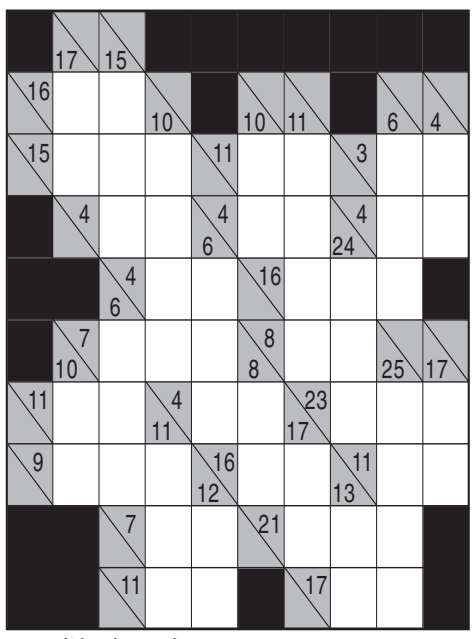

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

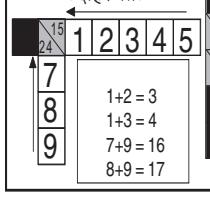

काकुरो - 3112 का हल

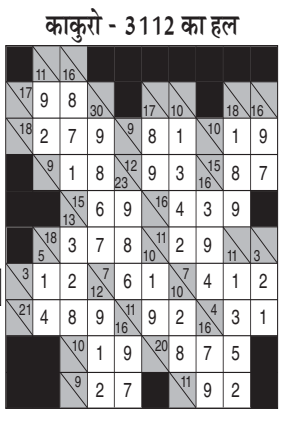

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3113

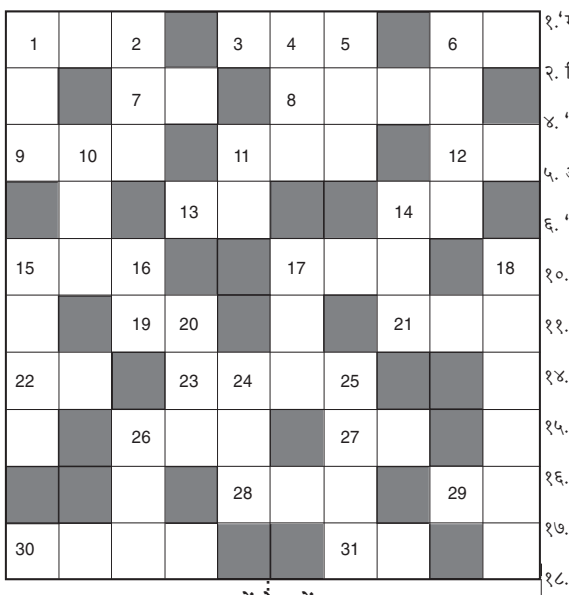

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3112

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

सूडोकु -3113

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3112 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली -3113

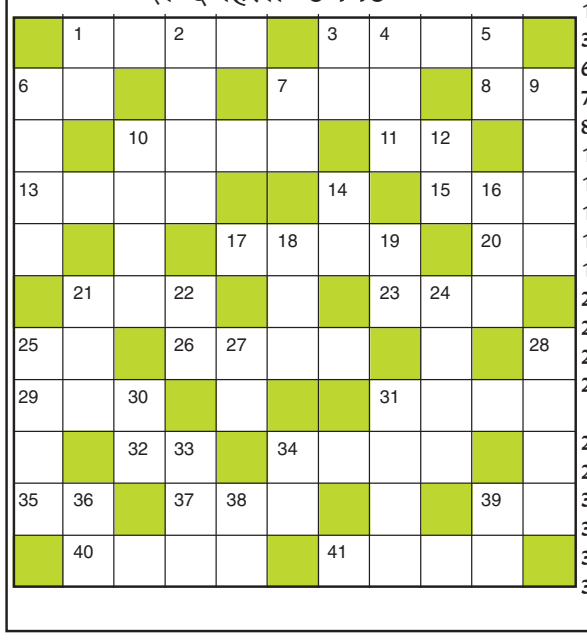

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3112 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मो	प	दे	श	क

गांगुली बोले- सिर्फ एक फॉर्मेट खेलना सही नहीं

ईशान किशन से बात करे बोर्ड लीडरशिप, पंत पर फैसला 5 मार्च के बाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने युवा क्रिकेटर्स को सभी फॉर्मेट का क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। 51 साल के पूर्व क्रिकेटर ने रेड बॉल क्रिकेट पर जोर देते हुए कहा कि मुझे ऐसा कोई कारण समझ नहीं आता कि आप एक फॉर्मेट में खेलो और दूसरे में नहीं।

दूसरी ओर, गांगुली ने ऋषभ पंत के आईपीएल खेलने पर कहा कि 5 मार्च को एनसीए फिटनेस क्लियरेंस के बाद तय होगा कि वे क्या करेंगे और क्या नहीं। हम उनके मामले में जल्दबाजी नहीं करेंगे। गांगुली इस समय दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग कैंप का हिस्सा हैं।

सरफराज को रिलीज किया, क्योंकि वे टेस्ट के अच्छे खिलाड़ी- मिनी ऑक्शन से पहले सरफराज खान को रिलीज करने के सवाल पर गांगुली कहते हैं कि सरफराज टेस्ट के अच्छे प्लेयर हैं, लेकिन टी-20 अलग तरह का खेल है। बता दें कि ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने 20 खिलाड़ी रिलीज किए थे। इनमें सरफराज खान भी शामिल हैं।

गांगुली ने ईशान किशन के बारे में उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है, जब कोई क्रिकेटर डोमेस्टिक क्रिकेट को इग्नोर कर रहा हो। इससे पहले भारतीय क्रिकेटर जब भी फ्री होते हैं, डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं। मुझे विश्वास है कि बीसीसीआई इस मामले में प्रॉपर एक्शन लेगा।

युवा रेड बॉल और वाइट बॉल दोनों क्रिकेट खेल सकते हैं। आईपीएल और फर्स्ट क्लास करियर एक साथ बन सकता है। इनका आपस में टकराव नहीं है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट आईपीएल शुरू होने से एक महीने पहले समाप्त हो जाता है। ऐसे में मुझे कोई दिक्कत समझ नहीं आती है।

कई टॉप क्लास प्लेयर जैसे- कोहली, रोहित, बुमराह, केएल राहुल या ऋषभ पंत ने टेस्ट और वाइट बॉल क्रिकेट खेला है। वर्ल्ड लेवल पर मिचेल मार्श, हैरी ब्रूक और डेविड वॉर्नर ऐसा कर रहे हैं। मेरे टाइम में सचिन, द्रविड़ और मैं खुद दोनों फॉर्मेट खेलता था। मुझे ऐसा कहने का कोई कारण समझ नहीं आता है कि आप एक फॉर्मेट में खेलो और दूसरे में नहीं।

बोर्ड की लीडरशिप को किशन से बात करनी चाहिए

भारतीय बोर्ड के सचिव जय शाह, अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सिलेक्टर्स को इशान किशन से बात करनी चाहिए कि उसने रणजी ट्रॉफी छोड़कर वाइट बॉल को तवज्जो क्यों दी? क्या यह उसका करियर ठीक तरह से बनाएगा

दिल्ली कैपिटल्स के सभी खिलाड़ियों ने मुश्ताक अली, विजय हजारे और रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया है। खलील अहमद ने लंबे समय तक पूरा सीजन खेला है।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी रॉबिन मिंज का बाइक एक्सीडेंट

दाहिने घुटने में चोट, मिनी ऑक्शन में 3.60 करोड़ में खरीदा था

रांची (एजेंसी)। झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन मिंज शनिवार को रांची में बाइक एक्सीडेंट में चोटिल हो गए। उनको दाहिने घुटने में हल्की चोट लगी है। रॉबिन को आईपीएल 2024 के लिए हुए मिनी ऑक्शन

में गुजरात टाइटंस ने 3.6 करोड़ में खरीदा था।

पिता ने एक्सीडेंट की पुष्टि की- रिपोर्ट के मुताबिक रॉबिन मिंज के पिता फ्रांसिस मिंज ने एक्सीडेंट की पुष्टि करते हुए बताया कि रॉबिन की बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई। रॉबिन को हल्की चोट आई है। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

मिंज रांची में सुपर बाइक से कहीं जा रहे थे, उसी दौरान उनकी बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई। जिसके बाद रॉबिन नियंत्रण खो बैठे और गिर गए। रॉबिन के बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं रॉबिन को दाहिने घुटने में चोट लगी है।

घरेलू क्रिकेट में 13 सौ से ज्यादा रन बना चुके हैं मिंज- वे पिछले 2 साल से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मिंज अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। वे रांची में सोनेट क्लब की ओर से खेलते हैं। वे पूर्व रणजी क्रिकेटर एसपी गौतम और आसिफ से क्रिकेट के गुर सीख रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल... दूसरा दिन

श्रेयस अय्यर पहली पारी में फेल, 8 बॉल पर 3 रन ही बना सके

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच की पहली पारी में फेल रहे। टूर्नामेंट के इस सीजन का दूसरा सेमीफाइनल मैच मुंबई और तमिलनाडु के बीच खेला जा रहा है।

रविवार को मैच के दूसरे दिन मुंबई के बैटर अय्यर 8 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें तमिलनाडु के राइट आर्म मीडियम पेसर संदीप वॉरियर ने बोल्ड किया।

मुंबई ने दूसरे दिन का दूसरा सेशन खत्म होने तक आठ विकेट के नुकसान पर 248 रन बना लिए हैं। शार्दूल ठाकुर 78 और तनुष कोटियान 18 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले मुशीर खान ने 55 रन की पारी खेली। तमिलनाडु के लिए अब तक साई किशोर ने छह विकेट लिए। वॉरियर और कुलदीप सेन को 1-1 विकेट मिला।

पहलवान संगीता ने क्रिकेटर चहल को पीठ पर घुमाया

टेलीविजन की हस्तियों ने लगाए ठहाके; झलक दिखला जा शो से एलिमिनेट हुईं फोगाट

पानीपत (एजेंसी)। टेलीविजन के प्रसिद्ध शो झलक दिखला जा की पार्टी के दौरान दिग्गज पहलवान संगीता फोगाट ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को अपनी पीठ पर उठाया और उसके बाद उन्हें घुमाया। जिसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब शेयर की गई है। इस दौरान वहां टेलीविजन की कई बड़ी हस्तियां भी मौजूद थीं, जिन्होंने यह देख खूब ठहाका लगाया। पहलवान की

पीठ पर घूमते हुए क्रिकेटर युजवेंद्र चहल खुद को नीचे उतारने के लिए संगीता से कहते हुए भी दिखाई दिए। जैसे ही उन्हें घुमाते हुए नीचे उतारा, तभी उन्होंने राहत की सांस ली।

संगीता हो चुकीं एलिमिनेट, धनेश्वरी टॉप 5 में- बता दें कि संगीता फोगाट और युजवेंद्र चहल की पत्नी धनेश्वरी वर्मा सोनी टीवी के डांस शो झलक दिखला जा में भाग ले रहे हैं। संगीता फोगाट इस कॉम्पिटिशन से एलिमिनेट हो गई हैं, जबकि धनेश्वरी टॉप 5 में शामिल हैं और इस जबरदस्त टूर्नामेंट का फाइनल एपिसोड का सोनी टीवी पर टेलीकास्ट होगा। युजवेंद्र चहल अपनी पत्नी धनेश्वरी वर्मा को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने तमाम फैंस से यह गुजारिश की है कि वो अपना वोट धनेश्वरी को ही दें।

ऑस्ट्रेलिया ने 172 रन से जीता वेलिंगटन टेस्ट

दूसरी पारी में न्यूजीलैंड 196 पर ऑलआउट, कैमरन ग्रीन प्लेयर ऑफ द मैच

वेलिंगटन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 172 रन से हरा दिया। 369 रन के टारगेट के सामने न्यूजीलैंड चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 196 रन ही बना सका। पहली पारी में 174 रन की नॉटआउट पारी खेलने वाले कैमरन ग्रीन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 383 और न्यूजीलैंड ने 179 रन बनाए थे। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 164 रन पर सिमटा लेकिन कीवी टीम भी 196 रन ही बना सकी। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व पार्क स्टेडियम में पहला मुकाबला जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा टेस्ट 8 मार्च से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की हार के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर पहुंच चुका है। न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर पहुंच गया और ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर बरकरार है।

चौथे दिन टिक नहीं सकी होम टीम

न्यूजीलैंड ने चौथे दिन 111/3 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई। टीम से रचिन रवींद्र ने 56 और डेरिल मिचेल ने 12 रन बनाकर अपनी पारी आगे बढ़ाई। रचिन 59 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गए। उनके बाद तो टीम को 2 लगातार झटके और लग गए। ग्लेन फिलिप्स ने एक रन बनाया और टॉम ब्लंडेल तो खाता भी नहीं खोल सके।

डेरिल मिचेल ने स्कॉट कुगलेइन के साथ टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। कुगलेइन 26 रन बनाकर आउट हुए, उनके बाद मैट हेनरी 14 और टिम साउदी 7 ही रन बना सके। आखिर में मिचेल 130 बॉल में 38 रन बनाकर आउट हुए और टीम 196 रन पर सिमट गई। रचिन रवींद्र चौथे दिन ज्यादा देर नहीं टिक सके और न्यूजीलैंड टीम बैकफुट पर पहुंच गई।

लायन को 6 विकेट

वेलिंगटन पिच को समझने में दोनों ही टीमों ने गलती की और एक्स्ट्रा पेसर को मौका दिया। पिच पर दूसरे ही दिन से टर्न देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया से पहली पारी में 4 विकेट लेने वाले नाथन लायन ने दूसरी पारी में 6 विकेट झटक लिए। पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर ट्रैविस हेड को भी एक सफलता मिल गई। एक विकेट कैमरन ग्रीन ने लिया, वहीं 2 सफलताएं जोश हेजलवुड को भी मिलीं।

डब्ल्यूटीसी में टॉप पर पहुंची टीम इंडिया

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ न्यूजीलैंड को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में भी नुकसान हुआ। टीम के अब तीसरी सीरीज में 60प्रतिशत पॉइंट्स हो गए। जबकि टीम इंडिया के 64.58त्न पॉइंट्स हैं। भारत को अब 7 मार्च से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलना है। इसे जीतकर टीम टॉप पर अपनी पोजिशन मजबूत कर सकती है। दूसरी ओर, डब्ल्यूटीसी की डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टीम न्यूजीलैंड को हराकर तीसरे स्थान पर पहुंची है। टीम चौथी टेस्ट सीरीज खेल रही है और उनके 59.09प्रतिशत पॉइंट्स हो गए।

तीसरे दिन ग्लेन फिलिप्स को 5 विकेट

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया अपनी दूसरी पारी में 164 रन ही बना सका। न्यूजीलैंड से ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स ने 5 विकेट लिए। केन विलियमसन पहली पारी में 0 और दूसरी पारी में 9 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 111 रन बना लिए। टीम को 369 रन का टारगेट मिला।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंचा भारत

लगातार तीसरी बार फाइनल खेलने की उम्मीद बढ़ी; ऑस्ट्रेलिया से हो सकता है सामना

दुबई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट का फाइनल देखने को मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट में हार के बाद न्यूजीलैंड वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर आ गया। इससे टीम इंडिया पहले नंबर पर आ गई। ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है।

भारत को अब घर में 2 सीरीज खेलनी है, जहां टीम पिछले 12 साल से कोई सीरीज नहीं हारी। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड में 31 साल हार नहीं मिली। कंगारुओं को इसके बाद भारत और श्रीलंका से खेलना है, एक भी सीरीज जीतने पर टीम फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएगी। अगर इसी तरह आगे के मैच भी चले तो ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ही डब्ल्यूटीसी का फाइनल होगा। मुकाबला जून 2025 में होना है।

न्यूजीलैंड की हार से भारत को फायदा हुआ- ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच न्यूजीलैंड में 2 टेस्ट की सीरीज खेली जा रही है। वेलिंगटन में पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया, इसी के साथ न्यूजीलैंड पहले से खिसकर दूसरे नंबर पर पहुंच गई। टीम के 60.00 प्रतिशत पॉइंट्स हो गए, भारत 64.58प्रतिशत पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर है।

ऑस्ट्रेलिया 59.09प्रतिशत पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज का आखिरी मैच जीतकर नंबर-2 पर पहुंच सकती है।

65प्रतिशत से ज्यादा पॉइंट्स फाइनल के जरूरी

2021 में आईसीसी ने पहली बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल करवाया। तब 70.00 प्रतिशत पॉइंट्स वाली न्यूजीलैंड और 72.2प्रतिशत पॉइंट्स वाली टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई थी। 2023 में 66.67प्रतिशत पॉइंट्स वाली ऑस्ट्रेलिया और 58.80प्रतिशत पॉइंट्स वाली टीम इंडिया के बीच फाइनल हुआ था।

इस बार भी कोई 2 ही टीमें सारी सीरीज खत्म होने पर 65त्न से ज्यादा पॉइंट्स हासिल कर पाएंगी। अभी की सिचुएशन में भारत और ऑस्ट्रेलिया यहां तक पहुंचते नजर आ रहे हैं, इसलिए इन दोनों के बीच फाइनल होने के चांस भी ज्यादा हैं।

घर में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से खेलेगा भारत

टीम इंडिया फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा डब्ल्यूटीसी में पहली होम टेस्ट सीरीज खेल रही है। 5 टेस्ट की सीरीज में टीम 3-1 से आगे है। आखिरी मैच जीतकर टीम 68.52प्रतिशत पॉइंट्स के साथ टॉप पर अपनी पोजिशन मजबूत कर सकती है।

टीम इंडिया ने विदेश में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 में से 2 टेस्ट जीते, जबकि एक ही मुकाबला गंवाया और एक मैच टीम ने ड्रॉ खेला। भारत को अब घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। घर में पिछली 17 सीरीज जीत चुकी टीम इंडिया से ये 2 सीरीज भी जीतने की उम्मीद है।

अगर भारत घर में दोनों सीरीज जीता तो साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया से 5 टेस्ट की सीरीज हारकर भी टॉप पर रह सकता है। हालांकि भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारा। टीम ने कंगारुओं को उन्हीं के घर में 2 बार और अपने घर में भी 2 बार हराया है।

दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को बॉब जोन्स पुरस्कार

फार हिल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को अमेरिकी गोल्फ एसोसिएशन (यूएसजीए) के सर्वोच्च सम्मान बॉब जोन्स पुरस्कार के लिए चुना गया है। वुड्स ने पीजीए टूर में अपने करियर में 82 जीत हासिल की, जिनमें 15 मेजर खिताब भी शामिल हैं। वुड्स 9 बार के यूएसजीए चैंपियन हैं। वुड्स को 2022 में विश्व गोल्फ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। उन्हें 2019 में डोनाल्ड ट्रम्प से प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम सम्मान मिला था।

सनराइजर्स के बॉलिंग कोच बने जेम्स फ्रैंकलिन

डेल स्टेन की जगह लेंगे; मार्करम की जगह पैट कमिंस बन सकते हैं नए कप्तान

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के नए कोच होंगे। वह साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन की जगह लेंगे। स्टेन ने निजी कारणों के चलते टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सनराइजर्स टीम अपना कप्तान भी बदल सकती है। साउथ अफ्रीका के ऐडन मार्करम की जगह ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नए कप्तान बन सकते हैं।

मुंबई इंडियंस से आईपीएल खेल चुके हैं फ्रैंकलिन- जेम्स फ्रैंकलिन ने 2011 और 2012 में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में

हिस्सा लिया था। वह आईपीएल में पहली बार कोचिंग करते नजर आएंगे। फ्रैंकलिन अपने ही देश के पूर्व स्पिनर डेनियन विटोरी के साथ काम करेंगे। विटोरी इस सीजन के लिए हैदराबाद के नए हेड कोच बनाए गए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा की जगह ली।

फ्रैंकलिन और विटोरी इससे पहले काउंटी टीम मिडलसेक्स और द हंड्रेड की टीम बर्मिंघम फीनिक्स में भी साथ काम कर चुके हैं। फ्रैंकलिन डरहम के हेड कोच भी रह चुके हैं, वह फिलहाल पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाइटेड टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सिन्हा

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि सरकार सभी को बेहतर स्वास्थ्य मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उनका प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में लोगों को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने पुंछ और राजौरी में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर के समापन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सेहत योजना के तहत प्रशासन ने इस साल जनवरी के पहले सप्ताह तक नागरिकों के इलाज पर कुल 1,735 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उपराज्यपाल ने सर्जिकल उपचार विकल्पों की पूरी श्रृंखला प्रदान करने और सप्ताह भर के स्वास्थ्य शिविर के दौरान इन सीमावर्ती जिलों में 600 से अधिक सर्जरी करने में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रशिक्षित विशेषज्ञों के योगदान की जमकर सराहना भी की। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, हमने केंद्र शासित प्रदेश में लोगों तक पहुंचने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर को पाटने में बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, डिजिटल हस्तक्षेप और चिकित्सा शिक्षा और महत्वपूर्ण देखभाल के क्षेत्र में शुरू किए गए सुधारों ने जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है। सिन्हा ने कहा ?कि हमने चार महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें चिकित्सक, दवाएं, निदान और वितरण तंत्र शामिल हैं।

प्रश्नपत्र लीक मामले में कॉलेज की मान्यता समाप्त, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ । यूपी के आगरा में राज्य बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा के गणित और जीव विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र लीक मामले में कॉलेज की मान्यता समाप्त कर दी गई है, जब ?कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में मुख्य आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर विनय चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं अतर सिंह इंटर कॉलेज की मान्यता समाप्त कर दी गयी। हालांकि बोर्ड की शेष परीक्षाएं इसी केंद्र पर होंगी और नये केंद्र व अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा केंद्र पर तैनात कर दिये गये हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि आगरा जिले के परीक्षा केंद्र अतर सिंह इंटर कॉलेज से बृहस्पतिवार को प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आई थीं हालांकि इसका परीक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक में विद्यालय की मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया। सचिव शुक्ल ने बताया कि बैठक में स्पष्ट किया गया कि अगक कोई विद्यालय प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग करने का प्रयास करता है तो उसकी मान्यता तत्काल समाप्त कर दी जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के सभी विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अलावा कोई अन्य व्यक्ति मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के संचार उपकरण का प्रयोग नहीं करेगा। प्रश्नपत्र लीक मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति भी गठित कर दी गयी है, जो जांच करेगी।

उत्तराखंड : हिमालयी क्षेत्रों ने ओढ़ी बर्फ की चादर, बारिश और बर्फबारी जारी

देहरादून। हिमालय की चोटियों पर शुरू हुई बर्फबारी का क्रम रविवार को भी जारी रहा। चारधाम धाम, हेमकुंड,चकराता समेत उच्च हिमालयी क्षेत्रों ने बर्फ की मोटी चादरें ओढ़ ली हैं। देहरादून व मसूरी सहित निचले पहाड़ी इलाकों में भी रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। बर्फबारी और बारिश से राज्य में एक बार फिर ठंडक लौट आई है। मौसम विभाग की ओर से 05 जनपदों में आज के लिए भारी बर्फबारी की संभावना जतायी गयी है, जबकि 04 मार्च (सोमवार) से मौसम साफ रहने के आसार हैं। प्रदेश में बर्फबारी और बारिश के चलते 05 राष्ट्रीय राजमार्ग और दो बॉर्डर मार्ग बाधित हैं, जिन्हें खोलने कार्य जारी है। जनपद देहरादून में रात्रि से लेकर रविवार को रुक-रुक तेज बारिश की बौछारें गिर रही हैं। रविवार को अवकाश का दिन होने के बावजूद लोग सुबह से घरों से बाहर नहीं निकले। देहरादून के डोईवाला, ऋषिकेश, विकासनगर, कालसी, त्यूनी और उप तहसील मसूरी में हल्की बारिश हो रही है। केदारनाथ धाम में ढाई फीट से अधिक बर्फ जम गई है। धाम में पिछले एक सप्ताह से बर्फबारी का दौर रविवार को भी जारी रहा। केदारनाथ धाम के साथ ही पवालीकांठा, मध्यमेश्वर, तुंगनाथ, चोपता, चंद्रशिला आदि क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। चमोली में बद्रीनाथ धाम,उत्तरकाशी में बर्फबारी और बारिश हो रही है। कुमाऊं के बागेश्वर जिले और अल्मोड़ा मद हल्की बारिश और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। ग्रामीण इलाकों में काश्तकार वर्षा होने से खुश हैं। 3,000 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। लगातार हो रही बर्फबारी के बाद चमोली के औली, हर्षिल, गौरसों, चोपता, तुंगनाथ आदि स्थलों पर पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। मौसम विभाग की ओर से रविवार को जारी पूर्वानुमान में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली,पिथौरागढ़, बागेश्वर जनपदों में 3000 हजार व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं कहीं भारी बर्फबारी की संभावना है।

स्टीम पास्ट के साथ खत्म हुआ भारत-मलेशिया का द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण'

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के जहाज किल्टन और रॉयल मलेशियाई नौसेना जहाज केडी लेकिर ने द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' के समुद्री चरण के दौरान विभिन्न समुद्री अभियान चलाए। भारत-मलेशिया द्विपक्षीय अभ्यास के समुद्री चरण का समापन पारंपरिक स्टीम पास्ट के साथ हुआ। अभ्यास में तोपखाना फायरिंग, नाविक विकास, समुद्री नौकाएं, हेलीकॉप्टर और समुद्री गश्ती विमान संचालन शामिल थे। भारत-मलेशिया द्विपक्षीय अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' 28 फरवरी को विशाखापत्तनम में शुरू हुआ था, जो 02 मार्च तक चला। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस किल्टन और रॉयल मलेशियाई नौसेना के जहाज केडी लेकिर ने इस अभ्यास के तीसरे संस्करण में भाग लिया। समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन चरण के बाद पेशेवर बातचीत भी हुई। बंदरगाह चरण में पेशेवर बातचीत, आपसी हित के विषयों पर विषय विशेषज्ञ का आदान-प्रदान, खेल कार्यक्रम और अन्य बातचीत शामिल रही। इन बातचीत का उद्देश्य ज्ञान के आधार को बढ़ाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और समुद्री पहलुओं पर सहयोग को आगे बढ़ाना था। समुद्री चरण के दौरान भारत और मलेशिया के जहाजों ने संयुक्त रूप से समुद्र में विभिन्न अभियानों का संचालन करते हुए कौशल को निखारने का प्रयास किया। इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय और रॉयल मलेशियाई नौसेना के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ ही अंतर संचालनीयता बढ़ाना रहा। दोनों जहाजों ने 'समुद्र लक्ष्मण' अभ्यास के समुद्री चरण के दौरान विभिन्न समुद्री अभियान चलाए, जिसमें तोपखाना फायरिंग, नाविक विकास, समुद्री नौकाएं, हेलीकॉप्टर और समुद्री गश्ती विमान संचालन शामिल थे। समुद्री चरण का समापन पारंपरिक स्टीम पास्ट के साथ हुआ।

लोकसभा टिकट को लेकर साध्वी प्रज्ञा की दो टूक, न मांगा था, न मांगूगी

भोपाल । सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने टिकट कटने पर अपनी प्रतिक्रया देते हुए कहा है कि मैंने न कभी टिकिट मांगा था, और न ही मांगूंगी। दरअसल भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 195 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इस लिस्ट में मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 24 पर प्रत्याशी घोषित किए हैं, जबकि 5 सीटों को अभी भी होल्ड पर रखा है। इस दौरान बीजेपी ने छह सीटों पर मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं, जिसमें भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का नाम भी शामिल है। इस पर अब उनकी प्र ?तिक्रिया सामने आई है। बीजेपी नेता और भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि 'मैनें साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी टिकट नहीं मांगा था। अब भी नहीं मांगूंगी, मुझे टिकट कटने का अफसोस नहीं है। मेरा लक्ष्य भारत को विश्वगुरू बनाना है।' गौरतलब है कि इस बार बीजेपी ने साध्वी प्रज्ञा की जगह आलोक शर्मा को टिकिट दिया है। इस पर साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि भोपाल में अब आलोक शर्मा का स्वागत है। उन्हें विजय का आशीर्वाद देती हूं। भोपाल में काम करने का बहुत स्कोप है।

परिवार ही नहीं, फिर क्यों परिवार की बातें करते हैं मोदी : लालू प्रसाद

-पटना की रैली में नीतीश कुमार को बताया पलटूराम, अब आए तो मिलेगा धक्का

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी को खरीखरी सुनाई। उन्होंने कहा कि जब परिवार ही नहीं है तो फिर क्यों मोदी परिवार की बातें करते हैं। यहां तक कि वह तो हिंदू भी नहीं है। लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को पलटूराम बताते हुए कहा कि अब यदि वापस आए तो यहां से भी तगड़ा धक्का पड़ेगा। बता दें कि पटना में महागठबंधन की बड़ी रैली चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव यहां सभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी आजकल परिवारवाद का जिक्र कर रहे हैं। आपके पास परिवार नहीं है। आप हिंदू भी नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी निशाने पर लिया और उन्हें पलटूराम बताया। लालू यादव ने कहा, मोदी कोई चीज है क्या है। ये आजकल परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं। कहते हैं कि लोग परिवार के लिए लड़ रहे हैं। आपके पास परिवार नहीं है। आपकी माता जी का जब देहांत हो गया तो हर हिंदू अपनी मां के शोक में बाल-दाढ़ी छिलवाता है। आप बताओ आपने क्यों नहीं छिलावाया? वह तो राम-

रहीम के बंदों में, देश में नफरत फैला रहे हैं।

राजद प्रमुख लालू यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर कहा कि उन्हें हमने कोई गाली-गलौज नहीं दिया। वह पहली बार भी जब निकले थे तो हमने गाली नहीं दिया, बस हमने यही कहा कि वह पलटूराम हैं। नहीं पलटना चाहिए था लेकिन दोबारा हमसे गलती हो गई। तेजस्वी से गलती हो गई। नरेंद्र मोदी के पैरों के नीचे चले गए, दोबारा पलट गए। लालू यादव ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को नेस्तनाबूद कर देंगे। तेजस्वी को मालूम हो गया था कि राज्यपाल ने नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की फोन पर बात करवाई थी। सरकार में कोई गलत काम नहीं हुआ। नीतीश कुमार को पता नहीं क्या लगा, अब फिर इधर लौटकर आने की हिम्मत करेंगे तो अब यहां से बढ़िया से धक्का मिलेगा।

रैली में पूर्व सीएम लालू यादव ने कहा कि टीवी में देखता हूं कोई माला पहना रहा है, कोई फूल पहना रहा है, शर्म नहीं आती है क्या नीतीश कुमार को ये सब देखकर? देख रहे हैं कि उनका शरीर भी काम नहीं कर रहा है लालू यादव ने कहा, तेजस्वी यादव तरफ घूम रहा है। बहुत मेहनत कर रहा है। 1990 से पिछड़ा वर्ग को वोट देने का भी अधिकार नहीं था। मैंने उन्हें शक्ति दी। लोगों के पास चापा कल नहीं हुआ करता थे, पिछड़े लोगों को कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता था। अब वो ही सत्ता के गलियारे में खड़े हैं। बिहार जो चुनता है देश उसी को फॉलो करता है। तेजस्वी बहुत मेहनत कर रहा है। उसने बेरोजगारों को नौकरी से लगा दिया।

वो बिहार को ठगने आए हैं संभलकर रहना ठगकर चले जाएंगे

पटना। बिहार के औरंगाबाद और बेगूसराय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभाएं की। यहां भारी संख्या में भीड़ जुटी और प्रधानमंत्री को लोगों ने सुना। उनकी गारंटी को भी समझा। यहां तक की राज्य के मुख्यमत्री नीतीश कुमार ने यहां तक कहा कि हम इधर उधर होने वाले नहीं हैं। आप बिहार में जमकर विकास कीजिए। हम आपके साथ हमेशा रहेगा। मंच से इस तरह के बयानों ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने इस पर तंज कसा है। उन्होंने बिहार की जनता से आव्हान करते हुए कहा कि आपको संभलकर रहने की जरुरत है। एक बार फिर बिहार को ठगने की तैयारी चल रही है। जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर इसे लेकर नीतीश कुमार पर बड़ा तंज कसा है। पीके ने कहा है कि गठबंधन बनाकर बिहार की जनता को फिर से ठगने का उपाय कर रहे हैं। शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी की बिहार के औरंगाबाद और बेगूसराय में जनसभा थी जिसे पीएम के साथ बिहार सीएम ने संबोधित किया। प्रशांत किशोर ने बयान जारी कर कहा कि जो थोड़ी बहुत राजनीति की समझ है उसके आधार पर एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि बिहार में गठबंधन बनाकर फिर से जनता को ठगने का उपाय किया जा रहा है। 2015 में बिहार के लोगों ने नीतीश कुमार को महागठबंधन के पक्ष में वोट दिया था। 2017 में यह आदमी लोगों को ठगकर भाग गया। बिहार के आप लोग इनको वोट कीजिएगा फिर आपको ठग कर भाग जाएंगे यह लिख कर रख लीजिए। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार लगभग 20 महीने के अंतराल के बाद शनिवार को बीजेपी की जनसभा के दौरान एक मंच पर दिखे। इस मौके पर जेडीयू अध्यक्ष ने नरेंद्र मोदी से बड़ा वादा किया। बिहार सीएम ने कहा कि अब इधर-उधर नहीं जाएंगे परमानेंटली आपके साथ ही रहेंगे।

तेलंगाना सरकार भूखंड के साथ 5 लाख की राशि घर बनाने के लिए देगी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार 11 मार्च को गरीबों के लिए शानदार योजना लागू करने जा रही है। इस योजना के तहत जिन गरीबों के पास मकान नहीं हैं उन्हे भूखंड और 5 लाख रुपए दिए जाएंगे। जबकि जिनके पास भूखंड पहले से हैं उन्हे मकान बनाने के लिए 5 लाख रुपए देने की योजना है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को यह निर्णय लिया और अधिकारियों को लॉन्च के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, छह गारंटियों के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में सरकार महत्वाकांक्षी आवास योजना को एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम के रूप में लेगी। उन्होंने आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के साथ आवास योजना के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एक समीक्षा बैठक की।

मुख्य सचिव शांति कुमारी, आर एंड बी सचिव श्रीनिवास राजू और अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन सभी पात्र गरीबों को आवास योजना का लाभ देने का निर्देश दिया, जिनके पास अपना घर नहीं है। अधिकारियों को तदनुसार दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रजा पालन में आवेदन जमा करने वाले सभी पात्र लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे डबल बेडरूम घरों के निर्माण में पिछली सरकार द्वारा की गई गलतियों को न दोहराएं और यह सुनिश्चित करें कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही लाभ मिले।

बैठक में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 3,500 घर देने का एक अस्थायी निर्णय लिया गया। सीएम ने उम्मीद जताई कि बेघर गरीबों का अपने घर का सपना चरणबद्ध तरीके से पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चरणबद्ध तरीके से धनराशि जारी करने के लिए नियम और दिशानिर्देश तैयार करने के

निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि लाभार्थियों को मिलने वाली धनराशि के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जो लोग अपने प्लॉट पर घर बना रहे हैं, उनके लिए विभिन्न प्रकार के घर के मॉडल और डिजाइन उपलब्ध कराए जाएं।

टिकट कटा तो याद आया क्लिनिक

-हर्षवर्धन ने कहा, कृष्णानगर क्लिनिक मेरा कर रहा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए यहां अपने कैंडिडेट लिस्ट को जारी ही किया था कि अब एक ओर जहां उनके नेता चुनाव नहीं लड़ने की बात कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ जिन्हें टिकट नहीं मिला वो न सिर्फ पार्टी छोड़ने बल्कि राजनीति से ही दूरी बनाने की बात कहते दिख रहे हैं। यह सिलसिला तब शुरु हुआ जब गौतम गंभीर और जयंत सिन्हा ने सूची जारी होने से पहले ही खुद को सक्रिय राजनीति से अलग करने का बयान दे दिया था। अब जबकि सूची जारी हो चुकी है तो डॉ. हर्षवर्धन ने खुद को सक्रिय राजनीति से अलग करने का ऐलान कर दिया है। यहां बतलाते चलें कि बीजेपी ने जो टिकटों की घोषणा की है उनमें डॉ. हर्षवर्धन का टिकट कट चुका है और ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखी और खुद को राजनीति से दूर करते हुए कृष्णानगर क्लिनिक में जाने का ऐलान कर दिया है।

गौरतलब है कि हर्षवर्धन चांदनी चौक लोकसभा सीट से वर्तमान में सांसद हैं, और इस बार पार्टी ने उन्हें चुनाव मैदान में उतारना मुनासिब नहीं समझा है। लोकसभा चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए बीजेपी ने उनकी जगह प्रवीण खंडेलवाल को चांदनी चौक से टिकट दे दिया है। इससे दुःखी हर्षवर्धन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि तीस साल से अधिक के शानदार राजनीतिक कैरियर में मैंने सभी पांच विधानसभा

और दो संसदीय चुनाव लड़े, जो मैंने बड़े अंतर से जीते और पार्टी संगठन व राज्य और केंद्र की सरकारों में कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया है। अब मैं अपनी जड़ों की तरफ वापसी के लिए अनुमति चाहता हूं। इस पोस्ट में उन्होंने अपने माझी को याद किया और तमाम उपलब्धियां भी गिना दी हैं। उन्होंने लिखा कि 50 साल पहले जब मैंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की इच्छा के साथ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एमबीबीएस में प्रवेश लिया तो मानव जाति की सेवा ही मेरा आदर्श वाक्य था। हृदय से मैं एक स्वयंसेवक बनकर, हमेशा कतार के अंतिम व्यक्ति की सेवा करने की कोशिश करता रहा हूं। इस तरह दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को मैं मानने वाला रहा हूं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वो आरएसएस के कहने पर राजनीति में सक्रिय हुए थे, दरअसल वो लिखते हैं कि तत्कालीन आरएसएस नेतृत्व के आग्रह पर मैं चुनावी मैदान में आया। वे मुझे महज इसलिए मना सके क्योंकि मेरे लिए तो राजनीति का मतलब, हमारे तीन मुख्य शत्रुओं - गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ने का बेहतर अवसर था। उन्होंने कोविड काल की सेवा का भी जिक्र किया है।

त्रिपुरा समझौता शांति स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : माणिक साहा

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए किया गया समझौता शांति एवं समृद्धि हासिल करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शनिवार को टिपरा मोथा, त्रिपुरा सरकार एवं केंद्र सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। साहा ने कहा, 'यह त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इस दिन शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।' एक आधिकारिक बयान के अनुसार समझौते के तहत, त्रिपुरा के मूल लोगों के इतिहास, भूमि एवं राजनीतिक अधिकारों, आर्थिक विकास, पहचान, संस्कृति और भाषा से संबंधित सभी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर सहमति व्यक्त की गई। शाह ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर करके सरकार ने इतिहास का सम्मान किया है, पिछली गलतियों को सुधारा है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए वर्तमान वास्तविकता को स्वीकार किया है। साहा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'टिपरा मोथा पिछले कुछ महीनों से कुछ मुद्दे उठा रहा है। आज हुआ समझौता विपक्षी दल की चिंताओं को दूर करेगा।' उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने पर ध्यान दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में क्षेत्र के विभिन्न संगठनों के साथ केंद्र ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। त्रिपुरा स्वदेशी प्रगतिशील क्षेत्रीय गठबंधन को टिपरा मोथा के नाम से जाना जाता है। टिपरा मोथा, राज्य और केंद्र सरकारों के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर यहां नॉर्थ ब्लॉक में हस्ताक्षर किए गए।

मोदी की कश्मीर यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात मार्च को यहां बख्शी स्टेडियम में सुचारू रैली सुनिश्चित करने के लिए पूरे कश्मीर में विशेष रूप से ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। श्री मोदी के दौरे के मद्देनजर पूरे श्रीनगर में 'हाई अलर्ट' घोषित कर दिया गया है जबकि पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां रैली को सुचारू बनाने के लिए करीबी तालमेल सुनिश्चित कर रही हैं। बख्शी स्टेडियम हालांकि, आम जनता के लिए खुला रहेगा, लेकिन शहर भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है जबकि सोमवार से तलाशी में तेजी आ सकती है। एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रधानमंत्री बख्शी स्टेडियम में एक रैली को संबोधित करेंगे और एक सुचारू रैली सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा,÷योजना के मुताबिक पुलिस और सीआरपीएफ की तैनाती होगी।' उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल की हवाई निगरानी की जाएगी और कार्यक्रम स्थल के आसपास के कुछ हिस्से ड्रोन निगरानी में भी रहेंगे। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद श्री मोदी की यह पहली कश्मीर यात्रा होगी। उन्होंने फरवरी 2019 में कश्मीर का दौरा किया था। श्री मोदी ने हाल ही में 20 फरवरी को जम्मू का दौरा किया और 32000 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

भाजपा ने पहली सूची में ही अपनी हार मान ली

-बीजेपी द्वारा लोकसभा प्रत्याशियों के ऐलान पर सपा प्रमुख ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवारों की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहली सूची में ही अपनी हार मान ली है। गौरतलब है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को पीएम नरेन्द्र मोदी समेत देश के 195 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जिसमें उत्तर प्रदेश के 51 उम्मीदवार शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि भाजपा की लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची बता रही है कि प्रथम

दृष्टया जिन सीटों पर भाजपा के जीतने की थोड़ी सी भी संभावना है केवल उन 195 सीटों पर ही ये सूची आई है। यादव ने दावा किया कि इसका मतलब साफ है बाकी पर भाजपा साफ है। पूर्व सीएम ने कहा कि पहली सूची में ही भाजपा ने अपनी हार मान ली है क्योंकि वो बगावत के डर से उन लोगों को भी दुबारा उम्मीदवार बना रही है जो अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में कोई काम नहीं करवाने या फिर भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण खुद ही चुनाव से दूर हैं।

अखिलेश यादव ने इसी पोस्ट में सवाल उठाते हुए कहा कि जो बोरिया-बिस्तर बांध कर निकलना चाहते थे उन्हें दुबारा दबाव बनाकर लड़ने के लिए कहा जा रहा है। ये अनमने लोग क्या विपक्ष का सामना करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच भी इस सूची के आने से गहरी हताशा आ गई है क्योंकि वो जनता के बीच अपने अधिकांश सांसदों के खिलाफ चल रही हवा से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि जो युवा भाजपाई टिकट की उम्मीद में भाजपा के हर गलत काम में साथ दे रहे थे, वो भी निराश होकर, आगे निष्क्रिय हो जाएंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की उम्मीदवारों की सूची भाजपा की नाउम्मीदगी की घोषणा भर है।

एनसीपी -शिवसेना में टूट के बाद महाराष्ट्र की तस्वीर बदली

-सीट शेयरिंग में भाजपा अपनाएगी जीत की संभावना का फार्मूला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र में भी सीट शेयरिंग में जीत की संभावना का फार्मूला अपनाएगी। फिलहाल लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा कर दी है, लेकिन महाराष्ट्र को लेकर तस्वीर अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। एनडीए एवं विपक्षी गठबंधन दोनों का मानना है कि लोकसभा में यूपी के बाद सर्वाधिक संख्या में सांसद भेजने वाले महाराष्ट्र में सीट आवंटन का एक मात्र फार्मूला जीत की संभावना है। महाराष्ट्र में 2019 के बाद से कई बार राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है। वर्ष 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भाजपा के साथ अपने पुराने गठबंधन को तोड़ दिया था फिर शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को भी दलों में विभाजन का सामना करना पड़ा। शिवसेना के अधिकतर विधायक अब सीएम एकनाथ शिंदे के साथ हैं जिन्होंने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया हैं। वहीं अजित पवार भी अपने समर्थक पार्टी विधायकों के साथ पिछले साल शरद पवार नीत एनसीपी से अलग होकर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गए। सूत्रों की मानें तो दलों के विभाजन के बाद समीकरण बदलने से सीटों का बंटवारा मुश्किल हो गया है।

बता दें कि भाजपा ने तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के साथ मिलकर 2019 में 41 सीट पर जीत हासिल की थी और इस बार भाजपा ने अपने राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 45 सीट जिताने का लक्ष्य रखा है जबकि विपक्षी कांग्रेस 2019 का प्रदर्शन नहीं दोहराना चाहेगी जब उसे मात्र एक सीट पर जीत मिली थी। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीट बंटवारे के मामले पर केंद्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा की जा रही है। विपक्षी गठबंधन 'महा विकास आघाडी' में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी का शरद पवार नीत धड़ा और कांग्रेस शामिल हैं। विपक्षी गठबंधन प्रकाश आंबेडकर नीत वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) को लुभाने की कोशिश कर रहा है लेकिन बाबा साहेब के पौत्र ने इस बारे में अभी तक कोई घोषणा नहीं की है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा के 30 से अधिक सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना है,

जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 10 सीट की मांग की हैं लेकिन उसे चार सीट मिलने की संभावना है। वहीं शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी 18 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वर्ष 2019 के चुनावों में अविभाजित शिवसेना ने 18 सीट पर ही जीत हासिल की थी। इधर अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने कहा कि उनकी पार्टी पुणे की बारामती सहित 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सीटों के आवंटन पर कहा कि एमवीए ने वार्ता पूरी कर ली है और घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व जल्द ही इस संबंध में घोषणा करेगा।

नही बुझ पाई सबसे बड़ी जंगल की आग, दो की मौत सैकड़ों घर तबाह

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य के जंगल में लगी आग को बुझाने में दमकलकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अग्निशामकों को राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग को पैनहैंडल शहर के बड़े हिस्से में फैलने से रोकने के लिए शनिवार को बढ़ते तापमान और तेज हवाओं जैसी कठिन मौसमी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। 'स्मोकहाउस क्रीक आग' को टेक्सास के इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग बताया है। जंगल में आग सोमवार को लगी लेकिन अभी इसके कारणों का पता नहीं चला है। बाद में यह आब टेक्सास के कैनेडियन शहर के आसपास भी फैल गई। बुधवार तक आग पैनहैंडल में बड़े पैमाने पर खेतों तक फैल गई थी और बृहस्पतिवार तक यह राज्य की सबसे भीषण आग में तब्दील हो गई। हालां?कि आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। टीम के प्रवक्ता जेसन नेडलो ने बताया कि दमकलकर्मियों का लक्ष्य उत्तरी और पूर्वी सीमा पर आग पर काबू पाना है क्योंकि दक्षिण-पश्चिम से चल रही तेज हवाओं से आग की लपटों के कई एकड़ जमीन में फैलने का खतरा है। आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई है। भीषण आग से टेक्सास के पैनहैंडल में मैदान तबाह हो गए है, मवेशी मारे गए हैं, घर जल गए हैं और इस प्रकार से कुल 500 निर्माणस्थल नष्ट हुए हैं। आग लगने के बाद देखते ही देखते आग की लपटें ओक्लाहोमा सीमा को पार कर गई है। इस आग से 4,400 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र जल गया है। मौसम की स्थिति से अभी यह अनुमान लगाना संभव नहीं है कि आग की लपटों पर पूरी तरह से कब तक काबू पा ?लिया जाएगा।

भारतीय नर्तक की अमेरिका में गोली मारकर हत्या, दूतावास ने की निंदा

न्यूयॉर्क। एक भारतीय छात्र की अमेरिका में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस तरह से भारतीयों व भारतीय-अमेरिकी पर यह एक और हमला बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वाशिंगटन विश्वविद्यालय के छात्र एवं 34 वर्षीय शास्त्रीय नर्तक की मिसौरी के सेंट लुइस में गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुचिपुड़ी एवं भरतनाट्यम नर्तक अमरनाथ घोष को सेंट लुइस एकेडमी और सेंट्रल वेस्ट इंड इलाके की सीमा के निकट कई गोलियां मारी गईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पिछले साल पश्चिम बंगाल से अमेरिका आए थे। एक खबर के अनुसार, सेंट लुइस मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग ने बताया ?कि डेलमर बौलेवार्ड और क्लेरेंडन एवेन्यू में मंगलवार शाम सात बजकर 15 मिनट पर यह गोलीबारी हुई। घोष वाशिंगटन विश्वविद्यालय के 'परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे। बंगाल के सूरी शहर के रहने वाले घोष चेन्नई के प्रतिष्ठित संस्थान कलाश्रेष्ठ के पूर्व छात्र थे। घटना के बाद अमरनाथ के चाचा श्यामल घोष ने शनिवार को कहा कि अमेरिका में उनके भतीजे की मौत के बारे में उन्हें अब तक विस्तृत जानकारी नहीं मिली है, जबकि घटना को चार दिन बीत चुके हैं। समाचार पोर्टल ने अमरनाथ की मित्र हिमा कुप्पा के हवाले से कहा, अमरनाथ बैले नृत्य सीख रहे थे। मुझे लगता है कि यह वाशिंगटन विश्वविद्यालय में पूर्ण छात्रवृत्ति थी। उनका सपना नृत्य में पीएचडी की उपाधि हासिल करना और हमारी कुचिपुड़ी कला अकादमी में हमारे साथ पूर्णकालिक काम करने का था। उधर अमरनाथ की हत्या के बाद शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने स्थानीय पुलिस और विश्वविद्यालय के समक्ष यह मुद्दा उठाया है। भारत के वाणिज्य दूतावास ने मृतक के रिश्तेदारों को हरसंभव मदद का उल्लेख करते हुए शिकागो में 'एक्स पर पोस्ट किया कि उसने निंदनीय हमले की जांच के लिए सेंट लुइस पुलिस और विश्वविद्यालय के समक्ष मामले को दृढ़ता से उठाया है। मृतक के परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इसने कहा, 'हम फॉरेंसिक विभाग, पुलिस के साथ जांच कर रहे हैं और सहायता प्रदान कर रहे हैं। वाशिंगटन विश्वविद्यालय ने हत्या की घटना की निंदा करते हुए इसे समझ से परे संवेदनहीन हिंसा बताया है।

कंगाली से जूझ रहे मिस्र ने 35 अरब डॉलर में बेचा धरती का स्वर्ग

इजिप्ट। मिस्र इस समय आर्थिक कंगाली से जूझ रहा है, इसके लिए वह अपने शहरों तक को बेच रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पैसे जुटाने के लिए मिस्र की सरकार को एक-एक कर अपने प्रमुख शहरों को बेचना पड़ रहा है। इसी कड़ी में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी ने धरती पर स्वर्ग कहे जाने वाले अपने प्रमुख शहर रास अल हिकमा को भी बेच दिया है। मिस्र के इस ऐतिहासिक शहर को एक मुस्लिम देश यूएई ने ही खरीद लिया है। बताया जा रहा है कि यूएई ने 35 अरब डॉलर की रकम खर्च करते हुए रास अल हिकमा को खरीदा है। मिस्र के शहर रास अल हिकमा की बात करें तो यह समुद्र के किनारे बसा एक बेहद ही खूबसूरत शहर है। हालांकि, इस शहर को मजबूरी में मिस्र को बेचना पड़ा है। रास अल हिकमा पर्यटकों के पसंदीदा स्थान के रूप में भी मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मिस्र द्वारा इस शहर को खरीदने के बाद यूएई यहां कई प्रॉजेक्ट पर जल्द ही काम शुरू करने वाला है। यूएई द्वारा यहां करीब 150 अरब डॉलर के निवेश का प्लान बनाया गया है। इस मेगा प्रॉजेक्ट में मिस्र की भी 35 फीसदी साझेदारी है। बता दें कि अगर यह प्लान कामयाब रहा तो मिस्र के इतिहास में यह सबसे बड़ा कोई विदेशी निवेश होगा। यूएई के अलावा सऊदी अरब और कतर ने भी मिस्र के कई शहरों को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। मिस्र की मौजूदा आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। यही वजह है कि वह अपने प्रमुख शहरों को बेचने पर मजबूर हो रहा है। रही बात मौजूदा सरकार को अन्य देशों से कर्ज भी नहीं मिल रहे हैं। हाल ही में सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों से कर्ज मांगा था, लेकिन दोनों देशों से हा खड़े कर दिए थे। मजबरू में शहर ही बेचना पड़ गया।

विदेशों में लगातार हो रही भारतीयों की हत्या, आविदजान में भारतीय दंपत्ति की संदिग्ध मौत

आबिदजान। हाल ही में अमेरिका में भारतीय क्लासिकल डांसर अमरनाथ घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई तो वहीं अब पश्चिम अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट के आबिदजान में दो भारतीय नागरिकों की मौत की खबर मिली है। मृतकों की पहचान संतोष गोयल और संजय गोयल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों भारत से आइवरी कोस्ट जा रहे थे। भारतीय दूतावास ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक आधिकारिक बयान में, भारतीय दूतावास ने खुलासा किया कि वह शवों को भारत वापस भेजने की सुविधा के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। दूतावास ने यह भी कहा है कि वह शोक संतप्त परिवार को व्यापक सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा दूतावास ने इस बात पर जोर दिया कि वह भारतीय नागरिकों की मौत के आसपास की परिस्थितियों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से काम कर रहा है। दूतावास ने बयान में कहा कि हम मामले की व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाना और शोक संतप्त परिवार को जवाब देना है। हम इस स्थिति में स्पष्टता लाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे।दूतावास ने पोस्ट में कहा हम संतोष गोयल और संजय गोयल के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। हमारा दूतावास इस दुखद समय में परिवार को हर संभव सहायता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए त्वरित और सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

कश्मीर में हमले करने वाला मोस्ट वांटेड आतंकी पाकिस्तान में ढेर

इस्लामाबाद। कश्मीर में ताबड़तोड़ हमले करने वाला आतंकी ढेर हो गया है। शनिवार को पाकिस्तान स्थित मोस्ट वांटेड आतंकवादी कमांडरों में से एक शेख जमील-उर-रहमान को खैबर पख्तूनख्वा के एबटाबाद में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया है। रहमान यूनाइटेड जिहाद काउंसिल (यूजेसी) का महासचिव और तहरीक-उल-मुजाहिदीन (टीयूएम) का अमीर था। वह कश्मीर के पुलवामा के रहने वाला था। अक्टूबर 2022 में गृह मंत्रालय द्वारा उसे आतंकवादी घोषित किया गया था। उसकी मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। एक अधिकारी ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों में शामिल था और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ भी काम करता था। आपको बता दें कि हाल के कुछ महीनों में पाकिस्तान में रहस्यमय परिस्थितियों में कई आतंकवादी मारे गए हैं या मृत पाए गए हैं।

मलेशिया में विश्व पतंग समारोह में आसमान पर उड़ती हुई पतंगें।

मिसौरी के रिपब्लिकन प्रेसिडेंशियल कॉकस में फिर कामयाब हुए ट्रंप

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार चुनाव जीत रहे हैं। उनकी जीत के बढ़ते कदम उन्हे राष्ट्रपति की कुर्सी की तरफ ले जा रहे हैं। बीते रोज उन्होंने एक और शानदार जीत हासिल की है। ट्रंप ने मिसौरी के रिपब्लिकन प्रेसिडेंशियल कॉकस में जीत हासिल की है। मध्य-पश्चिमी राज्य में संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली पर ट्रम्प की जीत पूर्व राष्ट्रपति के लिए एक और अच्छी खबर है, जिन्होंने पहले आयोवा, न्यू हैम्पशायर, नेवादा और दक्षिण कैरोलिना में जीत हासिल की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रमुख राज्य मिशिगन में, ट्रम्प ने मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में 68 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर जीत हासिल की थी। शनिवार को, रिपब्लिकन सम्मेलन के दौरान उन्हें अधिक प्रतिनिधियों का समर्थन मिला, इससे उत्तरी राज्य में उनकी जीत पक्की हो गई। ट्रम्प ने अब तक 100 से अधिक प्रतिनिधियों को एकत्र किया है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद का नामांकन हासिल करने के लिए कम से कम 1,215 प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल करने की आवश्यकता होगी।

अमेरिका में भाजपा समर्थकों ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा करने पर अमेरिका में रह रहे उसके समर्थकों ने चुनाव में 400 सीट जीतने के लक्ष्यों की ओर योगदान देने और स्वयंसेवा करने का संकल्प लेते हुए अपना 2024 का प्रचार अभियान शुरू किया है। भाजपा ने शनिवार को 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है जिनमें से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाराणसी समेत 51 सीट उत्तर प्रदेश से हैं। 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी), यूएसए' के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने वाशिंगटन डीसी के मैरीलैंड उपनगर में शनिवार को चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने के बाद कहा, 'भारतीय प्रवासी समुदाय भारत में भाजपा को समर्थन देने जा रहा है।' इस कार्यक्रम में ओएफबीजेपी के करीब 100 कोर सदस्य शामिल हुए। भारत में लोकसभा के 543 सदस्यों को चुनने के लिए अप्रैल और मई 2024 के बीच आम चुनाव प्रस्तावित हैं। भारतीय-अमेरिकियों ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, जम्मू कश्मीर, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत विभिन्न भारतीय राज्यों में मामलों के उनके विश्लेषण पर प्रस्तुतियां दीं। अभी तक 3,000 से अधिक स्वयंसेवियों ने ओएफबीजेपी द्वारा समन्वित विभिन्न चुनाव संबंधी गतिविधियों के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

स्लोवाक के विदेश मंत्री ने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का किया विरोध

अंताल्या (तुर्की)। स्लोवाक के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने कहा है कि उनका देश रूस पर प्रतिबंध लगाने का विरोध करता है और युद्ध को बढ़ाने के लिए यूक्रेन में कोई हथियार या सेना नहीं भेजेगा। दक्षिणी तुर्की शहर में आयोजित अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम के मौके पर अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के बाद उन्होंने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, 'प्रतिबंध रूसी अर्थव्यवस्था की तुलना में यूरोपीय संघ को और भी अधिक नुकसान पहुंचाता है।卐 उन्होंने कहा, 卐हम किसी अन्य प्रतिबंध का समर्थन नहीं करेंगे, जो रूस से ज्यादा स्लोवाकिया को नुकसान पहुंचाएगा।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैनर ने कहा, 卐स्लोवाकिया की नई सरकार के रूप में, हम यूक्रेन को कोई हथियार नहीं देंगे।' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमारी स्थिति अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट है, हम युद्धविराम और शांति वार्ता का आह्वान करते हैं, जो इस संकट का एकमात्र समाधान है।' उनकी यह टिप्पणी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के सोमवार के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस की हार सुनिश्चित करने के लिए सैनिकों की तैनाती सहित वह सब कुछ किया जाना चाहिए जो आवश्यक है।

कभी बरसाए बम, अब अमेरिकी आसमान से गिरा रहे खाने के पैकेट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जिस अमेरिकी आसमान से कभी बम बरसाए जा रहे थे, आज वहीं से खाने के पैकेट गिराए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिकी सेना के सी-130 मालवाहक विमानों ने शनिवार को गाजा में खाद्य सामग्री के लगभग 38,000 पैकेट गिराए। यह जानकारी देते हुए अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वायु सेना की केंद्रीय कमान के तीन विमानों ने सुबह 8.30 बजे ईएसटी पर खाद्य सामग्री के लगभग 38,000 पैकेट वाले 66 बंडल गाजा में गिराए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गाजा में हवाई मार्ग से मानवीय सहायता पहुंचाने की शुक्रवार को घोषणा की थी। इसे गाजा में पहुंचाई जाने वाली मानवीय सहायता की यह पहली किश्त है। यह मानवीय सहायता जॉर्डन के सहयोग से पहुंचाई जा रही है। जबकि गाजा में गुरुवार को एक मानवीय सहायता काफिले से खाद्य सामग्री लेने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों की एक भीड़ पर इजराइली सैनिकों की गोलीबारी में कम से कम 115 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे।

इसे लेकर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को कहा कि जमीन पर मौजूद लोगों को सुरक्षित तरीके से आपातकालीन मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए हवाई मार्ग से सामग्री गिराए जाने की योजना बनाई जा रही है। सी-130 मालवाहक विमान कठिन परिस्थितियों में उतरने की क्षमता और मालवाहक क्षमता के कारण दूरदराज के स्थानों पर सहायता पहुंचाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला जेट विमान है। इधर संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा के 23 लाख लोगों में से एक चौथाई लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं। इससे पहले 29 फरवरी को गाजा शहर में राहत सामग्री का इंतजार कर रही फिलिस्तीनी भीड़ पर इजराइली सैनिकों के हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी थी। इसके साथ ही करीब पांच महीने पहले शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले लोगों की संख्या 30 हजार से ज्यादा हो गयी। हालांकि इजराइली अधिकारियों ने कबूल किया कि सैनिकों ने गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि भीड़ से धमकी मिलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की।

रिफ्यूजी टेंट पर हुए इजरायली हमले में 11 की मौत

फलीस्तीनी (एजेंसी)। शनिवार को इजरायल ने दक्षिणी शहर राफा में एक अस्पताल के पास विस्थापित नागरिकों के रिफ्यूजी टेंट पर हमला किया। इसमें लगभग 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला अमीराती अस्पताल के पास हुआ है। इस हमले के बीच इजरायली सेना ने दावा किया कि अस्पताल के क्षेत्र में इस्लामिक जिहाद समूह के आतंकवादियों को निशाना बनाकर सटीक हमला किया गया था। इस हमले को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी चिंता जाहिर की और इस इजरायली स्ट्राइक को अपमानजनक और अकथनीय करार दिया। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-कुद्रा ने एक बयान में कहा कि अमीराती मैटरनिटी अस्पताल के पास हुए विस्फोट में मारे गए लोगों में एक सहायक चिकित्सक भी शामिल है और बच्चे घायल हो गए। कुद्रा ने कहा कि इजरायली बलों द्वारा अमीराती अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के तंबुओं को निशाना बनाने के परिणामस्वरूप 11 नागरिक शहीद हो गए और बच्चों सहित लगभग 50 घायल हो गए।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज के अनुसार, सड़कों पर खून से लथपथ शव दिखाई दे रहे थे और भीड़ जमा हो गई थी। साथ ही लोग घायलों को इलाज के लिए ले जा रहे थे। राफा में घायल लोगों को स्ट्रेचर पर कुवैती अस्पताल ले जाते हुए देखा गया। इजरायली सेना ने पुष्टि की कि अस्पताल के क्षेत्र के पास हमला हुआ। सेना ने एक बयान में कहा कि इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों के खिलाफ सटीक हमला किया गया और क्षेत्र के अस्पताल को कोई नुकसान नहीं हुआ। इजरायल ने बार-बार हमास के आतंकवादियों पर सैन्य उद्देश्यों के लिए अस्पतालों का उपयोग करने का आरोप लगाया है, लेकिन फलस्तीनी समूह इससे इनकार करता है। एक अनुमान के अनुसार 15 लाख फलस्तीनियों ने राफा में शरण मांगी है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि अगर इजरायल शहर पर योजनाबद्ध जमीनी आक्रमण करता है तो बड़े पैमाने पर हताहत होंगे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास के खिलाफ इजरायल के जवाबी सैन्य अभियान में कम से कम 30,320 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

पीटीआई के उमर अयूब को हराकर शहबाज शरीफ फिर बने पाकिस्तान के पीएम

-कुर्सी पर बैठते ही अलापा कश्मीर राग भारत के साथ संबंधों पर साध ली चुप्पी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक बार फिर उमर अयूब को हराकर शहबाज शरीफ पाकिस्तान के पीएम बन गए हैं। उन्होंने पीएम बनते ही कश्मीर राग अलापना शुरु कर दिया है। हालांकि भारत से संबंधों के मामले में उन्होंने चुप्पी साध ली है। ताजा जानकारी के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ एक बार फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन गए हैं। रविवार 3 मार्च 2024 को उन्हें वोटिंग के बाद पीएम चुन लिया गया। शहबाज शरीफ ने शनिवार 2 मार्च को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। वोटिंग से पहले ही आंकड़े पीएमएल-एन के हक में थे और माना जा रहा था कि शहबाज शरीफ के हाथों में एक बार फिर से देश की कमान आएगी। उनके खिलाफ इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता उमर अयूब खान ने पीएम पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। पाकिस्तानी संसद में रविवार को पीएम के चुनाव के लिए वोटिंग के दौरान शहबाज ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर 100 वोटों से अधिक की बढ़त हासिल की। शहबाज शरीफ को कुल 201 वोट मिले, जबकि पीटीआई के उमर अयूब खान को 92 वोट मिले। इसके बाद शहबाज शरीफ के नाम की पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री के रूप में घोषणा कर दी गई। शहबाज शरीफ सोमवार को पद की शपथ लेंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में पिछले दिनों हुए चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था।

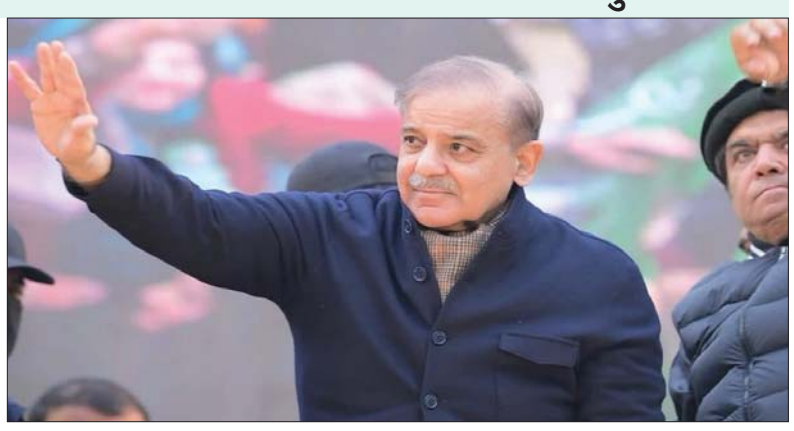

इसके बाद नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने पीपीपी और एमक्यूएम के साथ गठबंधन करके सरकार बनाने का फैसला किया था। बता दें कि शहबाज शरीफ पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं। उन्होंने पार्टी की तरफ से पीएम के लिए नामांकन किया था। शहबाज शरीफ इससे पहले अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पाकिस्तान के पीएम रह चुके हैं। उस वक्त भी उन्होंने पीपीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी।

शहबाज शरीफ पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बने हैं। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री चुने जाने का ऐलान करने के बाद उन्हें सदन को संबोधित करने के लिए कहा। शहबाज ने गाजा, कब्जे वाले कश्मीर की स्थिति पर दुनिया से चुप्पी तोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा, आइए हम सब एक साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए। हालांकि शहबाज शरीफ ने भारत, अफगानिस्तान के साथ संबंधों का कोई जिक्र नहीं किया, जबकि उन्होंने कश्मीर का जमकर जिक्र किया। वहीं चीन के साथ संबंधों, सीपीईसी की भूमिका, अमेरिका, यूरोप, सऊदी, यूएई आदि के साथ संबंधों पर खुलकर बोले।

अबू धाबी का मंदिर आमजनों के लिए खुला- अंग प्रदर्शन वाले कपड़ों में नहीं मिलेगी अनुमति,टोपी वालों को भी नहीं मिलेगा प्रवेश

दुबई (एजेंसी)। मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में बने भव्य हिंदू मंदिर में टोपी पहनकर जाने वालों को प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा पारदर्शी और टाइट कपड़े पहनने वालों को भी अनुमति नहीं मिलेगी। गाइडलाइंस में कहा गया है कि श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले गर्दन, कोहनी और टखनों के बीच के शरीर के क्षेत्र को ढककर रखना होगा। गाइडलाइंस में कहा गया है, टोपी, टी-शर्ट और आपत्तिजनक डिजाइन वाले अन्य कपड़ों की अनुमति नहीं है। जालीदार या आर-पार दिखने वाले और टाइट-फिटिंग कपड़े न पहनें।गाइडलाइंस में मंदिर प्रांगण में पालतु पशुओं को भी प्रवेश नहीं देने की बात कही गई है। इसके अलावा मंदिर परिसर में बाहरी भोजन और पेय की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, मंदिर परिसर के भीतर ड्रोन कैमरे या ड्रोन सख्त वर्जित हैं। गाइडलाइंस के मुताबिक मंगलवार से रविवार तक मंदिर सुबह 9 बजे से शाम 8 बजे तक खुले रहेंगे। हरेक सोमवार को मंदिर आगंतुकों के लिए बंद रहेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 फरवरी को पत्थर से निर्मित अबू धाबी के इस पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया था। मंदिर प्रबंधन ने अपनी वेबसाइट पर मंदिर में आने वाले भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ड्रेस कोड से लेकर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के नियम बताए गए हैं।मंदिर की वेबसाइट पर बताए गए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, टी-शर्ट, टोपी और टाइट फिटिंग ड्रेस पहनकर आने वालों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। यह मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल राहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दान में दी है। इस मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है। इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर में स्वयंसेवक उमेश राजा के अनुसार, 20 हजार टन से अधिक चूना पत्थर के टुकड़ों को राजस्थान में तराशा गया और 700 कंटेनर में अबू धाबी लाया गया।

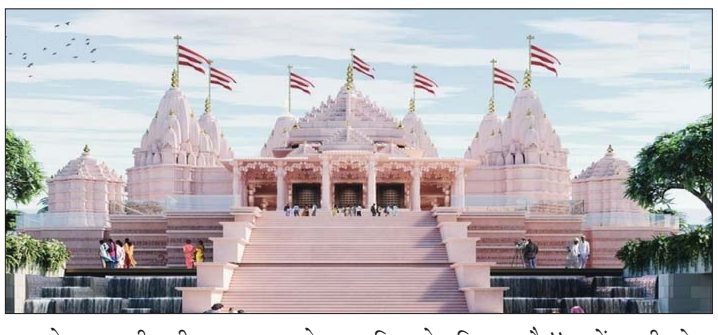

बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने 'एक्स' पर कहा, ''प्रतीक्षा समाप्त हुई! अबू धाबी मंदिर को अब सभी आगंतुकों और श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है।'' इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि मंदिर सोमवार को छोड़कर सभी दिन सुबह नौ बजे से रात आठ बजे तक खुला रहेगा।

मैं वही फिल्में करना चाहता हूं, जो लोगों को टच करे

बॉलिवुड में सनम तेरी कसम जैसी चर्चित फिल्म देने वाले एक्टर हर्षवर्धन राणे ने साउथ में काफी काम किया है। जिंदगी और करियर में संघर्ष करने वाले हर्ष इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म दंगे से।

आपने अपने करियर की शुरुआत सनम तेरी कसम जैसी फिल्म से की, साउथ में काफी काम किया, मगर हिंदी फिल्म जगत में आप चुनिंदा काम क्यों करते हैं?

जहां तक चुनिंदा काम की बात है, तो मैं वही फिल्में देखना चाहता हूं, जो लोगों को टच करें। तारा वर्सेज बिलाल में मेरी परफॉर्मेंस ने कई लोगों को छुआ। तैश में भी लोगों को मेरा काम पसंद आया। सनम तेरी कसम में तो लोगों ने मुझे पसंद किया। मैं उम्मीद करता हूं कि दंगे में भी ऐसा ही हो। सच कहूं, तो मैं वेब सीरीज इसलिए भी नहीं कर पाया, क्योंकि वो मैं वो परिवार के साथ बैठकर देखना चाहता हूं। मैं गाली-गलोच वाला ऐसा कॉन्टेंट नहीं देना चाहता, जो मुझे अपने पैरंट्स या किसी और के सामने शर्मिंदा होना पड़े या आंखें चुरानी पड़े।

आप भले कॉलेज नहीं जा पाए, मगर हाल ही में आपने सायकॉलजी में डिप्लोमा लिया? आप अपनी फिल्म में कॉलेज बॉय का रोल प्ले कर रहे हैं।

जी, मैंने हाल ही में कैंब्रिज से एक डिप्लोमा किया इमोशनल सायकॉलजी का। मैं मानता हूं कि एजुकेशन बहुत अहम हैं, मगर जो लोग पढ़ाई-लिखाई में अव्वल नहीं होते, इसका मतलब ये नहीं कि वे नकारा हैं। उस डिप्लोमा के बाद मुझे पता चला कि 9 तरह के इंटेलिजेंस होते हैं। स्कूल में हमें दो तरह के इंटेलिजेंस से वाकिफ कराया जाता है। एक है वर्बल और दूसरा है न्यूमेरिक। मैथ्स और लैंग्वेज, जबकि इसके अलावा स्पेस, म्यूजिकल, इंडक्टिव रीजनिंग जैसे 9 इंटेलिजेंस होते हैं। आप जब कहते हैं कि हमारा बच्चा स्कूल में अच्छे नंबर नहीं लाता, तो हो सकता है कि उसके पास कोई और विशेषता हो। मैं स्कूल में पढ़ाई-लिखाई में उतना मजबूत नहीं था। मगर बाद में मुझे पता चला कि मैं दूसरी चीजों में होशियार था। ये डिप्लोमा करके मुझे अच्छा लगा और आगे भी मैं पढ़ता रहूंगा। हालांकि निजी जिंदगी में तो मैं 12 वीं तक ही पढ़ा और उसके बाद घर से भाग गया था।

रिलेशनशिप के मामले में आप कितने लकी हैं?

मैं इतना ही कहूंगा कि मैं रिलेशनशिप के मामले में बेइंतेहा लकी हूं। भगवान, मेरे पैरंट्स और मरहूम डैड का हाथ है इसमें। वो जो कहते हैं न दिल का मरहम, वो है मेरे पास। मैं इस बारे में बात करना पसंद नहीं करता, क्योंकि रिलेशनशिप की बातें करने के बाद आपको एक हफ्ते की अटेंशन मिलती है, मगर उसका आपकी फिल्म और करियर को कोई फायदा नहीं होता। मैं सोचता हूं कि क्या मैं यहां इसीलिए आया था? छुपाने वाली बात नहीं है, बस मैं सोचता हूं, इससे मेरे काम को क्या फायदा मिलेगा? मुझे नहीं करनी इस पर बात।

अगर आपकी आगामी फिल्म दंगे की बात करूं, तो इसमें आपके लिए क्या खास है?

मेरे लिए इसमें सबसे पहला आकर्षण बिजॉय नाम्बियार थे। उनके साथ मैं तैश में पहले भी काम कर चुका हूं। क्रिएटर के रूप में मैं उनसे बहुत मोहब्बत करता हूं। मैं उन फिल्मकारों से ज्यादा कनेक्ट कर पाता हूं, जो अपने काम को लेकर पागल हैं, जुनूनी हैं। जो पसीना बहाकर, रो कर बाल नोच कर फिल्में बनाते हैं, मुझे उनसे प्यार हो जाता है। बिजॉय सर में वही पागलपन है। वे चाहते तो इस फिल्म को साउथ एक्टर अर्जुन दास और कालिदास के साथ बना सकते थे, मगर उन्होंने अलग-अलग कास्टिंग करके शॉर्टकट नहीं अपनाया।

औरतों को जब बॉडी शेमिंग किया जाता है तो बहुत दुख होता है

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा इन दिनों अपने पॉडकास्ट व्हॉट द हेल नव्या के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही बातचीत में उन्होंने अपने इस शो के अलावा महिलाओं की बॉडी शेमिंग से लेकर बच्चन परिवार की सदस्य होने का प्रेशर और एक्टिंग छोड़ आंत्रप्रन्योर बनने का क्यों सोचा, इस पर बात की।

आप बच्चन परिवार की विरासत के साथ-साथ खूबसूरत और प्रतिभाशाली भी हैं, तो लोगों को लगता था कि ये तो हीरोइन ही बनेगी, मगर आपने आंत्रप्रन्योर बनने की राह चुनी?

मेरे पिता के तरफ का परिवार सालों से बिजनेस करता आया है। हमारा फैमिली बिजनेस भी है। हम ट्रैक्टर्स बनाते हैं। मेरे दादा, परदादा, दादी सभी फैमिली बिजनेस में हैं। ददिहाल की तरफ से बिजनेस है तो ननिहाल की तरफ से एंटरटेनमेंट। मगर मेरा रुझान हमेशा से बिजनेस की तरफ रहा, यही वजह है कि मैंने इस क्षेत्र को चुना। मुझे कभी भी हीरोइन नहीं बनना था। मैं खुश हूं कि मुझे वो चुनने का मौका मिला, जो मैं करना चाहती थी।आपने जैसा कहा कि मैं खूबसूरत हूं, तो मुझे हीरोइन बनना चाहिए था, मगर मेरा मानना है कि हर खूबसूरत लड़की हीरोइन नहीं बनती।

आप लगातार महिला मुद्दों पर बातें करती आ रही हैं, मगर आपको लड़कियों से जुड़ी क्या बात सबसे ज्यादा परेशान करती है?

हम लोग अपनी फाउंडेशन नवेली में एजुकेशन, हेल्थ, आंत्रप्रेन्योरशिप, लीगल अवेयरनेस जैसे चार पहलुओं पर काम करते हैं और हमने देखा है कि इन पहलुओं पर और ज्यादा काम करने की जरूरत है। हालांकि इन सभी क्षेत्रों में महिलाएं काफी आगे बढ़ी हैं। आज हमारे पास कई रोल मॉडल्स हैं, मगर मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं आगे बढ़ें। हम इस तरह की औरतों को सपोर्ट करना चाहते हैं। जैसे कि हमारा वुमन आईपीएल शुरू हो रहा है। हमारी वुमन एथलीट भी काफी कमाल कर रही हैं। मैं चाहती हूं सोशल मीडिया पर लोग बॉडी शेमिंग न करें। महिलाओं के रूप या शेप पर बात न करें। हम सभी अलग-अलग तरीके से सुंदर हैं। हम वूमनहुड को सेलिब्रेट करें। उस पर कमेंट्स न करें। जब भी किसी औरत की बॉडी पर कमेंट्स होते हैं, दुख होता है। मुझे ऑनलाइन अब्यूज बहुत परेशान करता है।

लड़कियों को लेकर आपको कौन -सी बात हीनता का अहसास कराती है? कई बार वो हीनता डायरेक्ट नहीं होती।

हमारे फाउंडेशन की शुरुआत मेंस्ट्रुअल हाइजीन से हुई थी। जो लोग इस पर बात नहीं करते थे। माहवारी खून को गंदा कहते थे। लड़कियां स्कूल या किचन में नहीं जा पाती थीं। इसे लेकर कई मिथ और टैबूज थे। इसे लेकर बहुत हीन महसूस करवाया जाता रहा है लड़कियों को। यह एक बड़ा मुद्दा है, जिस पर हम बदलाव लाने की कोशिश करते आ रहे हैं। हालांकि काफी बदलाव हुआ है।

व्हॉट द हेल नव्या के दूसरे सीजन की क्या खास बात है?

पहले सीजन को बहुत प्यार मिला। वो सीजन लोगों तक ऑडियो के माध्यम से पहुंचा था और इसमें नई बात ये है कि इसमें विडियो भी है। इस सीजन में हमने कोशिश की है कि पहले सीजन में हमने जिन मुद्दों पर बात की थी, इसमें हम उनकी गहराई में जाएं। इसके अलावा हमने आज की पीढ़ी को जोड़ने वाले विषयों पर भी बात की है। हमारे नए सीजन में नानी (जया बच्चन) और मॉम (श्वेता नन्दा) से जो बातचीत हुई है, उम्मीद है उससे नई जनरेशन और लोगों को नया नजरिया मिले।

अगली फिल्म वेट्टैयान से सामने आया रजनीकांत का लुक, पुलिस की वर्दी में दिखे

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत फिर से दर्शकों के लिए कुछ नया और खास लेकर आ रहे हैं। और शायद इस बार भी वह पुलिस का किरदार निभा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म वेट्टैयान से एक्टर का लुक लीक हुआ है। एक्टर टीजे ग्नानवेल की डायरेक्टेड फिल्म की शूटिंग के लिए देशभर में घूम रहे हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह वर्दी में दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही एक्टर रजनीकांत कार से बाहर निकलते हैं, फैन्स की भीड़ उन्हें घेर लेती है। उनके साथ फोटोज क्लिक करने लगते हैं। लेकिन एक्टर एक मिनट भी रुकते नहीं। वह सीधे उतरकर अंदर चले जाते हैं। अब एक्टर के इस लुक को देखकर लोग बेहद एक्साइटेड हो गए हैं। वह इंतजार कर रहे हैं कि कब वह दोबारा उन्हें बड़े पर्दे पर देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेट्टैयन सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक एंटरटेनिंग एक्शन फिल्म है। बताया जा रहा है कि रजनीकांत एक मुस्लिम पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। इसके पहले उन्हें फिल्म लाल सलाम में, रजनीकांत को मोइदीन भाई नाम के एक मुस्लिम व्यापारी की भूमिका निभाते हुए देखा गया था।

बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज से पहले सोनाक्षी के हाथ लगी एक और फिल्म

सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगी। इस बीच उनके हाथ एक और फिल्म लगी है। जल्द ही वह विशाल राणा की फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं है। इसका निर्देशन करण रावल करेंगे। विशाल राणा और सोनाक्षी दोनों ने इस आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी खुशी जताई है। इकोलोन प्रोडक्शंस के प्रमुख विशाल राणा अभिनेत्री सोनाक्षी के साथ अपनी आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। करण रावल ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है। सोनाक्षी सिन्हा ने नए प्रोजेक्ट को लेकर कहा, इकोलोन प्रोडक्शंस के साथ यह मेरी पहली फिल्म है। मैं हमेशा नए और शानदार किरदार अदा करने के लिए उत्साहित रहती हूं। यह फिल्म इस कड़ी में मेरी अगली यात्रा तय करेगी। इस फिल्म में थ्रिलिंग भूमिका अदा करने के लिए मैं बहुत खुश और बहुत उत्साहित हूं। इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। फिल्म को लेकर बाकी जानकारी भी जल्द साझा की जाएंगी। बात करें फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की तो यह फिल्म अप्रैल में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दोनों अपने एक्शन का दम दिखाते नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है।

दो पत्ती से फिल्म निर्माण में कदम रख रही हैं एक्ट्रेस कृति सेनन

अपकमिंग फिल्म दो पत्ती में अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस कृति सेनन ने खुलकर बात की। साथ ही कहा कि यह बतौर निर्माता उनकी पहली फिल्म है। कृति दो पत्ती से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही हैं, जिसमें काजोल भी हैं। अभिनेत्री ने अपना होम बैनर ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स शुरू करने के पीछे का कारण बताया। उन्होंने कहा कि इससे अधिक अवसर पैदा होंगे। कृति ने कहा, फिल्म मिमी के बाद मैं कुछ अलग करने की कोशिश कर रही थी। एक कलाकार के रूप में मैं संतुष्ट हूं लेकिन उन चीजों को करने के लिए खुद को प्रेरित कर रही हूं, जो मैंने पहले कभी नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं काफी समय से ऐसे मौके की तलाश में थी। एक एक्ट्रेस और निर्माता दोनों के रूप में दो पत्ती मेरे लिए वही अवसर है। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, दो पत्ती उत्तर भारत की पहाड़ियों पर आधारित एक मिस्ट्री थ्रिलर है। यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

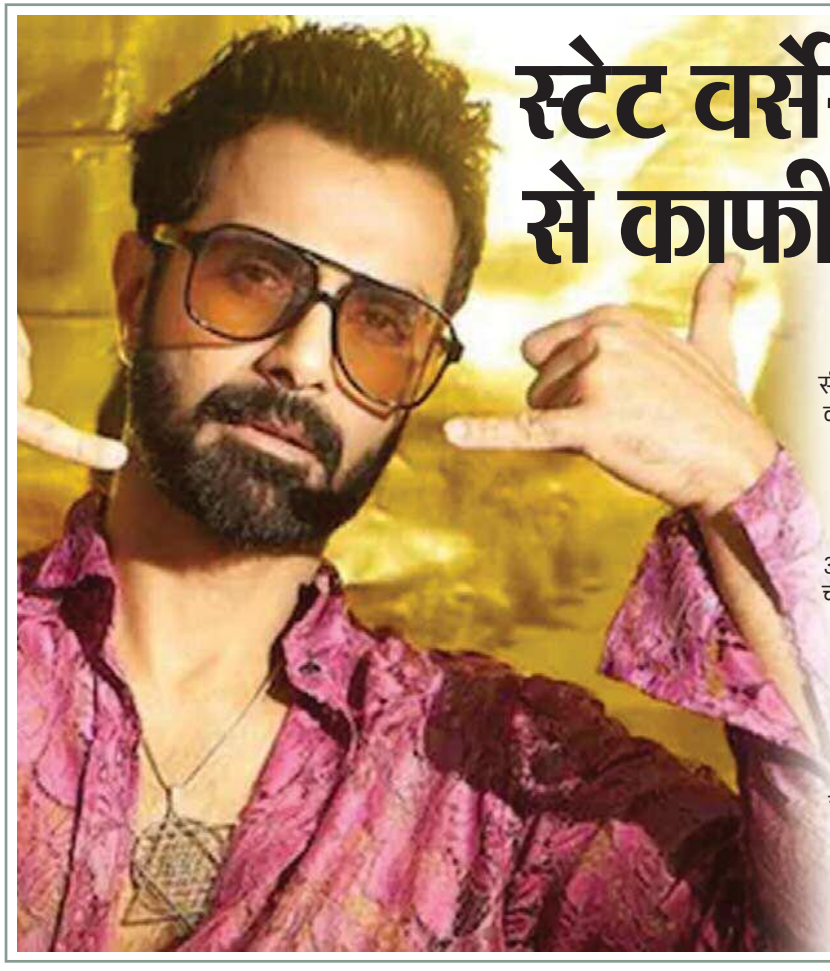

स्टेट वर्सेस आहूजा के किरदार से काफी जुड़ाव महसूस किया

अभिनेता अश्मित पटेल ने अपने करियर के एक छोटे से ब्रेक के बाद वॉचो एक्सक्लूसिव सीरीज़ स्टेट वर्सेस आहूजा के साथ स्क्रीन पर वापसी की, जिसमें उन्होंने नायक अंश आहूजा का किरदार निभाया है, जो एक बॉलीवुड अभिनेता है, जिस पर उसकी नौकरानी दीपा के बलात्कार का आरोप लगाया है। दीपा सावंत का यह किरदार अनुरेखा भगत द्वारा अभिनीत है। अभिनेता ने हाल ही में उन्हें किस चीज ने सीरीज़ का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया और उनका बाकि कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव कैसा था, इस बारे में चर्चा की। अश्मित को जिस चीज़ ने इस सीरीज़ में भूमिका स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया, उसके बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने मेरे इस किरदार से कई चीजें सीखी हैं, क्योंकि यह एक ऐसे अभिनेता की भूमिका है, जिस पर कुछ चीज़ों का झूठा आरोप लगाया गया है, जो तुरंत मुझे मेरे कहानी के साथ जोड़ता है। मैंने मेरे किरदार के साथ जुड़ाव महसूस किया और मुझे लगा कि मैं यह किरदार निभाने के लिए एक सही कलाकार हूँ। मेरे किरदार की कई परतें थीं और यह कहानी भी अद्भुत थी। इसलिए, मैंने सोचा कि इसे स्वीकार करना मेरे लिए एक दिलचस्प चुनौती होगी। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, जब मैं सीरीज़ के निर्माता सुरेश थॉमस से मिला, जिन्हें मैं कई वर्षों से जानता हूँ, तो मुझे काफी अच्छा लगा। सुरेश थॉमस मेरे पिताजी के पुराने व्यावसायिक सहयोगी हैं और उनके बीच वर्षों से व्यावसायिक संबंध रहे हैं। मैं उन्हें बचपन से जानता हूँ। जब वे इस प्रोजेक्ट के लिए मेरे पास पहुँचे, तो मुझे काफी आश्चर्य हुआ यह देखते हुए कि वे केवल संगीत व्यवसाय में थे और इस प्रोजेक्ट का निर्माण उनके पहले उपक्रमों में से एक था। पारिवारिक संबंध होने के कारण मुझे यह प्रोजेक्ट स्वीकार करना ही था। इसके अलावा, निर्देशक तरुण चोपड़ा ने मुझे पूरी स्क्रिप्ट सुनाई और मुझे वह बहुत पसंद आई। इसलिए, मेरे लिए यह प्रोजेक्ट एक जीत हासिल करने की तरह था और मेरे पास न कहने का कोई कारण ही नहीं था।

स्टेट वर्सेस आहूजा की टीम के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए, अश्मित ने शेयर किया, सीन के बीच यदि कोई अत्यधिक भावनात्मक या गंभीर सीन नहीं रहता था, जिसके लिए गंभीर माहौल की आवश्यकता थी, तो वहाँ मौज-मस्ती वाला माहौल रहता था। निर्देशक तरूण चोपड़ा एक युवा और खुशमिजाज व्यक्ति हैं, जिनके साथ मेरी काफी अच्छी दोस्ती रही और मेरे सह-कलाकारों की वजह से भी सेट पर काफी पॉजिटिव माहौल रहता था। हालाँकि, वहाँ कोई बड़ी शरारतें नहीं थी, फिर भी एक पॉजिटिव माहौल था। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से कहूँ, तो हम पूरे शो को सही समय सीमा के भीतर शूट करने में कामयाब रहे। कुछ छोटे-मोटे रीशूट के अलावा, सब कुछ सही तरह से आगे बढ़ा। हमने बैकअप की तैयारी भी रखी थी, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर हमारा काम पूरा हुआ। शुरुआत से ही सेट का माहौल इतना पॉजिटिव था कि मैं उस माहौल को आज भी भूल नहीं पाता। मैं और मेरी ऑनस्क्रीन पत्नी के साथ मैंने अपना पहला सीन शूट किया, जिसके बाद की शूटिंग बहुत अच्छे से और आसानी से खत्म हुई। एक हेवी सीन की शुरुआत से हमारे आत्मविश्वास को बढ़ने में मदद भी मिली। मैंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे सभी लोगों के साथ अच्छा समय बिताया।